Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 22 October 2023 ● Year : 01 ● Issue : 275 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

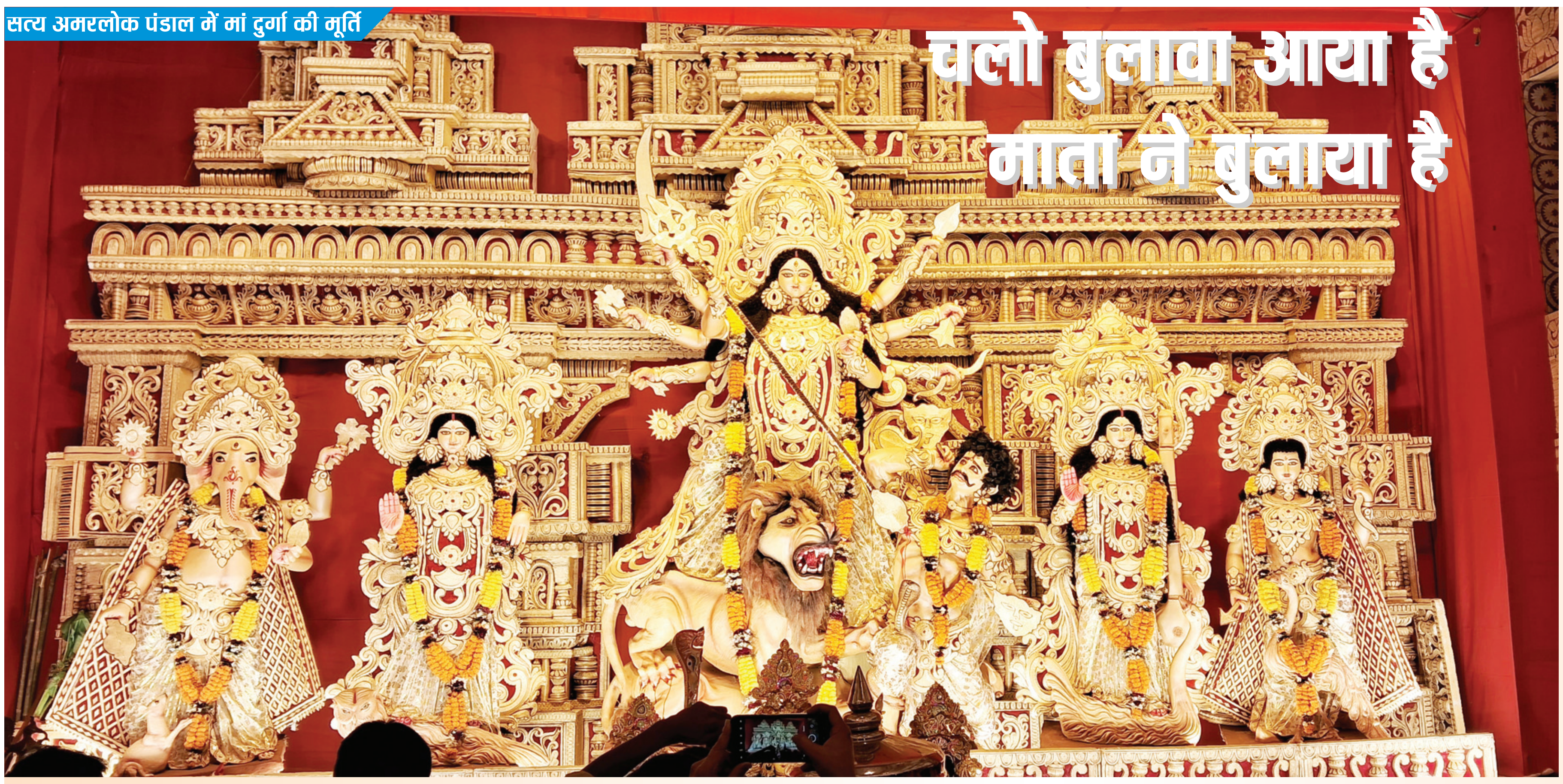

आकर्षण का केंद्र बनें रांची के पूजा पंडाल, मां के दर्शन के लिए उमड़ रहा जनसैलाब

PHOTON NEWS RANCHI : दुर्गोत्सव का उल्लास बिखर रहा है। श्रद्धालूओं का उत्साह चरम पर है। बेलवरण अनुष्ठान के साथ राजधानी के अधिकतर पंडालों के पट खोल दिये गये हैं। मां के दरबार में भक्तों की कतार लगने लगी है। राजधानी में चारों तरफ भक्ति का माहौल है। दूर-दूर से लोग मां के दर्शन के लिए आ रहे हैं। पंडालों के थीम सबका मन मोह रहे हैं। रंग-बिरंगी लाइट आकर्षित कर रही है। पंडाल परिसर ढ़ाकी, ढोल, घंटी और शंख की ध्वनि से गूंज रहे हैं। शनिवार सुबह मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा की गयी। दोपहर बाद गाजे-बाजे के साथ बेलवरण अनुष्ठान संपन्न हुआ। बेल वृक्ष के नीचे पूजा की गयी। विजय दशमी के अवसर पर एचईसी परिसर में इस बार रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है। इस रावण दहन में रावण और कुंभकरण का पुतला दहन किया जाएगा। मेघनाथ का पुतला नहीं बना है। 55 फीट का रावण और 45 फीट कुंभकरण का पुतला तैयार किया गया है। रावण दहन कार्यक्रम में दो लाख लोग शामिल होंगे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि विजयादशमी रावण दहन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डा. रामेश्वर उरांव शिरकत करेंगे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती की गई है।

SHARE

सेंसेक्स	:	65,397.62
निफ्टी	:	19,542.65

SARAFA

सोना	:	5,820
चांदी	:	78.07

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पाकिस्तान की ओर से की गई स्नाइपर फायरिंग में एक जवान जख्मी

SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात पाकिस्तान की ओर से की गई स्नाइपर फायरिंग में सेना का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान सिपाही सौरव कुमार को उपचार के लिए श्रीनगर में सेना के 92-बेस अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार देर रात को कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में एक भारतीय सेना चौकी पर स्नाइपर शॉट दागा। इस घटना में सिपाही सौरव कुमार घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि डॉक्टरों ने सैनिक की हालत खतरे से बाहर और स्थिर बताई है।

झारखंड में मिले डेंगू के सात मरीज

RANCHI : राज्य में डेंगू के सात मरीज मिले हैं। शनिवार को राज्य भर में 96 संदिग्ध मरीज मिले। इनमें सबसे ज्यादा दुमका में संदिग्धों की संख्या 30 है। हालांकि जांच के बाद किसी भी मरीज में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है। धनबाद में दो, हजारीबाग में तीन और पश्चिमी सिंहभूम में दो डेंगू के मरीज मिले हैं। वहीं चिकनगुनिया के भी 16 संदिग्ध मरीज मिले। सभी देवघर जिले के हैं।

इजराइली सेना ने तबाह किए हमास लड़ाकों के घर

वेस्ट बैंक में रेड, 670 फिलिस्तीनी गिरफ्तार

AGENCY TEL AVIV-YAFO : इजराइल-हमास की जंग का शनिवार 15वां दिन था। इस बीच इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में रेड की है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यहां कई इलाकों से जंग शुरू होने के बाद से अब तक 670 फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 450 फिलिस्तीनी हमास से जुड़े बताए गए हैं। 7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग के बाद से ही वेस्ट बैंक में भी हिंसा हो रही है। सेना ने कहा- हमने अकाबत जबर शरणार्थी शिविर में हमास के लड़ाके माहेर शालून सहित कई लड़ाकों का घर तबाह कर दिया है।

जंग रोकने के लिए मिस्र में बैठक

दोनों पक्षों में सीजफायर करवाने के लिए मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी की अगुआई में काहिरा में एक समिट चल रही है। इसमें कतर, यूएई, इटली, स्पेन, ग्रीस, कनाडा और यूरोपियन काउंसिल सहित 10 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि मौजूद हैं। समिट में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने कहा कि कोई भी चुनौती हो, हम अपनी जमीन छोड़कर कहीं और नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि इजराइल ने स्कूल, अस्पतालों से लेकर औरतों और बच्चों पर बम दागे हैं। इन्होंने हर तरह के मानवीय कानून का उल्लंघन किया है। इससे पहले, जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह द्वितीय ने फिलिस्तीनियों की मौत पर पश्चिमी देशों की चुप्पी की निंदा की। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनियों को बेघर करना पूरी अरब दुनिया के लिए चिंता की बात है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने ऐलान किया कि गाजा के लोगों की मदद के लिए मिस्र की राफा क्रॉसिंग अब खुली रहेगी।

हाई कोर्ट ने दुमका कोर्ट के फैसले को पलटा

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने दुमका सिविल कोर्ट के एक फैसले को पलट दिया है। हाई कोर्ट ने दोषियों की फांसी की सजा को पलटते हुए दोबारा ट्रायल करने का आदेश दिया है। दरअसल, दुमका सिविल कोर्ट ने गैंगरेप के तीन आरोपितों को वर्ष 2020 में दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। साथ ही 25-25 हजार का जुमार्ना लगाया था। सिविल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखने के लिए हाई कोर्ट में डेथ रेफरेंस याचिका दाखिल की गयी थी। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की डेथ रेफरेंस याचिका खारिज कर दी। साथ ही तीनों के खिलाफ दोबारा ट्रायल शुरू करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जिस कोर्ट ने तीनों आरोपितों को दोषी करार दिया था, उस कोर्ट में ट्रायल न किया जाये, बल्कि दूसरे कोर्ट में इस मामले का ट्रायल किया जाये। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक पंकज कुमार ने पक्ष रखा। हाई कोर्ट ने इस मामले के लिए अधिवक्ता कुमार वैभव को अमेकस क्यूरी (न्याय मित्र) के रूप में नियुक्त किया था। अधिवक्ता कुमार वैभव ने आरोपितों की ओर से केस लड़ने के लिए कोई फीस नहीं ली। मामले की सुनवाई जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ में हुई।

MISSION GAGANYAN TESTING SUCCESFUL

AGENCY SRIHARIKOTA : इसरो ने शनिवार को गगनयान मिशन के क्रू एस्केप सिस्टम की सक्सेसफुल टेस्टिंग की। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 10 बजे इसे लॉन्च किया गया था। इसे टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) नाम दिया गया। ये मिशन 8.8 मिनट का था। इस मिशन में 17 किलोमीटर ऊपर जाने के बाद सतीश धवन स्पेस सेंटर से 10 किलोमीटर दूर बंगाल की खाड़ी में क्रू मॉड्यूल को उतारा गया। रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग की गई। टेस्ट फ्लाइट में तीन हिस्से थे- अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। विकास इंजन को मॉडिफाई कर ये रॉकेट बनाया गया था। वहीं क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं था जैसा मैन्ड मिशन में होगा।

पहले दो बार टला था मिशन

शनिवार को दो बार मिशन को टाला गया था। इसे 8 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन मौसम ठीक नहीं होने कारण इसका टाइम बदलकर 8.45 किया गया। फिर लॉन्चिंग से 5 सेकेंड पहले इंजन फायर नहीं हो पाए और मिशन टल गया। इसरो ने कुछ देर बाद गड़बड़ी ठीक कर ली।

MP में टिकट पर कलह, कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़

जमकर काटा बवाल, दिग्विजय के फोटो पर जूते मारे, गोबर पोता, पुतला भी जलाया

AGENCY BHOPAL : मध्यप्रदेश कांग्रेस में टिकट बंटवारे के बाद कई सीटों पर प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है। नाराज कार्यकताओं ने भोपाल पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदर्शन किया। शनिवार को शाजापुर जिले के शुजालपुर, निवाड़ी, दतिया जिले की सेवढ़ा और मंदसौर की मल्हारगढ़ सीट के कैंडिडेट्स के खिलाफ असंतुष्ट कार्यकताओं ने पीसीसी दफ्तर के सामने नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उनके विधायक बेटे जयवर्धन सिंह का पुतला जलाया। इतना ही नहीं, दिग्विजय सिंह की फोटो को जूते मारे और गोबर भी पोता। गुस्साए कार्यकताओं ने तोड़फोड़ भी की। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने अपने समर्थकों के साथ विरोध जताया। दिग्विजय पर ओबीसी का हक मारकर अपने रिश्तेदारों को टिकट देने का आरोप लगाया। दामोदर ने इस्तीफा देकर प्रदेश की 16 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। दतिया जिले की सेवढ़ा विधानसभा सीट से घोषित प्रत्याशी के विरोध में कार्यकताओं ने भोपाल में दिग्विजय सिंह और जयवर्द्धन सिंह का पुतला जलाया। दतिया जिले की सेवढ़ा विधानसभा सीट से घोषित प्रत्याशी के विरोध में कार्यकताओं ने भोपाल में दिग्विजय सिंह और

प्रर्दशन करते टिकट बंटवारे से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ता।

प्रमोद मिश्रा समेत दो नक्सलियों से NIA कर रही पूछताछ

RANCHI : नेशनल इन्वेस्टिगेशन ब्यरो (एनआईए) भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। इससे पहले बीते दो अक्टूबर को भी एनआईए ने प्रमोद मिश्रा से पूछताछ की थी। बता दें कि बिहार पुलिस रितेश विद्यार्थी के भाई रोहित विद्यार्थी को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। इस दौरान रोहित विद्यार्थी ने पुलिस को बताया कि प्रमोद मिश्रा गया जिले का लुटुआ गांव आने वाला है। सूचना के आधार पर बिहार पुलिस ने नौ अगस्त को पोलित ब्यूरो सदस्य और एनआरबी (उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो) के प्रभारी प्रमोद मिश्रा और अनिल यादव को गिरफ्तार कर लिया था। प्रमोद मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद बिहार पुलिस ने हथियार, गोला-बारूद और एक बंदूक फैक्ट्री का उद्भेदन किया था। जिससे बिहार और यूपी में हथियारों की सप्लाई करने और देसी हथियारों को इकट्ठा करने के लिए स्थापित किया गया था। एनआईए जांच से संकेत मिले हैं कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंगों को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने, भर्ती करने और माओवादी की विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया था। वे इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंक और हिंसा की साजिश रच रहे थे। जांच से यह भी पता चला है कि प्रमोद मिश्रा भाकपा माओवादी संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में माओवादी के कैडरों और समर्थकों, ओवर ग्राउंड वर्कर्स का नेतृत्व कर रहे थे। प्रमोद मिश्रा मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र के कासमा गांव का रहने वाला है। उसका लंबे समय तक सारंडा में कार्यक्षेत्र रहा है। गिरफ्तारी से पहले वह झारखंड-बिहार सीमा पर छकरबंधा में माओवादियों को मजबूत करने में जुटा था।

एक्सप्रेस-वे पर मौत का तांडव, पांच की गई जान टुकड़ों में मिला शरीर

दुर्घना के बाद कार के अंदर से लाश बाहर निकालते पुलिसकर्मी।

AGENCY NOIDA : यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार-शनिवार की रात 1 बजे ग्रेटर नोएडा में जेवर के पास अचानक ब्रेक लगाने से तेज रफ्तार ट्रक कार पर चढ़ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार कई फीट तक घिसटती चली गई। जबकि कार सवार लोगों के शरीर के चिथड़े उड़ गए। गाड़ी और उसके आस-पास उनके शरीर के टुकड़े बिखरे मिले हैं। हादसे में ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। चालक समेत 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई। जबकि 3 अन्य गंभीर घायल हैं। साले की मौत होने पर यह सभी दिल्ली से परिवार समेत झारखंड जा रहे थे। सभी साउथ दिल्ली में रहते थे जबकि मूल रूप से झारखंड के पलामू के रहने वाले थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतकों में पति-पत्नी और बेटी भी शामिल हैं।

भाई की मौत पर झारखंड आ रहा था बहन का परिवार

पुलिस ने बताया कि झारखंड निवासी उपेंद्र परिवार के साथ दिल्ली में कई वर्षों से रहकर कारोबार करते थे। उपेंद्र के साले की शुक्रवार को मौत हो गई थी। इसकी जानकारी होने पर पूरा परिवार ईको कार में सवार होकर शुक्रवार की रात दिल्ली से झारखंड जा रहा था। जब उनकी कार यमुना एक्सप्रेस-वे पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में पहुंची। इसी दौरान जीरो पॉइंट से करीब 25 किमी की दूरी पर उनके आगे चल रही कार ने अचानक ब्रेक मार दी। जिसके कारण उपेंद्र की गाड़ी आगे वाली कार में भिड़ गई। वहीं, पीछे से आ रहा ट्रक उपेंद्र की गाड़ी पर चढ़ गया।

ग्वालियर में प्रधानमंत्री का संबोधन, कहा-शहर से मेरा गहरा लगाव

पीएम मोदी बोले- बड़े सपने देखें भारत के युवा

AGENCY GWALIOR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्वालियर में शनिवार शाम सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधिया परिवार से मेरा दो तरह से संबंध है। पहला- काशी को डेवलप करने में सिंधिया परिवार की बड़ी भूमिका रही है। यहां कई घाट बनवाए। आज काशी का विकास हो रहा है, उसे देखकर महाराज माधवरावजी की आत्मा प्रसन्न होगी। दूसरा- ज्योतिरादित्य गुजरात के दामाद हैं। इस नाते भी ग्वालियर से मेरी रिश्तेदारी है। उन्होनें कहा कि भारत का युवा बड़े सपने देखे, उसे प्राप्त भी करे। इससे पहले, मंच पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनका स्वागत किया। स्कूल के बच्चों ने मोदी द्वारा लिखे गए गरबा गीत 'माड़ी' की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। मोदी ने स्कूल के छात्रों को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्रि की शुरूआत माड़ी नाम से नया गाना जारी किया था। पीएम मोदी ने एक्स पर किए पोस्ट में बताया कि उन्होंने इस गीत के बोल लिखे हैं, जिसे दिव्य कुमार ने आवाज दी है। मीत ब्रदर्स ने इस गाने को कम्पोज किया है। यह गाना गुजराती में गाया गया है।

बच्चों से कहा- आउट ऑफ द बॉक्स सोचिए

मोदी ने बच्चों से कहा कि फ्यूचर को लेकर बड़ा यानी आउट ऑफ द बॉक्स सोचिए। सपने और संकल्प दोनों बड़े होने चाहिए। मोदी ने बच्चों से ठिठोली करते हुए कहा कि आप अपने आइडिया नमो ऐप पर शेयर कर सकते हैं। अपने सीक्रेट भी वॉट्सऐप पर शेयर कर सकते हैं। मैं किसी को नहीं बताऊंगा। पीएम ने कहा कि स्पेस, डिफेंस सेक्टर को भी युवाओं के लिए ओपन किया है। आपको मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि साल 2014 से हमारे यहां कुछ स्टार्टअप हुआ करते थे। आज देश में करीब एक लाख स्टार्टअप हैं। 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न बने हैं। उन्होंने कहा कि मेरा गांव गायकवाड़ स्टेट का गांव था। वहां गायकवाड़ परिवार ने प्राथमिक स्कूल बनवाई थी। वहां मैंने मुफ्त में प्राथमिक शिक्षा ली। उन्होंने कहा कि जो भी तात्कालिक स्वार्थ के लिए काम करता है, उससे समाज का नुकसान होता है।

कला-साहित्य

कविता

एकता नाहर

जादू

जादू संभावना है
यकीन से आगे की....

किसी के लिए जादू मनोरंजन था
किसी के लिए षड्यंत्र।

तुमको दोनों ही करना था
इसलिए तुमने मुझसे प्रेम किया

एक लड़के ने किया साथ निभाने का वादा
लड़की ने उस रोज से दुनिया को आग लगा दी

काला जादू, जादू का दुरुपयोग है
और वादे, यकीन का

तुमको प्रेम हो मुझसे, तो कोई वादा न करना

जादू के व्यवसाय के लिए जरूरी है शपथ
कि मैं कोई युक्ति नहीं करूंगा उजागर

मन इक रोज खोल देता है महबूब के सामने
जीवन के सारे रहस्य
मन सबसे बेईमान जादूगर है

अतीत के प्रेम की यादें दुखदायी नहीं होतीं
दुखद होता है उनमें छिपे फरेब को जान लेना
जादू का असल मजा बस तब तक ही है
जब तक न पता हो उसके पीछे की सच्चाई का

तुम चाहो तो हो जाना जादूगर
और सबके साथ खेलना सम्मोहन वाले खेल
पर क्या तुम सीख पाओगे कोई ऐसी कला भी
कि चौंक कर बना सको खुद को ही मूर्ख
खुद ही लड़की को बीच में से काट देने वाले खेल पर
खुद को छल पाना दुनिया का सबसे असंभव काम है

मैं सड़क पर पड़े नींबू मिर्च पर
आज भी पैर रखने से डरती हूं
मुझे याद है पिछले साल तक
मैं किस तरह तुम्हारे बस में थी

मुझे मत समझाओ
कि जादू मायाजाल है
प्रेम के अंजाम के बारे में भी तो मुझे पहले से मालूम है

एक जादूगर जानता था मेंटालिज्म,
पढ़ सकता था ख्यालों को,
कर सकता था भविष्यवाणी,
और मन को नियंत्रित,
अपने छलपूर्ण उद्देश्यों के लिए।

मैंने ठहर कर कुछ देर तुम्हारे बारे में सोचा और मुस्करा दिया

जीवन केवल प्रेम से बहुत बढ़कर है
और जादू केवल हाथ की सफाई से

तुम्हें इस वक़्त रोना है, तो मेरी बाहों में आ जाओ

तुम्हें देखना है सबसे बड़ा जादू
तो जिस तरह मैं चाहती हूं
उस तरह मुझे छूकर देखो कभी।

चित्र प्रदर्शनी

सुभजीत
नई दिल्ली

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

गंगोत्री ग्लेशियर और गोमुख यात्रा का रोमांच

घुमक्कड़ की पाती

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

> राष्ट्रीय उद्यान होने के नाते रास्ते में कई तरह के जानवरों से भेंट मुलाकात आम बात है। कुछ जानवर हमें भी दिखे लेकिन किसी की पहचान नहीं हो पाई। कुछ लोगों ने बताया कि यहां पर हिरण की प्रजाति का एक स्थानीय जानवर भरल बहुतायत संख्या में पाया जाता है लेकिन वह मुझे कहीं नहीं दिखा। कुछ दूर चलने के पश्चात मैंने देखा कि गोमुख पहुंचने से पहले ही लोग दो टुकड़ियों में बंट गए हैं। फिर समझ में आया कि तपोवन और गोमुख जाने के रास्ते यहीं से अलग हो जाते हैं। समझने के लिए यह भी कहा जा सकता है कि तपोवन के लिए रास्ता गोमुख से दो किमी पहले अलग हो जाता है।

डर और साहस को एक साथ जीने वालों की अपनी एक अलग दुनिया होती है। इस बात का आभास मुझे गंगोत्री ग्लेशियर और गौमुख यात्रा के दौरान हुआ। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं आज तक नहीं भूल पाया हूं। सर्द का मौसम था टेंट लगाते ही अंदर घुस गया। लेकिन टेंट से बाहर सर्द होने के बावजूद भी मौसम बहुत ही खूबसूरत और खुशगवार था। बावजूद इसके बाहर निकलने की हिम्मत नहीं हुई। ठंड का ही असर था कि रात नींद जल्दी आयी और सुबह जल्दी खुल गई। मैंने अपने टेंट को समेटकर बैकपैक में डाला। तैयार होकर हल्के-फुल्के नाश्ते के बाद हम गोमुख की तरफ बढ़ चले। इस पूरी यात्रा में कठिनाई जितनी थी उससे भी कहीं ज्यादा रोमांच था। मैं अपने अंदर के डर और साहस को एक साथ जी रहा था। जीवन का सबसे बड़ा रोमांच भी यही है कि हम अपने अंदर के डर और रोमांच को एक साथ जी सकें, अपने सामान्य से जीवन में उन्माद भर सकें। पहाड़ चढ़ना एक तरह का उन्माद ही तो है?

राष्ट्रीय उद्यान होने के नाते रास्ते में कई तरह के जानवरों से भेंट मुलाकात आम बात है। कुछ जानवर हमें भी दिखे लेकिन किसी की पहचान नहीं हो पाई। कुछ लोगों ने बताया कि यहां पर हिरण की प्रजाति का एक स्थानीय जानवर भरल बहुतायत संख्या में पाया जाता है लेकिन वह मुझे कहीं नहीं दिखा।

कुछ दूर चलने के पश्चात मैंने देखा कि गोमुख पहुंचने से पहले ही लोग दो टुकड़ियों में बंट गए हैं। फिर समझ में आया कि तपोवन और गोमुख जाने के रास्ते यहीं से अलग हो जाते हैं। समझने के लिए यह भी कहा जा सकता है कि तपोवन के लिए रास्ता गोमुख से दो किमी पहले अलग हो जाता है। यहां से जिन्हें तपोवन जाना होता है वह तपोवन का मार्ग चुनते हैं, जिनको गोमुख जाना होता है, वह गोमुख की तरफ बढ़ जाते हैं।

गोमुख जाने वालों की संख्या ज्यादा होती है। जिसके पीछे मुझे दो कारण समझ में आएं। पहला यह कि गोमुख का धार्मिक महत्व ज्यादा है, दूसरा तपोवन का दुर्गम रास्ता। गोमुख तक तो लोग पहुंचते ही पहुंचते हैं लेकिन तपोवन के लिए सभी नहीं हिम्मत जुटा पाते हैं। हालांकि तपोवन जाने का मेरा भी बहुत मन था लेकिन प्राथमिकता में गोमुख था। सोचा पहले गोमुख चलते हैं फिर अगर समय बचा तो तपोवन के बारे में सोचा जाएगा। हम सब गोमुख के लिए चल पड़े। तकरीबन दो किमी का सफर पूरा करने के बाद हम गोमुख के करीब पहुंच गए।

गंगोत्री ग्लेशियर हिमालय क्षेत्र के सबसे बड़े ग्लेशियरों में से एक है। यह ग्लेशियर, अपने निचले स्तर पर एक सर्किल से मिला हुआ है जिसे चौखंभा पीक कहते हैं जो पश्चमोत्तर की ओर बहती है और अंत में एक गाय के मुंह के आकार में परिवर्तित हो जाती है। इसलिए, इस जगह को गोमुख कहा जाता है। भारत की ज्यादा नदियां ग्लेशियर से निकलती हैं। इसलिए इनका तेजी से पिघलना अथवा पीछे की तरफ खिसकना किसी भी हालत में अच्छी स्थित नहीं मानी जा सकती है। इसे बचाने के प्रयास प्रमुखता से होना चाहिए लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है जिसका दूरगामी प्रभाव बहुत ही घातक हो सकता है। खैर, हम तरह-तरह के विचारों के भंवर में डूबते-उतरते, ऊंचे-नीचे रास्तों को पार करते गौमुख के करीब पहुंच गए। भर आंख देखा, श्रद्धा में सर झुकाया और इस बात के लिए गंगा को कइयों बार याद किया क्योंकि ये हम समस्त मानव समाज के लिए जितनी जीवनदायिनी हैं उतनी कोई और नदी नहीं है। कुछ देर वहां ठहरे भी पर ज्यादा देर तक नहीं।

गंगा नदी की प्रधान शाखा भागीरथी है जो गंगोत्री ग्लेशियर के इसी गोमुख से निकलती दिखाई दे रही हैं जिसमें नन्दा देवी, कामत पर्वत एवं त्रिशूल पर्वत का हिम पिघल कर आ रहा है। इसलिए यह कहना ज्यादा उपयुक्त होगा कि जो नदी गोमुख से निकलती है वह भागीरथी है और यही आगे चलकर गंगा के नाम से जानी जाती हैं। गंगा के आकार लेने में अनेक छोटी धाराओं का योगदान है। गोमुख के दर्शन के पश्चात हममें से ज्यादातर लोग भागीरथी नदी के साथ ही चलते हुए अपने घर को वापस लौटने लगे। लेकिन दो चार लोग अभी भी थे जिनके अंदर इतनी ज्यादा पैदल दूरी तय कर लेने के बाद भी जीवटता बची हुई थी।

मेरी हिम्मत साथ तो नहीं दे रही थी फिर भी सोचा कि थोड़ी कठिनाई से ही जब यहां तक आ ही गए हैं तो एक और सपना पूरा कर लेते हैं। आधा दिन निकल चूका था। पहला सवाल यह था कि जा तो रहे हैं लेकिन क्या शाम तक वापसी संभव हो पाएगी? ज्यादातर लोगों का जवाब नहीं था। फिर भी पता नहीं किस आस में हम चार लोग तैयार हो गए थे।

नंदनवन और तपोवन, गंगोत्री ग्लेशियर के विपरीत गोमुख से तकरीबन छह किमी की दूरी पर स्थित है। यह भागीरथी 1, 2 और 3 का बेसकैंप है। यह पूरा का पूरा रास्ता अवरोधों से भरा पड़ा है। कहीं सामने बड़े-बड़े पत्थर तो कहीं पर दरकती खाईयां तो कहीं बिल्कुल खड़ी चढ़ाई। कुछ दूरी और तय करने के पश्चात अमर गंगा दिखाई दी तो मानोकि जान में जान आ गई।

अमर गंगा भागीरथी की सहायक नदी हैं जो शिवलिंग पर्वत से निकलती है। हमें नदी पार कर-के दूसरी तरफ जाना था। हम सब अपनी ट्रैकिंग के दौरान चीड़-देवदार के वृक्षों और कटिली झाड़ियों से होकर चिरबासा और भोजबासा के बाद गोमुख पहुंचे थे। अब नंदन वन के रास्ते से गंगोत्री ग्लेशियर और चट्टुरंगीनी ग्लेशियर से गुजर रहे थे।

अब बस एक नदी पार करनी थी लेकिन यह आसान नहीं था। बहुत ही ज्यादा हिम्मत और साहस को संजोकर आखिरकार एक के बाद एक करके हम सभी चारों नदी पार करके तपोवन में प्रवेश कर गए। यहां का रास्ता बिल्कुल समतल और सपाट दिख रहा था। अमर गंगा के किनारे-किनारे चलते हुए मन एकाग्र होने लगा और अंदर एक ख्याल आया कि हम कहां पहुंच गए तपोवन।

तपोवन का शाब्दिक अर्थ होता है तप करने का आश्रम। भला दुनिया में तप और संयम के लिए इससे बड़ा आश्रम इस धरती पर कोई दूसरा होगा क्या? मन ने सवाल पूछा तो पूरी की पूरी आत्मा दैविक हो उठी। मुझे अब यह बात अलग से समझने की जरूरत नहीं थी कि साधु महात्मा लोग क्यों हिमालय के दूर दराज के क्षेत्रों और गुफाओं को साधना के लिए चुनते थे?

तापमान सुई के कांटे के साथ नीचे गिरने लगा था। ठंड बढ़ रही थी मैंने बैकपैक खोला और एक समतल और सुरक्षित जगह देखकर टेंट लगाया और अन्दर चला गया। मेरे लिये यह कठिन मगर बेहद खूबसूरत अनुभव था।

इस चढ़ाई ने सिर्फ मेरा सपना पूरा नहीं किया था बल्कि एक घुम्मकड़ के तौर पर मेरे अरमानों को ऊंचाई दिया और आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। गंगोत्री गौमुख और तपोवन की यात्रा के बाद पहाड़ चढ़ाना मेरे लिए बहुत ही आसान हो गया।

पक्षी ■ पुराण

देवघर के पक्षी जगत की जमीनी रिपोर्ट

डॉ. राहुल सिंह

देवघर प्रसिद्ध है द्वादश ज्यातिर्लिंग के नाम पर। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसके इर्द-गिर्द पक्षियों की बहुत शानदार विविधता मौजूद है। बदलते वक्त के साथ बदलते भूदृश्यों और अब विकास के अंधी दौड़ में शामिल होने के बावजूद साल भर में देवघर के 5 से 25 किलोमीटर के दायरे में सहजता से सवा दो सौ किस्म के पक्षी की प्रजातियां मैंने देखी। इस विविधिता के अलावे हतप्रभ करनेवाली एक बात और है वह है प्रवासी पक्षियों की सर्दियों में देवघर के आस-पास उनकी मौजूदगी। मतलब बार हेडेड गूज, ग्रे लेग्ड गूज, रूडी शेल्डक जितनी संख्या में यहाँ आते हैं, वह किसी शानदार डॉक्यूमेंट्री का विषय हो सकता है। मेरी जानकारी में यहाँ कम से कम 12-15 ऐसे साईट हैं जहाँ 25-60 किस्म के पक्षी कभी भी देखे जा सकते हैं, गर्मी को छोड़कर। और 5-7 तो ऐसे हैं जहाँ साल भर में सौ-सवा सौ प्रजातियों को लक्ष्य किया जा सकता है। पक्षी प्रेमी ऐसी जगहों को हॉटस्पाट कहते हैं। बल्कि इनमें से कुछ साईट तो ऐसे हैं, जिनकी जानकारी ना हो तो कम से कम डेढ़-दो दर्जन पक्षियों की मौजूदगी का तो कोई दावा तक इस भूभाग में नहीं किया जा सकता है। लेकिन वे हैं, ऐसे पक्षियों में इंडियन पिट्टा, पैराडाईज फ्लाईकैचर, ब्लैक नैप्ड मोनार्क, वुड श्राइक, कुकू श्राइक, येलो आईड बैब्लर, ओरियंटल व्हाईट आई, कॉमन आयोरा, येलो वाटल्ड लैपविंग, ब्लैक हेडेड आइबिस, बंगाल बुश लार्क, ग्रे फ्रेंकोलिन, पेंटेड स्नाईप, पेंटेड फोल, इंडियन थीक नी, प्लेंटिव कुकू, प्लम हेडेड पाराकीट, ब्लू कैप्ड रॉक थ्रश, ऑरेंज थ्रश समेत और भी कई विलक्षण पक्षी मौजूद हैं। कहने का आशय यह है कि इनकी मौजूदगी के लिए आपको सटीक जगह की जानकारी होनी चाहिए। अन्यथा इनकी उपस्थिति आपको एक हवाई बात जान पड़ेगी। पर जो बात चिंताजनक है वह है इनका लगातार छिनता हैबिटेट।

WINTER MIGRATORY BIRDS IN DEOGHAR

दुख की बात यह है कि बीते दो वर्षों में विकास की रफ्तार अचानक से देवघर और गोड्डा में काफी तेज हो गयी है। विकास का पहला ग्रास पर्यावरण बनता है तो वह यहाँ भी हो रहा है। बल्कि ऐसा पहली बार हुआ है कि पक्षियों के सर्वाधिक विविधता वाले क्षेत्र विकास के दायरे में आकर तबाह हो रहे हैं। जलसार, नोखिल, कुमैठा, नंदन पहाड़ का इलाका इसमें सबसे महत्वपूर्ण है। इनकी अहमियत को कोई समझना नहीं चाहता है। तालाब-पोखरों के सौंदर्यीकरण का ऐसा संक्रामक रोग प्रशासनिक हल्कों में फैल चुका है कि किसी साईट को बचाने की बात कीजिए तो वे उसका सौंदर्यीकरण करने लग जाते हैं। राजनीति भी इनके संरक्षण के नाम पर या तो सौंदर्यीकरण करने लगती है या पोखर को और अधिक गहरा करने में लग जाती है। कुल मिलाकर स्थिति बहुत आश्वस्तिदायक तो नहीं है। पक्षियों के प्रति यूं भी समाज में ना तो कोई जागरूकता है और ना इसको लेकर कोई ईमानदार कोशिश। वन विभाग की मुश्किल यह है कि पक्षी वन विभाग के अधिकार क्षेत्र के बाहर भी रहते हैं। शरद् ऋतु में आनेवाले प्रवासी पक्षी अधिकतर पोखरों की बजाय आहर और बांधों में आते हैं, जो वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता नहीं है। बावजूद इसके अवैध शिकारों पर रिपोर्ट करने पर नकेल उन्होंने कसा है। पहले की तुलना में शिकार थोड़े कम हुए हैं। लेकिन खत्म नहीं हुए हैं। एक-दो गांवों को इस मामले में थोड़ा जागरुक करने पर हालात बदले हैं। लेकिन यह बस दो गांव में ही हो सका है। इस दिशा में अभी बहुत काम किये जाने की जरूरत है। बचपन से बच्चों को पक्षियों के प्रति संवेदनशील बनाये रखने के लिए पाठ्यक्रम में इन्हें शामिल किये जाने की जरूरत है। स्कूलों में स्थानीय स्तर पर पक्षियों की उपस्थिति आदि पर प्रदर्शनी और पुस्तिकाओं के वितरण की जरूरत है, जिससे कम से कम पक्षियों की मौजूदगी को लेकर आम आदमी भी सचेत रहे।

हमारी जानकारी और अपेक्षित सहयोग के बिना आज पक्षियों की जो भी विविधता या उपस्थिति है, उसमें सबसे ज्यादा योगदान उनके अनुकूल आवासन (हैबिटेट) का है। यह जगहें कम होती जा रहीं हैं, जाहिर है इसका असर भयंकर तौर पर उनके अस्तित्व को प्रभावित कर रहा है। आइये इसे देवघर के एक उदाहरण से समझते हैं। एक दम शहर के बीचोबीच बाबा मंदिर से 300 मीटर की दूरी पर जलसार तालाब मौजूद है, यह साईट वह इकलौती जगह थी, जहाँ एक साथ आप ब्लैक बिटर्न, येलो बिटर्न, नाईट हेरोन, ग्रेट इग्रेट, इंटरमीडिएट इग्रेट, कैटल इग्रेट, पोंड हेरोन समेत एकाध दर्जन और जलीय पक्षियों को साल भर देख सकते थे। सौंदर्यीकरण के नाम पर इसको एक तरीके से उजाड़ ही दिया गया। वृक्षों को काटकर उनकी जगह पर कंक्रीट की पगडंडियाँ बना दी गयीं। इसकी पूरी विविधता एक झटके में खत्म हो गयी। परिणाम यह हुआ कि यहाँ से उजड़नें के बाद जकाना, मूरहेन, व्हाईट ब्रेस्टेड वॉटरहेन और लिटिल ग्रेब अचानक देवघर के बहुत से पोखरों को आबाद करने लगे। लेकिन दो महीने के भीतर दूसरी जगहों से भी वे गायब हो गये। सच तो यह है कि पक्षियों के प्राण की चिंता हमारी सामूहिक चिंता में शामिल नहीं है। उनका वैविध्यपूर्ण और बहुरंगी संसार लगातार खत्म हो रहा है। चूंकि हमने कभी उनकी मौजूदगी को अलग से महसूस करने की जरूरत नहीं समझी है तो उनका खत्म होना भी हमें नहीं दिख रहा है।

इधर के वर्षों में पक्षियों के मामले में कुछ आब्जर्वेशन साझा करने लायक है। श्राइक की कई प्रजातियाँ इस बीच जैसे बे बैक, लोंग टेल और ग्रे श्राइक अचानक से देवघर के आस-पास दिखने लगे हैं। गौरेया शहर से गायब हो चुकी है, पर शहर से सटे गांवों में अच्छी संख्या में मौजूद है। तीतर बहुत अच्छी संख्या में प्रजनन कर रहे हैं। गोल्डेन ओरियोल और ब्लैक हूडेड ओरियोल भी बहुत अच्छी संख्या में हैं। ओपेन एशियन बिल की बड़ी संख्या है पर पेंटेड स्टोर्क या वूली स्टोर्क का कहीं अता-पता तक नहीं है। रेड नैप्ड आइबिस साल भर रहते हैं, ब्लैक हेडेड आइबिस सर्दियों में आसानी से दर्जन भर की संख्या में दो तीन साईट पर दिखे लेकिन ग्लोसी आइबिस अब तक नहीं देखा जा सका है। व्हिसकर्ड बुलबुल देवघर में नहीं दिखते हैं, यहाँ रेड वेंटेड बुलबुल का साम्राज्य है। कॉटन पिग्मी गूज पिछले साल तीन की संख्या में नवंबर के आस-पास नंदन पहाड़ में आये थे, इस साल जुलाई में इनकी संख्या 39 दर्ज की गयी। ग्रे हार्नबिल दिन-दो दिन का मेहमान बन कर आते-जाते देखे गये हैं। सर्दियों में हरियल की संख्या दिलखुश कर देती है। पर हरियल समेत प्रवासी पक्षियों के शिकार की घटनायों चोरी-छिपे ढंग से घटित होते रहती है। चूंकि मुझे राँची के आस-पास की जंगल और अन्य जगहों की विविधता की जानकारी है तो अनुभव के आधार पर कह सकता हूँ कि बहुत कम क्षेत्रफल में देवघर के पक्षियों की विविधता सच में चौंकाने वाली है। अगर इसके संरक्षण की दिशा में उचित प्रयास किया जाये तो विकास के बावजूद यह विविधता बचाई और सहेजी जा सकती है।

सच के हक में...
Daily THE PHOTON NEWS
www.thephotonnews.com
Sunday, 22 October 2023

माड़ीखाना दुर्गा पूजा समिति की ओर से स्थापित की गई मूर्ति

हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति की ओर से स्थापित की गई मूर्ति

चन्द्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति की ओर से स्थापित की गई मूर्ति

कोकर दुर्गा पूजा पंडाल का खुला पट उमड़े भक्त, दर्शन से निहाल हुई आंखें

मनोज जायसवाल और संजीव विजयवर्गीय ने किया उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी में दुर्गा पूजा को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर है। पंचमी में शहर के कई पूजा पंडालों के पट खुल गए। वहीं शुक्रवार को कई पंडालों का उद्घाटन किया गया। इसी क्रम में कोकर दुर्गा पूजा पंडाल का दक्षिण छोटानागपुर आयुक्त मनोज जयसवाल और पूर्व उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय ने भव्य उद्घाटन किया। पट खुलते के साथ ही मां के दर्शन को लेकर भक्तों का तांता लग गया। मां के दर्शन से भक्तों की आंखें निहाल हो गईं। लोगों ने मां दुर्गा की आरती उतार सुख-समृद्धि, शांति-सद्भाव, अमन-चैन की कामना की।

कोकर दुर्गा पूजा पंडाल के उद्घाटन समारोह में दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष चंचल चटर्जी, संयोजक राजू राम, मुख्य संरक्षक संतोष महतो, संजय राय, रमेश सिंह, यूवराज पासवान, नवीन सिंह पोली, सूरज कुमार पासवान, संजय कुमार राम, वशिष्ठ लाल पासवान, रोहित रंजन पासवान, अमित कुमार चौरसिया, महावीर मिर्धा, बाबला पासवान, बिरेंद्र प्रसाद, सम्राट चटर्जी, विक्की सिंह, रोहित सिंह, नीरज शर्मा, गांधी, अशोक परसाद , संतोष शर्मा, बिटू राय, सोनु, हार्स,रौशन यादव, मणिकांत राकेश सिंह, सनी जयसवाल, सोनू सिंह, अविनाश राज, दीपू सिंह, हरी जयसवाल, शुभम सिंह और कमेटी के अन्य कार्यकर्ता विशेष रूप से उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी दामोदर प्रसाद और रोहित सिंह ने दी।

पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय ने हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा पंडाल का किया उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व केंद्र मंत्री सुबोधकांत सहाय ने शनिवार को हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। समिति के अध्यक्ष नंदन यादव ने कहा कि समिति का इस वर्ष 59वां साल है। बड़े धूमधाम से इस वर्ष पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

मौके पर सुबोधकांत सहाय ने पूरे समिति को बधाई देते हुए कहा कि हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा ने इस वर्ष और भी भव्य पूजा का आयोजन किया है। हर वर्ष वो यहां उद्घाटन करते है। प्रत्येक वर्ष कुछ न कु छ नया ही थीम पर पंडाल एवं मूर्ति बनाई जाती है। समिति के सचिव इंदरजीत सिंह ने कहा कि इस वर्ष समिति ने भव्य पहाड़ों के बीच नव दुर्गा का रूप दशार्या गया है एवं अंदर गुफा में घुसते हुए विष्णु जी के दस अवतार को दिखाया गया है। पूरे पूजा परिसर में सुरक्षा को देखते हुए सीसीटीवी एवं सिक्योरिटी गार्ड रखे गए हैं। अष्टमी की पुष्पंजी सुबह 11 बजे होगी एवं उसके बाद भव्य भोग भंडारा का आयोजन होगा जो शाम 6 बजे चलेगा।

अष्टमी के शाम सात बजे से गंगा आरती का आयोजन है। नवमी के आरती के बाद शाम में डांस कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया है। दशमी को जागरण का भी आयोजन है। बच्चों के लिए मनोरंजन के लिए झूले का भी इंतजाम है। उद्घाटन के मौके पर अरुण बाउरी, सौरव पांडेय, सोमनाथ, चंदन यादव, आकाश रजवार एव समिति के सभी पदाधिकारी मौजूद थे।

BRIEF NEWS

लोन दिलाने के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

RANCHI : सुखदेव नगर थाना पुलिस ने महिला समूह को लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने के आरोपित विकास सत्यम को शनिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपित बिहार के पश्चिमी चम्पारण का रहने वाला है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि विकास सत्यम पर सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में लगभग 30 से 40 महिला से करीब दो लाख रुपये की ठगी का आरोप है। इसके अलावा विकास सत्यम ने कई महिलाओं को चेक भी दिया था, जो बाउंस कर गया। इसके बाद महिलाओं ने सुखदेव नगर थाना में मामला दर्ज कराया था और कोर्ट से उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर आज न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

राष्ट्रीय खेल में हिस्सा लेने झारखंड मलखंब टीम गोवा रवाना

RANCHI : झारखंड मलखंब टीम राष्ट्रीय खेल में भाग लेने शनिवार को गोवा रवाना हुई।झारखंड खेल विभाग के सहयोग से झारखंड ओलंपिक संघ ने टीम के सभी सदस्यों को किट्स देकर रवाना किया। मलखंब प्रतियोगिता 26 से 28 अक्टूबर तक कैम्पल खेल गांव पणजी में होगी।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

श्री श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति मालश्रृंग के पंडाल का हुआ उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : श्री श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति मालश्रृंग के पंडाल का पट श्रद्धालुओं के लिए शनिवार (सप्तमी) के दिन से खोल दिया गया है। इससे पहले पूजा पंडाल का उदघाटन लोहरदगा सांसद सुर्दशन भगत और कमिटी के मुख्य संरक्षक सह आजसु जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी ने सम्मिलित तौर पर फीता काटकर किया। इस दौरान पंडित के द्वारा विधिवत मंत्रो उच्चारण किया गया। पूजा कमेटी के मुख्य संरक्षक हकीम अंसारी ने बताया कि नवरात्र को लेकर हर ओर भक्ति का माहौल है। यह पंडाल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र

बना हुआ है। लोग पूजा पंडाल की भव्यता को देखकर आनंदित हो रहे हैं। मालश्रृंग में पहली बार पूजा पंडाल का निर्माण किया गया है। अब हर वर्ष यहाँ बड़ी ही धूमधाम से पूजा पंडाल का आयोजन किया जाएगा। उद्धघाटन समारोह में मुख्य रूप से लव कुमार गंझू, प्रमोद कुमार, राजू सिंह, लखन उरांव,आकाश कुमार,मन कुमार राम, जनक कुमार गुप्ता, चन्द्रदेव कश्यप, किशोर राम, चौधरी साहू, रामकुमार साहू,राम कुमार, काली चरण महतो, संजय कुमार कासी, नीतीश कुमार, दीपू कुमार, अजित

झारखंड में इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट की तैयारी, 13-19 जनवरी तक रांची में होंगे मुकाबले

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। एफआईएच ने महिला एफआईएच हॉकी (फिह हॉकी) ओलंपिक क्वालिफायर को चीन के चांगझौ से रांची में स्थानांतरित कर दिया है। यह फैसला चीनी महिला हॉकी टीम द्वारा हांगझू में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में जीत दर्ज कर पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करने के बाद तय हुआ।

महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर 13 से 19 जनवरी, 2024 तक रांची (झारखंड) के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम के अलावा आठ टीमें पेरिस 2024

भरतीय महिला हॉकी टीम। ● फोटोन न्यूज

ओलंपिक के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इसके अलावा अन्य एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर ओमान (मस्कट, पुरुष:15-21 जनवरी 2024) स्पेन (वालेंसिया, महिला और पुरुष:13-21 जनवरी) में खेले जाएंगे।

रांची द्वारा महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर की मेजबानी पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि रांची में वैश्विक हॉकी बिरादरी का स्वागत करना सम्मान की बात है। हम आने वाले समय में कुछ सर्वश्रेष्ठ एशियाई हॉकी टीमों की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जो 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक रांची में होना है, उसकी मेजबानी कर रहा है। इस आयोजन की मेजबानी से देश में बढ़ते खेल केंद्र के रूप में झारखंड की स्थिति और मजबूत होगी। हमारे पास खेलों का समर्थन करने का एक लंबा इतिहास है। हम इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी करके रोमांचित हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पद्मश्री डॉ दिलीप तिर्की के मुताबिक हमें खुशी है कि एफआईएच ने हमें महिला एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर की मेजबानी करने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया है। यह हमारे खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा आयोजन है। हम रोमांचित हैं। भारतीय प्रशंसक निस्संदेह हमारे खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और पेरिस 2024 ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित करने के दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देंगे।

आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ने कहा, जब जब हिंदू बंटा देश गुलामी में चला गया

देश तोड़ने के लिए की जा रही जाति आधारित गणना की बात

PHOTON NEWS RANCHI : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह व वर्तमान में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वी भग्गैया ने कहा कि देश को तोड़ने के लिए जाति आधारित गणना की बात की जा रही है। अपने- अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए हिंदू समान को तोड़ने का काम किया जा रहा है। भगवान बिरसा मुंडा, महात्मा गांधी, महाराणा प्रताप, महर्षि बाल्मीकि , तिलक और शिवाजी जैसे लोगों की जाति क्या थी। इसलिए अपनी एक जाति हिंदू है। अपनी धर्म, संस्कृति, जन्मस्थान व परंपरा आदि के आधार पर हिंदू हमारी राष्ट्रीयता है। वे शनिवार को आरएसएस के रांची महानगर की ओर से आयोजित शस्त्र पूजन व विजयादशमी उत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का

शिविर में हिस्सा लेने पहुंचे स्वंय सेवक। ● फोटोन न्यूज

आयोजन डीएवी कपिलदेव के कडरू स्थित मैदान में किया गया। इससे पूर्व संघ के स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला, जिसमें सैकड़ों स्वयंसेवक शामिल हुए। जगह जगह महिलाओं ने पुष्प वर्षा की। शस्त्र पूजन करने के बाद अपने संबोधन में भाग्गैया ने कहा कि भारत में जब जब हिंदू बंटा देश गुलामी में चला गया। इसलिए राष्ट्र सर्वोपरि है का भाव रखते हुए समाज तोड़ने वालों से सावधान रहना है। छूआछूत को समाप्त करते हुए समाज को संगठित करना है। उन्होंने कहा कि अपने अतीत में अनुसूचित जाति व जनजाति बंधुओं को जो सम्मान मिलना चाहिए वो नहीं मिला। इसलिए अभी उन्हें विशेष संवैधानिक सुविधाएं मिलनी ही चाहिए ताकि वे भी समरस समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें।

शक्ति की उपासना है करनी : भाग्गैया ने कहा कि हम भक्ति तो करते ही हैं परंतु आत्मबल के लिए शक्ति की उपासना करनी है। आज भारत आकाश, पताल, अंतरिक्ष व समुद्र हर क्षेत्र में प्रगति का परचम लहरा रहा है। इस शक्ति के कारण ही आज पूरा विश्व भारत की ओर शांति और शोषण से बचने के लिए देख रहा है। आज विश्व में मानवता की रक्षा के लिए भारत के ऊपर बड़ा दायित्व है।

उन्होंने कहा कि देश की स्वाधीनता के साथ साथ सामूहिक शक्ति का एक उदाहरण 1975 का आपातकाल था, जिसमें लोकतंत्र की जीत हुई और तानाशाह हार गया।

शक्ति उपासना का केंद्र संघ की शाखा है : भाग्गैया ने कहा कि शक्ति उपासना का केंद्र संघ की शाखा है। इसलिए नियमित एक घंटे की संघ की शाखा पर आना चाहिए। जिन बस्तियों और मंडलों में शाखा नहीं है वहां साप्ताहिक मिलन केंद्र स्वयंसेवकों को प्रारंभ करना चाहिए, जिसमें समाज के लोगों को बुलाना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ साथ समाज के लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा लगाने के साथ उसका संरक्षण करने, अपने अपने घरों से पानी बचाने की शुरूआत करने और पालीथीन का उपयोग नहीं करने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन व नगर संघचालक पवन मंत्री मंच पर उपस्थित थे। समारोह में संघ के प्रांत स्तर के कई पदाधिकारी महानगर के सैकड़ों स्वयंसेवक और समाज के लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सुकुरहुटू के पंडाल का किया गया उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : श्री श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति सुकुरहुटू के पंडाल का उदघाटन राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहू ने किया पंडित झुन झुन पाठक के द्वारा विधिवत मंत्रो उच्चारण के पश्चात ही किया गया पूजा कमेटी के अध्यक्ष प्रभात भूषण ने बताया कि नवरात्र को लेकर हर ओर भक्ति का माहौल है यह पंडाल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है लोग पूजा पंडाल की भव्यता को देखकर आनंदित हो रहे हैं बताते चले कि यहाँ 1950 से पूजा का प्रारंभ किया गया था उसके बाद से हर वर्ष यहाँ बड़ी ही धूमधाम से पूजा का आयोजन किया जाता है साथ मे पूर्व जिला परिसद अनिल टाईगर, कांके प्रखंड उप प्रमुख अजय बैठा, जिप सदस्या सुषमा देवी, मुखिया राम लखन मुंडा, अनिता मुंडा, अमरनाथ चौधरी, नसीब लाल महतो,

नागेंद्र महतो, बादल सिंह मुंडा, राम कुमार दीपक, सुनीता देवी, सचिव प्रमाननंद कुमार, हरिनाथ साहू, कमलेश कुमार, नागेश्वर महतो, बेनीराम महतो, रीना देवी, चंदन बैठा, रूपलाल महतो, सत्रुधन महतो, मनोज महतो,उमेश साहू, दीपक महतो, दीपनारायण महतो, आकाश कुमार, बनिता मेहता, मीना देवी, राजेन्द्र कुमार, पारस महतो, अनिता देवी, हरे कृष्णा महतो, अमित कुमार,अनिल कुमार, राजू साहू, बचन देवी, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी, अखिलेश कुमार, तारा नायक के साथ सैकड़ो भक्तगण और पूजा कमिटी के सदस्य शामिल हुए।

कोल्हान के पंडालों की भव्यता मोह रही मन

तरुण संघ सोनारी दुर्गा पूजा पंडाल।

रंकिणी मंदिर दुर्गापूजा पंडाल।

आदित्यपुर एस टाइप दुर्गा पूजा पंडाल।

महासप्तमी पर पंडालों में पूजा शुरू 24 प्लाटून पुलिस की हुई तैनाती

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला/इस्पात नगरी राउरकेला में शनिवार से मां दुर्गा की महासप्तमी पूजा शुरू हो गई है। विभिन्न पूजा समितियों द्वारा नदी से कलश में जल लाकर घट स्थापित कर पूजा शुरू कर दी गयी है। पेंडल का निर्माण और अन्य सजावट का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके अलावा आज विभिन्न देवीपीठों में महासप्तमी पूजा भी की जा रही है. हनुमान बाटिका, मां विमला, मां मनसाला, वैष्णादेवी मंदिर में महासप्तमी पूजा की जाती है। शाम से पूजा पंडाल में भारी भीड़ होने की संभावना को देखते हुए पुलिस की व्यापक व्यवस्था की गयी है शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों पर 24 प्लाटून पुलिस तैनात की गई है। इसके अलावा डीबीएफ की एक प्लाटून और 300 होम गार्ड की भी तैनाती की गई है। राउरकेला एसपी मित्रभानु महापात्र ने कहा कि शांति-व्यवस्था के साथ पूजा संपन्न कराने के लिए विभिन्न पूजा समितियों केकार्यकताओं,इंट्रीग्रेशन फोरम के सदस्यों और केंद्रीय पूजा समिति के साथ चर्चा की गई है।

जमशेदपुर में सजे दुर्गा पूजा पंडाल, दर्शन को उमड़े भक्त

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर के पूजा पंडाल दुर्गोत्सव के लिए सज गए हैं। शुक्रवार को शहर के लगभग हर पंडाल को भक्तों के लिए खोल दिया गया। इसके साथ ही पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हर तरफ भक्तों का रेला नजर आ रहा है। इस बार शहर के करीब 100 बड़े पूजा पंडाल बनाए गए हैं। जिसे देखने के लिए भक्त उमड़ रहे हैं। इसके साथ ही भव्य विद्युत सज्जा भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। वहीं शहर के अलग अलग क्षेत्रों में मेला भी लगा है। जहां भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

आदित्यपुर दुगार्पूजा पंडाल। ● फोटोन न्यूज

सोनारी तरूण संघ पूजा पंडालः सोनारी तरूण संघ में इस बार अक्षरधाम मंदिर के मॉडल का पूजा पंडाल बनाया गया है। इसके साथ ही यहां सबसे ऊंची मां की प्रतिमा स्थापित की है। जिसके दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे है।

कदमा फार्म एरियाः यहां के पूजा पंडाल का थीम यूनिक है। हिमालय के पहाड़ को पंडाल का थीम मनाया गया है। इसके अंदर मां की भव्य प्रतिमा स्थापित की गयी है। पूरे पंडाल को वाइट पेपर से बनाया गया है। यही वजह है कि यह पांडला लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

आदित्यपुर एसटाईप पूजा पंडालः इस पूजा पंडाल को नेपाल के बौधमंदिर के मॉडल का बनाया गया है। इसके साथ ही पूरे पंडाल के आस पास भव्य विद्युत सज्जा की गयी है। इस पंडाल के इंटीरियर की भक्त सबसे अधिक तारीफ कर रहे हैं।

मानगो शिवशंकर दुर्गा पूजा समितिः मानगो डिमना रोड स्थित शिवशंकर पूजा समिति की ओर से इस बार केदारनाथ मंदिर के मॉडल का पूजा पंडाल बनाया गया है। जिसमें मां दुर्गा विराजमान है। इस पंडाल की छंटा देखने लायक है। उद्घाटन के साथ ही यहां भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

रंकिणी मंदिर पूजा पंडाल पहुंचा रही वंदेभारत ट्रेनः कदमा के रंकिणी मंदिर के पास बनाए गए दुगार्पूजा पंडाल इस समय सबसे अधिक चर्चा में हैं। इसकी मुख्य वजह से वंदेभारत ट्रवाय ट्रेन है जो भक्तों को पंडाल तक का सफर करा रही है। इस पंडाल को दार्जलिंग शहर के थीम पर बनाया गया है।

एग्रिको दुर्गा पूजा पंडालः एग्रिको क्लब हाउस मैदान में जटोली शिव मंदिर के आकार का पूजा पंडाल बनाया गया है। जो देखने में बेहद खुबसूरत नजर आ रहा है। यहां भव्य मेला भी लगा है। यही वजह है कि यहां बड़ी संख्या में भक्त मां के दर्शन को पहुंच रहे हैं।

लाल बिल्डिंग में बना बद्रीनाथ मंदिरः बागबेड़ा के लाल बिल्डिंग स्थित पूजा पंडाल का मॉडल भी इस बार यूनिक है। इसे उत्तराखंड के मशहूर बद्रीनाथ मंदिर के आकार का बनाया गया है। इस पंडाल का उद्घाटन शुक्रवार को हो गया इसके साथ ही भक्त यहां मां के दर्शन को पहुंचने लगे हैं।

64वां पुलिस शहीद दिवस मनाया गया

अमर जवान शहीद स्तंभ पर शहीद पुलिसकर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला पुलिस रिजर्व क्षेत्र में 64वां पुलिस शहीद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीआइजी पश्चिम नीति शेखर शामिल हुए। राउरकेला

एसपी मित्रभानू महापात्र समेत जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर आयोजित परेड में मुख्य अतिथि डीआइजी नीति शेखर थीं, उन्होंने

नगर निगम क्षेत्र में स्वीपिंग मशीन से हो रही सफाई

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम के द्वारा राउरकेला स्मार्ट सिटी में स्मार्ट स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली शहर को साफ रख रही है। राउरकेला नगर निगम द्वारा शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए अत्याधुनिक स्वीपिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। इन मशीनों का उपयोग शहर के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रात के समय सफाई के लिए किया जाता है।

निर्माण श्रमिकों के बीच 18 करोड़ की राशि वितरित

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला विधायक व श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक के उपस्थिति मे निर्माण श्रमिक राहत वितरण शिविर का आयोजन नरसिंहपुर क्लब मैदान में किया गया/ वृद्धावस्था, विधवा , परित्यक्त पत्नी और किन्नर हिताधिकारियों को भत्ता वितरित किया गया हैं।

राहत वितरण कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देवी प्रसाद मिश्र, सम्मानीय अतिथि माननीय जिला परिषद अध्यक्ष (कटक), किशोर चंद्र मिश्र, सस्मिता जेना (अध्यक्ष पंचायत समिति नरसिंहपुर), नारायण नायक (उपाध्यक्ष पंचायत समिति नरसिंहपुर), स्थानीय निवासी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

इस शिविर में 18 करोड़ रुपये से अधिक निर्माण श्रमिक सहायता वितरित की गई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे ने दुगार्पूजा पंडालों का किया दौरा

ROURKELA : पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप रे ने शनिवार शाम विभिन्न दुगार्पूजा पंडालों का दौरा किया और समितियों के सदस्यों से बातचीत की। राउरकेला पहुंचने के बाद उन्होंने डेली मार्केट दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया और समिति के सदस्यों के साथ पंडाल सहित क्षेत्र के विकास के संबंध में चर्चा की।

गोलमुरी स्थित भव्य दुर्गा पूजा पंडाल

एम्स भुवनेश्वर से पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पुष्टि के बाद दी गई जानकारी

बीमारी से हुई एएसआई अलीश लुगुन की मौत

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के उदितनगर थाना एएसआई अलीश लुगुन की बीमारी के कारण मौत हुई है उसकी हत्या नहीं हुई है। एम्स भुवनेश्वर से एलिश की पोस्टमार्टम रिपोर्ट की पुष्टि के बाद यह स्पष्ट हो गया है।

एम्स की रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी शनिवार को एसपी मित्रभाणु महापात्र ने प्रेस को यह सूचना दी।

गौरतलब है कि एक अक्टूबर को मारपीट की एक घटना में ड्यूटी के दौरान अलीश बीमार पड़ गये थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहीं उनकी मौत हो गई। बाद में, पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज किया गया क्योंकि परिवार ने आरोप लगाया कि उसकी हत्या की गई है। अब हत्या का मामला केस को बंद कर दिया गया है।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

राउरकेला शहर के बहुचर्चित एएसआई अलीश लुगुन की मौत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद एम्स के वरिष्ठ डॉक्टर और सीनियर डॉक्टर से उसे दिखाया और जांच की और वरिष्ठ डॉक्टर से इस पर चर्चा कीये जाने के बाद आए नए मोड़।

राउरकेला इस घटना को लेकर एसपी मित्रभाणु महापात्र ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एएसआई अलीश लुगुन को उत्तेजित प्रलाप का पता चला था। यदि यह अचानक उत्पन्न हो जाए तो इस रोग के समय शरीर से हामोर्नों का तीव्र स्राव होता है। जिससे शरीर अस्वस्थ हो जाता है और दिल पर असर पड़ता है। इसके कारण यदि यह एंड्रीनालीन बहुत अधिक मात्रा में प्रवाहित हो जाए तो इससे मृत्यु भी हो सकती है। हालांकि, राउरकेला एसपी ने स्पष्ट किया है कि महिला एएसआई अलीश लुगुन की मौत इसी वजह से हुई है।

हालांकि, राउरकेला एसपी ने इस बात से पर्दा उठा दिया कि परिवार ने हत्या का मामला दर्ज कराया था और आरोप लगाया था कि उन्हें पीटा गया था और पिटाई के कारण उनकी मौत हो गई। राउरकेला एसपी मित्रभाणु महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को जानकारी दी कि आरोपियों के खिलाफ हत्या के मामला को बदल दिया जाएगा और ऑन-ड्यूटी पुलिस अधिकारी के काम में बाधा डालने के आरोप में मामले की जांच की जाएगी और मामले में शामिल आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी जितनी जल्दी हो सके, फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा

अब जेडीयू में भी मचा घमासान

डेढ़ दर्जन पार्टी पदाधिकारियों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

पटना। केंद्र में सत्तासीन बीजेपी की औरंगाबाद जिला कमिटी में घमासान के बाद बिहार में सत्तासीन जेडीयू की जिला कमिटी में भी घमासान मच गया है। बिहार सरकार द्वारा घोषित जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन (20 सूत्री) समिति की घोषणा की गई थी। उसके बाद समिति में स्थान न मिलने से नाराज पार्टी के करीब डेढ़ दर्जन पदाधिकारियों ने संगठन के मुख्य जिला प्रवक्ता सह काराकाट सांसद के नबीनगर प्रतिनिधि राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा बाबू के नेतृत्व में पार्टी पदों से इस्तीफा दे दिया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को भेजे संयुक्त

इस्तीफे में नेताओं ने पार्टी के जिलाध्यक्ष सह रफीगंज के पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह पर नबीनगर विधानसभा क्षेत्र में जदयू को कमजोर करने का षडयंत्र रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि नवगठित 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति में नबीनगर विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा की गई है। इसी वजह से वे पार्टी के पदों से सामूहिक रूप से इस्तीफा दे रहे हैं। साथ ही यह भी कहा कि विगत विधानसभा और लोकसभा चुनाव में नबीनगर से सबसे अधिक वोट एनडीए (जेडीयू) उम्मीदवार को मिले थे। जबकि अन्य उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इसके बावजूद जिलाध्यक्ष ने एक षड्यंत्र के तहत नबीनगर विधानसभा क्षेत्र में जनता दल(यू) को कमजोर करने की साजिश की है। जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन(20 सूत्री) के गठन में नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के जदयू कार्यकताओं की उपेक्षा की गई है। इसी वजह से वे पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित जिला कमिटी के पदाधिकारी के पद से इस्तीफा दे रहे हैं। पार्टी के पदों से त्यागपत्र देने वालो में जेडीयू के मुख्य जिला प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा बाबू, जिला उपाध्यक्ष विभूति नारायण पांडेय, उपाध्यक्ष सूर्यवंश सिंह, सुरेंद्र कुमार सिंह, महावीर प्रसाद कुशवाहा, जिला महासचिव रंजीत सिंह, जिला सचिव फारुक कैशर, जिला महासचिव उदय पटेल, जिला सचिव मुकेश पटेल, जिला सचिव नागेंद्र सिंह, जिला महासचिव ओमप्रकाश गुप्ता और अन्य शामिल हैं।

संक्षिप्त डायरी

नीतीश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने की 967 अफसरों की प्रोन्नति, देखें कौन-क्या बनाए गए अब

पटना। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार की देर शाम छह अलग-अलग अधिसूचनाओं के जरिए विभिन्न स्तरों पर 967 अफसरों को प्रोन्नति दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 13 अक्टूबर को बिहार कैबिनेट की बैठक में प्रोन्नति का रास्ता निकाला गया था। प्रोन्नति में आरक्षण का मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण राज्य सरकार के अधीनस्थ किसी भी विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोमोशन नहीं मिल पा रहा था। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को बिहार सचिवालय सेवा के 11 अधिकारियों को निदेशक (संयुक्त सचिव स्तर) के रूप में प्रोन्नति की अधिसूचना जारी की। बिहार सचिवालय सेवा के ही 74 प्रशाखा पदाधिकारियों/सहायकों को उप सचिव स्तर पर प्रोन्नति दी गई। इसके कुछ ही देर बाद आयी अधिसूचना के जरिए बिहार सचिवालय सेवा के 242 प्रशाखा पदाधिकारियों/सहायकों को अवर सचिव में प्रोन्नति दिए जाने की सूची जारी की गई। फिर सबसे अंत में बिहार सचिवालय सेवा के ही 576 सहायकों को प्रशाखा पदाधिकारी के रूप में प्रोन्नत किए जाने की अधिसूचना जारी करते हुए इनकी सूची जारी की गई। शुक्रवार को सबसे पहले बिहार सचिवालय आशुलिपिक सेवा (BSSS) की प्रोन्नति की दो अधिसूचनाएं जारी की गईं। पहली अधिसूचना के तहत बिहार सचिवालय आशुलिपिक सेवा के 62 कर्मियों को प्रधान आप्त सचिव के रूप में प्रोन्नति दी गई। इसके बाद इसी सेवा के दो कर्मियों को निजी सहायक से आप्त सचिव में प्रोन्नति दिए जाने की अधिसूचना जारी की गई। सरकार ने 13 अक्टूबर को प्रोन्नति का रास्ता निकाला और फिर आदेश दिया कि इसके लिए रविवार को भी काम होगा। असर यह हुआ कि सोमवार को पहली सूची भी आ गई। सबसे पहले निम्नवर्गीय लिपिकों को उच्चवर्गीय लिपिक और कार्यालय परिचारी को निम्नवर्गीय लिपिक के रूप में प्रोन्नति की सूची जारी की गई। अगले दिन, यानी मंगलवार को बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने बिहार प्रशासनिक सेवा के 532 अधिकारियों की प्रोन्नति की अधिसूचना जारी की।

नाक-मुंह से अचानक आने लगा खून, अस्पताल पहुंचने से पहले असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की हो गई मौत

पटना। बिहार में पुलिसकर्मियों को भी समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता है। पटना निवासी बिहार पुलिस के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की अररिया के फारबिसगंज थाना में पोस्टिंग थी। गुरुवार देर रात एएसआई चिरंजीवी पांडेय की तबीयत बिगड़ने लगी। नाक और मुंह से खून निकलने लगा तो सहकर्मी दौड़भाग करते हुए फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। वहां कुछ समझने की स्थिति नहीं थी तो रेफर कर दिया गया। पूर्णिया रेफर किया गया और वहां पहुंचने से रास्ते में ही पांडेय की मौत हो गई। पटना जिला के परसा बाजार के सैदानीचक निवासी चिरंजीवी पांडेय की मौत के बाद चिकित्सकों ने डेंगू के लक्षण बताए। इस जानकारी से पुलिस महकमे में सनसनी फैल गई कि डेंगू से इस तरह मौत हो रही है। इस बार राज्य में डेंगू मरीजों की संख्या 12 हजार पार कर चुकी है। गुरुवार को ही राज्य में 384 और सिर्पु पटना जिले में 228 डेंगू पॉजिटिव मिले हैं। यह आंकड़े वह हैं, जिनकी जांच या तो सरकारी अस्पताल में हुई है या रिपोर्ट की जानकारी सिविल सर्जन तक पहुंची है। सरकारी आंकड़ों में अक्टूबर के 19 दिनों के अंदर राज्य में 5324 मरीज मिले हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार पटना के अलावा सारण, नवादा, वैशाली, मुंगेर, नालंदा आदि जिले में ज्यादा संक्रमण है, हालांकि बेगूसराय, पूर्णिया, अररिया समेत लगभग हर जिले से डेंगू मरीजों की मौत सामने आ चुकी है। बुखार को लेकर ज्यादा संजीदा नहीं दिख रहे लोगों को लग रहा है कि कमजोरी की वजह बुखार है, लेकिन कई बार देर से प्लेट्लेट्स की जांच कराने पर यह बहुत कम नजर आता है। चिकित्सकों के अनुसार, खून में प्लेटलेट्स की भारी कमी की स्थिति में ब्लीडिंग की शिकायत सामने आती है। डेंगू के साथ किसी अन्य बीमारी का लक्षण मिल जाने के कारण भी मरीज संशय में रहते हैं। ऐसे ही संशय के कारण गुरुवार को पटना में एक मरीज की डेंगू से मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। तोड़फोड़ और पथराव में दो पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए।

बालू घाट पर दो गुटों में हुई हिंसक झड़प और गोलीबारी

आरा। बिहार के आरा में सोन नदी से निकलने वाली सुनहरी बालू के घाट पर वर्चस्व जमाने को लेकर दो गुटों में पहले हिंसक झड़प हुई। फिर दोनों ओर से अंधाधुंध फायरिंग की गई। इस घटना एक युवक की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि इस दौरान वहां से गुजर रहे स्थानीय ग्रामीण समेत तीन लोगों को भी गोली लग गई। इससे तीनों लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए, जिन्हें परिजनों ने फौरन इलाज के आरा शहर स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया है। यह घटना जिले के कोईलवर प्रखंड के चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव बालू घाट के पास की है। गोलीबारी की सूचना मिलते ही चांदी थाना समेत कई थानों की पुलिस भारी तादाद में घटनास्थल पर पहुंची। फिर स्थिति को नियंत्रित करते हुए पूरे मामले की छानबीन में जुट गई। मृतक की पहचान सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव निवासी मनोज सिंह के बेटे हर्षित सिंह (22) के रूप में हुई है। हर्षित अपने मां-बाप की इकलौती संतान बताया जा रहा है। जबकि गोलीबारी में घायल हुए लोगों में चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव निवासी बिहारी यादव (55), सुनील कुमार (25) और उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव निवासी प्रकाश चौधरी (22) शामिल हैं। इधर, घायल बिहारी यादव ने बताया कि बालू घाट पर वर्चस्व को लेकर दो गुटों में बहस चल रही थी। इसी बीच एकाएक दोनों ओर से फायरिंग होने लगी। मैं वहां से गुजर रहा था तो अचानक मुझे गोली लग गई। दूसरा घायल युवक सुनील कुमार ने बताया कि खनगांव बालू घाट पर उत्खनन करने को लेकर हम लोगों को टेंडर मिला था। जहां आज हम लोग बालू निकासी के लिए घाट बना रहे थे। तभी नामजद लोगों द्वारा वहां आकर हम लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। उसमें हमें और हमारे एक साथी को गोली लग गई और हम लोग जख्मी हो गए। वहीं, इस घटना में हमारे एक साथी की भी मौत हो गई है। एसडीपीओ चंद्र प्रकाश ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई है कि अवैध बालू उत्खनन को लेकर गोलीबारी की गई है।

विवाहिता को गला दबाकर मारा

दरभंगा । 24 साल की विवाहिता की हत्या कर दी गई। मायके वालों का आरोप है कि दहेज के लिए ससुराल वालों ने गला दबाकर मार डाला और शव को नदी में फेंक दिया। इतना ही नहीं छह माह की मासूम बच्ची को भी गायब कर दिया। आशंका है कि हैवानों ने मासूम को भी मार डाला। घटना कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र में कोदरा गांव से पूरब कोशी नदी के किनारे की है। मृत विवाहिता की पहचान गांव के दिलीप यादव की पत्नी वीणा देवी (24 वर्ष) के रूप में की है। मृत विवाहिता के भाई ने ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि दहेज की खातिर मेरी बहन की हत्या कर दी है जबकि मेरी छह महीने भगनी अभी भी गायब है।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के डीएमडीएच भेज दिया है। इस संबंध में कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि नदी से विवाहिता का शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जाएगी। मृत वीणा देवी के भाई अमनीष कुमार राय (खगड़िया जिला के अलौली थाना के लदौड़ा निवासी) ने कहा कि वीणा के ससुराल वालों पर दहेज के खातिर उसकी गला दबाकर हत्या कर लाश को नदी में फेंक दिया। मृत वीणा देवी के चचेरे भाई श्री राय ने थाना में आवेदन देकर पति दिलीप यादव, ससुर राम प्रवेश यादव,सास चंदुला देवी, ननद नुतन कुमारी, चचेरे ससुर राजा बहादुर यादव, चचेरी सास जीबछी देवी पर हत्या का अरोप लगाया। अमनीष राय ने कहा है कि छोटे चाचा राजेश राय 10 वर्ष पूर्व कुशेश्वरस्थन थाना के कोदरा निवासी राम प्रवेश यादव के पुत्र दिलीप यादव के साथ सामर्थ्य के अनुसार दान दहेज एवं जेवरात देकर अपनी पुत्री वीणा कुमारी की शादी की थी। शादी के बाद सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था। इस दौरान वीणा को दो बच्चे हुए। इसमें एक लड़का 3 वर्ष एवं एक लड़की 6 माह की है। इस बीच ससुराल वालों ने दहेज में मोटरसाइकिल देने की मांग की। उसे भी पूरा किया गया।

होटल में महिला का मर्डर, कागजात बता रहे पति-पत्नी

पटना। जंक्शन के पास स्थित एक होटल में एक महिला की हत्या हो गई। महिला की पहचान जहानाबाद निवासी शोभा कुमारी के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि जिस शख्स ने होटल बुक कराया था उसका आधार कार्ड घटनास्थल से बरामद हुआ है। पुलिस का यह भी कहना है कि यह हत्या कल ही हो जाती लेकिन चूंकि कल होटल बुक होने के बाद भी महिला वहां कल नहीं आई और आज आते ही उसकी हत्या हो गई। पुलिस ने वहां से दो कट्टे भी बरामद किए हैं। रूम बुक करने वाला गजेन्द्र कुमार है। घटना के संबंध में डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि मृतका

बिहार पुलिस में कांस्टेबल के पद पर थी। वह 2022 बैच की थी। उसका पदस्थापन भागलपुर क्षेत्र में था लेकिन वर्तमान में वह डेहरी-ओन-सोन में ट्रेनिंग में कर रही थी। डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद का कहना है कि कल गुरूवार को गजेन्द्र कुमार नाम के शख्स ने रूम बुक कराया था, लेकिन शोभा कुमारी कल होटल पर नहीं आई। आज सुबह 12 बजे के लगभग कोतवाली थाना को यह सूचना मिली कि मीनाक्षी होटल में एक महिला का मर्डर हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची जिसमें यह पता चला कि शोभा नाम की महिला 10:30 - 11 बजे के आसपास होटल पहुंची और एक घंटे बाद उसकी हत्या हो गई। पुलिस का कहना है कि गुरूवार को जिस शख्स ने होटल में कमरा बुक कराया था वह जहानाबाद निवासी गजेन्द्र कुमार था। होटल में मिले आधार कार्ड से ऐसा लगता है कि होटल बुक करने वाला महिला का पति था। पुलिस का यह भी कहना है कि महिला की हत्या कल ही हो जाती लेकिन चूंकि महिला कल होटल में नहीं आई इसलिए आज होटल पहुँचने के साथ ही उसकी हत्या हो गई।

नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा पहुंचे दरभंगा

सरकार और एसएसपी को दी नसीहत, जानिए वजह

पटना। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय सिन्हा मकसूदपुर गांव पहुंचे और तीनों मृतक परिवार से मिलकर घटना की पूरी जानकारी ली। जो लोग इलाजरत हैं बल्कि घटना में जीवन मौत से जूझ जिन लोगो की जान बची ही उनसे पूरी घटना की सच्चाई भी जाना उनसे भी बात की। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने और इंसाफ की लड़ाई आगे ले जाने का भरोसा दिलाया है। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद भाजपा नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने बिहार सरकार के साथ साथ दरभंगा के एसएसपी अवकाश कुमार पर जमकर भड़ास निकाली। विजय सिन्हा दरभंगा के एसएसपी अवकाश कुमार का नाम लेते हुए धमकी भरे लहजे में कहा कि सत्ता की दलाली करने से काम नहीं चलेगा।

सत्ता बदलने में देर नहीं लगती और जब सत्ता बदलेगी तो ऐसे सभी पदाधिकारी का न सिर्फ फाइल खुलेगा बल्कि अवैध तरीके से कमाई गई अकूत संपत्ति की भी जांच कराई जाएगी। दरअसल दरभंगा जिला के हायाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मकसुदपुर गांव में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अभी भी दो लोग डीएमसीएच में

इलाजरत हैं। पंद्रह अक्टूबर को दरभंगा के हायाघाट थाना इलाके के मकसूदपुर गाव में पांच लोग एक साथ बीमार पड़े थे, जिसके बाद एक के बाद एक तीन लोगों की मौत से गांव में कोहराम मच गया था। उस समय गांव के पीड़ित परिवार ने इसके पीछे जहरीली शराब पीने को मौत का कारण बताया था। विजय सिन्हा इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने बिहार में सत्ता के संरक्षण में शराब का अवैध कारोबार चलने की बात कहते हुए दरभंगा के एसएसपी को नसीहत देते हुए कहा कि एसएसपी सत्य का साथ दे। घटना को छुपाने का काम नहीं करे। विजय सिन्हा ने मृतक के परिजन को अविलंब सरकारी मुआवजे की राशि देने की मांग सरकार से की है। मृतक लालटून की पुत्री पार्वती देवी का कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में जब शराब खुला हुआ था तब इतने लोग शराब पीने से नहीं मरते थे, लेकिन जब से शराबबंदी हुआ है तब से शराब पीकर मरने वालो की संख्या काफी बढ़ गई है। घर-घर शराब बनता है और डिलेवरी की जाती है, जिससे काफी महिलाएं विधवा हो रही हैं। मेरे गांव में मरने वाले तो मर गए लेकिन सरकार और प्रशासन से मांग करते हैं कि हमलोग को इंसाफ मिले। मृतक के परिजनों को सहायता मिलना चाहिए और शराब बेचने वालों को कठोर सजा मिलनी चाहिए।

करंट की चपेट में आने से छात्रा की मौत

बेगूसराय । बिजली विभाग की लापरवाही का खामियाजा एक छात्रा को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, स्थानीय लोगों ने विनोदपुर सड़क जाम कर बिजली विभाग के खिलाफ जमकर हंगामा किया। घंटों तक सड़क जाम रहने के कारण आने-जाने में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, मृतक छात्रा की पहचान सिंघौल थाना क्षेत्र के विनोदपुर गांव निवासी रामनिवास कुमार की बेटी खुशबू उर्फ साक्षी कुमारी के रूप में की गई है। खुशबू वर्ग आठ की छात्रा थी। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को साक्षी कुमारी कोचिंग पढ़ने के लिए जा रही थी। गांव की सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभे में तार नंगा होने की वजह से बिजली प्रवाहित हो रही थी। इसी बीच साक्षी कुमारी जैसे ही वहां से गुजरी वह खंभे के संपर्क में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग से कई बार मांग की गई है कि जहां भी जर्जर और नंगे तार हैं, उनको बदला जाए। लेकिन विभाग के द्वारा लगातार लापरवाही बरती जा रही है और कहीं भी व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई है। लोगों ने बिजली विभाग से मृतका के परिजनों के लिए मुआवजे सहित तार बदलने की अविलंब मांग की है। ऐसा न होने पर लोगों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। तकरीबन पांच घंटे तक विनोदपुर गांव की सड़क जाम रहने से आने-जाने में काफी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

दर्शन के लिए जा रही कार-बाइक में टक्कर, चार लोगों समेत 6 घायल, एक की मौत

गया। बिहार के गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के शोभ बाजार स्थित एनएच-2 पर शुक्रवार को विपरीत दिशा से आ रही बाइक को बचाने के दौरान एक कार निमार्णाधीन सड़क के गड्ढे में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। वहीं, दो बाइक और एक साइकिल सवार भी दुर्घटना का शिकार हो गए। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त कार पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के राजारहाट की है, जिससे एक परिवार काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन को जा रहा था। इस दुर्घटना में कुल सात लोग जख्मी हो गए, जिनमें से एक की

मौत हो गई। घायलों का स्थानीय सीएचसी बाराचट्टी में प्राथमिक उपचार किया गया। इनमें दो स्थानीय गंभीर लोगों को बेहतर इलाज के लिए गया और रांची रेफर किया गया है। वहीं, कार में सवार जख्मी लोगों का इलाज स्थानीय सीएचसी बाराचट्टी में ही किया गया। सीएचसी बाराचट्टी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एसएस हक ने बताया कि सड़क हादसे में कुल सात लोग जख्मी हुए हैं। इनमें तीन स्थानीय हैं, जिनमें अरुण कुमार ग्राम रोही, मायानंद विश्वकर्मा (35) ग्राम जहांगीरा और रामचंद्र प्रसाद ग्राम बहरगड़ा शामिल हैं। सभी थाना बाराचट्टी जिला गया के रहने वाले हैं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची और गया रेफर किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि पश्चिम बंगाल के रहने वाले कार पर सवार चार अन्य हैं जो सभी जख्मी हैं। इनके नाम हैं शारदा कौशल (63) पति दिवंगत दिनेश कौशल, बेटा संदीप कौशल (40), उसकी पत्नी अर्पिता कौशल (33) और पौत्री आर्या कौशल (8) की है, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। इनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है और सभी सुरक्षित हैं। घायल संदीप कौशल ने बताया कि पूरा परिवार काशी विश्वनाथ मंदिर वाराणसी में दर्शन के लिए जा रहे थे। इधर, मायानंद विश्वकर्मा की गंभीर स्थिति में मगध मेडिकल अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए ले जाने के दौरान रास्ते में ही मौत हो गई। मायानंद के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। मृतक के पार्थिव शरीर को शुक्रवार को देर शाम गांव के श्मशान घाट में दाह संस्कार किया गया। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा है।

अस्पताल पर हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की इजरायल यात्रा वास्तव में पश्चिम एशिया में युद्ध भड़काने की दिशा में ही अपना असर छोड़ती लग रही है। जब गाजा में एक अस्पताल पर मिसाइल हमले के बाद दुनिया भर में इजरायल निशाने पर है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति का इजरायल के पक्ष में दिखना जितना अफसोसजनक है, उतना ही दुखद भी। बाइडन ने फलस्तीनी आतंकियों के संदर्भ में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत के बाद कहा है कि गाजा में अस्पताल पर हमला ह्यकिसी अन्य टीम द्वारा किया गयाह्ल लगता है। बाइडन अस्पताल पर बमबारी से दुखी और क्रोधित थे, तो उन्हें इन्हीं भावनाओं का इजहार करना चाहिए था। जिस जघन्यतम हमले से इजरायल अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है, उसके लिए आने वाले दिनों में उसे निंदा का सामना करना पड़ सकता है। अस्पताल दुनिया के किसी भी कोने में हो, कभी युद्ध का हिस्सा नहीं हो सकता। बर्बर शासक अपने दुश्मनों की यथाशीघ्र कमर तोड़ने के लिए आम लोगों को निशाना बनाते आए हैं, पर किसी अस्पताल पर निशाना साधना बर्बरता की पराकाष्ठा है। आखिर मानवता के किस पैमाने पर आज इजरायल खड़ा है? इजरायली आक्रामकता के समर्थन में अमेरिका आखिर किस हद तक जाएगा? इजरायल की राजधानी में बाइडन ने आश्वस्त किया है कि वाशिंगटन इजरायल को अपनी रक्षा के लिए जरूरी हर चीज मुहैया कराएगा। कोई शक नहीं कि हमास का ताजा हमला उसे बर्बर साबित करता है। सामान्य इजरायलियों को मारना और बंधक बना लेना युद्ध के नियम में नहीं आता, लेकिन हमास ने मानो यह ठान लिया है कि वह इजरायल को झुकाने के लिए किसी भी हद तक जाएगा। यह भी ध्यान देने की बात है कि इजरायलियों के साथ 31 अमेरिकी भी मारे गए हैं, इससे अमेरिका बहुत आहत है, पर इसका यह मतलब नहीं कि इजरायल आम फलस्तीनियों को निशाना बनाने लगे। गया वह दौर, जब भय से संस्कृतियां बदल जाती थीं, लोग धर्म बदल लेते थे और बड़े पैमाने पर अपनी जमीन से पलायन कर जाते थे। आज वंचितों या पीड़ितों की आवाज को ताकत देने वाले दुनिया के कोने-कोने में मिल जाते हैं। इजरायल और अमेरिका जैसे देशों को बदलती सभ्यता की रोशनी में खुद को बदलना चाहिए। भर्त्सना आतंकियों को मारने की नहीं है, आम लोगों को निशाना बनाने की है। दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियों को तार्किक मानवीय आधार पर सोचना चाहिए कि युद्ध और उसके हालात को कैसे रोका जाए? दुश्मनी भी है, तो उसमें भी सच्चाई का आधार होना चाहिए। ध्यान रहे, अमेरिका में ही एक साहसी पत्रकार हैं जैक्सन हिंकल, उन्होंने अस्पताल पर हुए हमले पर इजरायल के आरोप को बेनकाब करने का दावा किया है। उन्होंने अपने देश अमेरिका को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा है, ह्यउन्होंने आपसे इराक के बारे में झूठ बोला, उन्होंने आपसे कोविड के बारे में झूठ बोला, उन्होंने आपसे रशियागेट के बारे में झूठ बोला, उन्होंने यूक्रेन युद्ध के बारे में आपसे झूठ बोला, उन्होंने आपसे बच्चों के सिर काटे जाने के बारे में झूठ बोला, क्या आपको लगता है, वे आपको सच बता रहे हैं कि गाजा में अस्पताल पर बमबारी किसने की?

हमले से बढ़ा तनाव

इजरायल-हमास युद्ध के 11वें दिन मंगलवार को गाजा शहर के एक हॉस्पिटल पर हुए मिसाइल हमले ने इस प्रकरण के सबसे मानवीय और चिंताजनक पहलू को सामने ला दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) ने इसे अभूतपूर्व करार दिया है। उसके मुताबिक, गाजा के 115 स्वास्थ्य केंद्र इस हमले की चपेट में आए हैं और शहर के ज्यादातर हॉस्पिटल इसकी वजह से ठप हो गए हैं। वैसे भी खबरें बताती हैं कि इजरायल की चेतावनी के बाद करीब 10 लाख लोग गाजा के उत्तरी हिस्से से दक्षिणी हिस्से की ओर चले गए हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा पट्टी के छोटे इलाके में आबादी का बड़ा हिस्सा आ गया है और वहां जरूरी चीजों की भारी किल्लत हो गई है। अगर मानवीय सहायता पहुंचाने की कोई टिकाऊ व्यवस्था जल्द नहीं की गई तो हालात बेकाबू हो सकते हैं। लेकिन गाजा के बाहर स्थितियों में सुधार की बात तो दूर, तनाव और बढ़ते नजर आ रहे हैं। हॉस्पिटल पर हमले के लिए हालांकि दोनों पक्ष एक-दूसरे को दोषी बता रहे हैं, लेकिन इससे आम लोगों के बड़ी संख्या में हताहत और घायल होने की सचाई बदल नहीं जाती। उधर, इजरायल गाजा के भीतरी इलाकों में अपनी सेना भेजकर हमास का खात्मा करने के अपने संकल्प पर अड़ा हुआ है, उसकी फौज इस अभियान को अंजाम देने के लिए आखिरी पलों की तैयारियों में जुटी है। वहीं ईरान ने यह धमकी दे दी है कि अगर गाजा पर इजरायल के युद्ध अपराध नहीं रुके तो दुनिया भर के मुसलमान जंग में उतरेंगे और ईरान की सेना को कोई रोक नहीं पाएगा। यूं तो इजरायल और ईरान की सीमाएं साथ नहीं लगतीं। लेकिन लेबनान का बॉर्डर इजरायल से लगता है, जहां के मिलिटेंट ग्रुप हिजबुल्ला की ईरान मदद करता आया है। इन सबके बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को इजरायल पहुंच गए, लेकिन यह देखना बाकी है कि उनकी बातचीत से इजरायल के रुख में किसी तरह का बदलाव आता है या नहीं। हॉस्पिटल पर मिसाइल हमले के बाद जॉर्डन ने राष्ट्रपति बाइडन और इजिप्ट व फलस्तीन के नेताओं के साथ होने वाली बैठक टाल दी है। जहां तक आम लोगों के विरोध प्रदर्शन की बात है तो अभी तो सिर्फ वेस्ट बैंक और ईरान के कुछ शहरों में यह देखने को मिला है लेकिन हॉस्पिटल पर हमले के बाद लोगों से सड़कों पर निकलने की अपीलें शुरू हो गई हैं।

केन्द्रीय सशस्त्र बलों में बढ़ता मानसिक तनाव

ANALYSIS

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समस्या की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्रीय सशस्त्र बलों में आत्महत्या के मामले तो बढ़े ही हैं साथ ही आपसी गोलीबारी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। हमें सैनिक बलों और अर्द्धसैनिक बलों की कार्यप्रणाली को भी समझना होगा तो देय सुविधाओं को भी ध्यान में रखना होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि सैनिक बल जहां बार्डर पर कठिनतर परिस्थितियों में तैनात रहते हैं पर जब वहां उनका टेन्योर पूरा हो जाता है तो उसके बाद उनकी तैनाती शांत व कम जोखिम वाले स्थानों पर होती है। सैनिकों के लिए सैनिक अस्पताल भी बेहतरीन सुविधा व विशेषज्ञयुक्त होने के साथ सैनिकों के परिजनों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो जाती है। दूसरी और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पूरी तरह से देखा जाए तो कठिन परिस्थितियों से भरी होती है। चाहे वह नक्सल प्रभावित क्षेत्र की हो या फिर जम्मू-कश्मीर में शांति व्यवस्था की हो या नार्थ ईस्ट में शांति व्यवस्था बनाए रखने की हो। इसके अलावा देश के किसी भी कोने में किसी कारण से अशांति के हालात होते हैं या फिर आपदा के हालात होते हैं तो व्यवस्था के नाम पर अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती आम बात है।

देश की आंतरिक सुरक्षा कायम रखने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले देश के अर्द्धसैनिक बल के सैनिकों में बढ़ता मानसिक तनाव बेहद चिंतनीय है। पिछले एक दशक में इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसा नहीं है कि सरकार या यों कहें कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय समस्या की गंभीरता से नावाकिफ है अपितु सभी स्तर पर चिंतन मनन के बाद भी कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। समस्या की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्रीय सशस्त्र बलों में आत्महत्या के मामले तो बढ़े ही हैं साथ ही आपसी गोलीबारी के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। हमें सैनिक बलों और अर्द्धसैनिक बलों की कार्यप्रणाली को भी समझना होगा तो देय सुविधाओं को भी ध्यान में रखना होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि सैनिक बल जहां बार्डर पर कठिनतर परिस्थितियों में तैनात रहते हैं पर जब वहां उनका टेन्योर पूरा हो जाता है तो उसके बाद उनकी तैनाती शांत व कम जोखिम वाले स्थानों पर होती है। सैनिकों के लिए सैनिक अस्पताल भी बेहतरीन सुविधा व विशेषज्ञयुक्त होने के साथ सैनिकों के परिजनों को भी बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो जाती है। दूसरी और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती पूरी तरह से देखा जाए तो कठिन परिस्थितियों से भरी होती है। चाहे वह नक्सल प्रभावित क्षेत्र की हो या फिर जम्मू-कश्मीर में शांति व्यवस्था की हो या नार्थ ईस्ट में शांति व्यवस्था बनाए रखने की हो। इसके अलावा देश के किसी भी कोने में किसी कारण से अशांति के हालात होते हैं या फिर आपदा के हालात होते हैं तो व्यवस्था के नाम पर अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती आम बात है। ऐसे में काम

की अधिकता, सेवा परिस्थितियां और फिर व्यक्तिगत कारण संवेदनशील व्यक्ति को बहुत जल्द अवसाद में ला देते हैं। अर्द्ध सैनिक बलों में मुख्यतः सीआरपीएफ, बार्डर सिक्योरिटी फोर्स, असम राइफल्स, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी आदि आते हैं। पिछले दिनों गृह मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2020 में 4940 मानसिक रोगी चिन्हित किए गए इनमें से सर्वाधिक 1882 सीआरएफ, 1327 बीएसएफ, 530 असम राइफल्स, 472 सीआईएसएफ, 417 आईटीबीपी और 312 एसएसबी के हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार ही 2017 से 2022 के बीच अर्द्ध सैनिक बलों के सैनिकों के बीच आपसी गोलीबारी में 57 कर्मियों की जान गई है तो 2018 से 2022 क बीच 658 कर्मियों के आत्महत्या की है। कमोबेश यह स्थिति आज भी है। इससे यह साफ हो जाता है कि मानसिक तनाव बड़ी समस्या है और इसे दूर करने के लिए ठोस उपाय किए जाने की अतिआवश्यकता है। हांलाकि इस समस्या का हल खोजने के लिए टास्क फोर्स के गठन से लेकर कई समितियां बनाई गई है पर हालात में अभी तक जिस तरह के बदलाव आने चाहिए थे वे नहीं आ पाये हैं। दरअसल आधुनिक जीवन पद्धति और भागमभाग की जिंदगी में मानसिक तनाव इस तरह हाबी रहता हे कि लाख प्रयासों के बाद भी व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है। एक और कार्य स्थल की परिस्थितियां, दूसरी और पारिवारिक जिम्मेदारियां, तीसरी और पारिवारिक तात्कालिक व दीर्घकालिक समस्या, चौथा कार्य स्थल पर रेस्ट करने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाना, पांचवां आवश्यकता पर या चाहने पर छुट्टियां नहीं मिलने के साथ ही अन्य कई छोटे मोटे कारण हो जाते हैं जिससे व्यक्ति तनाव में चला जाता है। आर्थिक समस्या प्रमुख कारण है। मानसिक तनाव की इस समस्या का समाधान इसलिए जरुरी हो जाता है कि जहां एक और मानसिक रोग बढ़ता जा रहा हैं वहीं करीब 50 हजार लोगों द्वारा समयपूर्व नौकरी छोड़ना अपने आप में गंभीरता को दशार्ता है। इस सबके लिए मनोचिकित्सकों का होना आवश्यक हो जाता है। देखा जाए तो अन्य देशों की तुलना में देश में मनोचिकित्सकों का वैसे ही टोटा है वहीं अद्धसैनिक बलों में मनोचिकित्सकों की उपलब्धता तो और भी कम है। एक मोटे अनुमान के अनुसार सीआरपीएफ में 3, बीएसएफ में 4, असम राइफल्स में 1, आईटीबीपी में पांच और एसएसबी में केवल एक मनोरोग संबंधी डॉक्टर है। इसमें कुछ कम ज्यादा हो सकती है पर ऐसे में मानसिक तनाव के इलाज की बात करना ही बेमानी है। इसके लिए सरकार और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को आगे आना होगा। सरकार को भी समय समय पर गठित कमेटियों की रिपोर्ट का अध्ययन कर व्यावहारिक सुझावों को लागू करने पर गंभीरता से आगे आना होगा। गैर सरकारी संगठनों को अर्द्ध सैनिक बलों के क्षेत्रों को अपना कार्य क्षेत्र बनाना होगा और इस तरह की गतिविधियां संचालित करनी होगी जिससे तनाव दूर किया जा सके। इसके लिए समय समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, लेक्चर्स, योगा क्लासेज, मनोरंजक गतिविधियां और इसी तरह की तनाव कम करने वाली गतिविधियां आदि आयोजित की जानी चाहिए ताकि तनाव को कम करने में सहायता मिल सके। इसी तरह मनोरोग चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था के साथ ही आवश्यकता पर आसानी से अवकाश मिलने और सेवा शर्तों में इस तरह के प्रावधान किये जाएं ताकि कार्मिक में अन्य समकक्ष से तुलना करने पर किसी तरह की हीन भावना ना आए। अर्द्ध सैनिक बलों को किसी भी स्तर पर कमतर नहीं आका जाना चाहिए। बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में इन बलों की उपादेयता और भूमिका सर्वाधिक है। ऐसे में समय रहते समग्र प्रयास की आवश्यकता है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

न्यायालय के निर्णय पर सवाल उठाते अखिलेश यादव!

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को न्यायालय ने सजा क्या सुनाई, सपाइयों का भारतीय न्याय प्रणाली से भरोसा ही उठ गया। दरअसल, यह इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जो प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वह कहने को तो भारतीय जनता पार्टी के ऊपर शाब्दिक हमला है, लेकिन असल में तो वह पूरी प्रक्रिया के लिए अप्रत्यक्ष रूप से न्याय व्यवस्था को ही दोषी करार दे रहे हैं। उनका कहना है कि 'माननीय आजम खान जी और उनके परिवार को निशाना बना कर समाज के एक पूरे हिस्से को डराने का खेल खेला जा रहा है आजम खान मुसलमान हैं, इसलिए उन्हें इस तरह की सजा का सामना करना पड़ रहा है।' जबकि इससे जुड़ी हकीकत आज सभी के सामने है। सभी जान रहे हैं कि फ्रॉड गिरी का परिणाम आखिर बुरा ही होता है। जब पूरा परिवार ही मिलकर भ्रष्टाचार करेगा तो फिर क्या परिणाम आएगा? एमपी एमएलए कोर्ट ने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र के साल 2019 के प्रकरण में आजम खान, तंजीन फातिमा और अब्दुल्ला आजम को दोषी करार पाया है। यहां फिर स्पष्ट कर दिया जाए कि यह दोष का पाया जाना किसी राजनीतिक पार्टी का नहीं, न्यायालय का है और सपा प्रमुख अखिलेश इसे लेकर भाजपा पर हमलावर हैं। क्या गलती करने के बाद उसकी संबंधित स्थान पर शिकायत करना भी गुनाह है? इस मामले में भी तो यही हुआ है । प्रकरण को गहराई से समझें, साल 2019 में रामपुर के गंज पुलिस थाने में बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आजम खान और उनकी पत्नी ने मिल कर उनके बेटे के दो जन्म प्रमाणपत्र बनवाए हैं। फेक बर्थ सर्टिफिकेट का यह केस 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। पीड़ित द्वारा न्यायालय की शरण में जाने के चार साल बाद ये निर्णय आया है। कोर्ट ने साक्ष्यों के आधार पर ही यह पाया कि किस-किस तरह से आजम परिवार ने भ्रष्टाचार को अंजाम दिया और उसमें अपनी पूरी संलिप्तता दिखाई, इसलिए ही कोर्ट ने फेक बर्थ सर्टिफिकेट केस में आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुए 7-7 साल की सजा सुनाई है। वास्तव में सत्ता के दुरुपयोग किए जाने का भी एक सटीक उदाहरण है। आजम खान ने अपनी सत्ता का गलत तरह से उपयोग करते हुए रामपुर नगर पालिका से एक जन्म प्रमाणपत्र में जारी करवाया था जिसमें अब्दुल्ला आजम की जन्मतिथि एक जनवरी, 1993 थी। इसके बाद लखनऊ से जारी दूसरे प्रमाणपत्र में अब्दुल्ला की जन्मतिथि 30 सितंबर, 1990 दशार्यी गई, यह लालच और पॉवर के गेम के लिए भ्रष्ट आचरण की पराकाष्ठा है जो एक बालक वर्ष 90 में पैदा होता है, फिर 93 में फिर से पैदा हो जाता है। अब ऐसे प्रकरणों में सजा तो मिलना ही है। इसमें भाजपा का क्या दोष? अखिलेश यादव का यह कहना कि आजम खान ने रामपुर में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय बनवाए हैं। आजम खान और उनके परिवार को निशाना बनाकर समाज के एक पूरे हिस्से को डराने का जो खेल खेला जा रहा है, जनता वो देख भी रही है और समझ भी रही है। कुछ स्वार्थी लोग नहीं चाहते हैं कि शिक्षा-तालीम को बढ़ावा देने वाले लोग समाज में सक्रिय रहें। यहां भी वे अप्रत्यक्ष रूप से यही कह रहे हैं कि मुसलमानों के प्रति भाजपा की योगी सरकार दुराग्रह पूर्ण व्यवहार कर रही है। जबकि यूपी की आज की तारीख में हकीकत यह है कि जनसंख्या के अनुपात में यदि कोई अल्पसंख्यक सबसे ज्यादा लाभ ले रहा है तो वह मुसलमान ही है। इससे संबंधित समय-समय पर आईं रिपोर्ट्स को भी देखा जा सकता है, जिसमें स्पष्ट बताया गया है कि यूपी में मुस्लिम आबादी 17-19 प्रतिशत है, लेकिन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ में उनकी हिस्सेदारी 45-55 प्रतिशत है। यानी राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में मुसलमानों की हिस्सेदारी राज्य की जनसंख्या में उनकी हिस्सेदारी से कई गुना अधिक है। सही मायनों में देखा जाए तो इस तरह के वातावरण की निर्मिति तभी संभव है जब कोई राज्य सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करती हो। इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते भी हैं कि उनकी सरकार में कल्याणकारी नीतियां भेदभाव रहित हैं। अतः उत्तर प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर कहना यही होगा कि यूपी की पिछली सरकारें कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान करने के लिए 'पिक एंड चूज' नीति का इस्तेमाल करती नजर आयीं, जबकि योगी की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मंत्र के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही है। राज्य, सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन और हितग्राही को लाभ देने के मामले में जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र और भाषा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करता दिखा है। काश, अच्छा हो जो अखिलेश यादव समाजवाद के आचार्य नरेंद्र देव, जय प्रकाश नारायण और राम मनोहर लोहिया जैसे दिग्गजों के विचार के अनुरूप आचरण करते हुए नजर आएं। सही तथ्य जनता के सामने रखें, इस तरह भाजपा की आड़ लेकर न्याय प्रक्रिया पर उंगली न उठाएं। न्यायालय साक्ष्यों के आधार पर ही किसी निर्णय तक पहुंचता है और अपना निर्णय सुनाता है। किसी बेगुनाह को भूल से भी सजा न हो जाए, फिर साक्ष्यों के अभाव में अपराधी ही क्यों न छूट जाए, इस सोच के साथ न्यायालय कार्य करते हैं। ऐसे में आजम परिवार को सजा होना बता रहा है कि वे दोषी हैं और जो दोष करने की सजा हो सकती है, वह उन्हें आज मिली है।

Social Media Corner

सच के हक में...

पुलिस स्मृति दिवस पर, मैं हमारी सेनाओं की महान आत्माओं को नमन करता हूं जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान की रोशनी से आशा की किरण जलाई। उनकी वीरता की कहानियों को हमारी सामूहिक स्मृतियों से कोई नहीं मिटा सकता, क्योंकि हमारा राष्ट्र अनंत काल तक उन्हें कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि देता रहेगा। हमारी मातृभूमि के बहादुरों को सलाम।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

झारखंड में शैक्षणिक सत्र शुरू हुए चार महीने से अधिक हो गए, इसके बावजूद राज्य के सरकारी स्कूलों में लगभग 35 लाख में से 24 लाख विद्यार्थियों को अब तक पोशाक और स्वेटर नहीं मिली है। सभी जिलों की मिलाकर आवंटित किए गए 209 करोड़ रुपये में से अब तक मात्र 33 प्रतिशत ही खर्च किए गए हैं, बाकी खर्च भ्रष्टाचारी @HEMANTSORENJMM सरकार अपने और अपने साथियों के पोशाक में कर रही है। शायद उन्हें ये अहसास नहीं है कि पोशाकों को बदल लेने से नियत नहीं बदलती है... वो भ्रष्टाचारी थे, हैं और रहेंगे भी! पर आने वाला समय अब इन पोशाकों के तले छुपे भ्रष्टाचारियों के असली रंग को दिखाने का है, उन्हें सत्ता से उखाड़ फेकने का है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

हमास के खिलाफ है भारत, फिलिस्तीन के नहीं

इजराइल पर हमास के हमले और फिर इजराइल की जवाबी कार्रवाई में एक पक्ष कमजोर पड़ गया है। वह पक्ष है फिलिस्तीन राष्ट्र का। निश्चित ही इस पक्ष को फिलिस्तीन आधारित हमास जैसे आतंकवादी संगठन ने कमजोर किया है। विडंबना यह है कि हमास अपने को फिलिस्तीन का उद्धारक मानता है और गाजा पट्टी के एक हिस्से पर उसका अधिकार भी है। ताजा घटनाक्रम में इजराइली सेनाओं ने गाजा को घेर रखा है। वहां रसद जैसी जरूरी आपूर्ति के साथ पानी तक की समस्या खड़ी हो गई है। अमानवीय हालात तो यह है कि केंद्रीय गाजा के अल अहली अस्पताल में रॉकेट अटैक में 500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मरीजों के साथ यहां अन्य लोगों ने भी शरण ली थी। दिल हिला देने वाले इस हमले के बाद युद्ध का परिदृश्य बदल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति इजराइल यात्रा पर पहुंचे। जहां से वे जार्डन जाने वाले थे। वहां उनकी किंग अब्दुल्ला द्वितीय, मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल सीसी के साथ बातचीत होने वाली थी। गाजा के अस्पताल में हमले के बाद इन देशों ने बातचीत रद्द कर दी। हालांकि बाद में बाइडेन ने मिस्र के राष्ट्रपति फतह अल सीसी से बातचीत की और गाजा में मानवीय सहायता भेजे जाने के लिए मिस्र ने राफा बॉर्डर खोलने की सहमति दी। जो भी हो, दो दिन पहले के अपने इंटरव्यू में बाइडन ने फिलिस्तीन का भी नाम लिया था। हमास और इजराइल संघर्ष में अमेरिका पूरी क्षमता के साथ इजराइल के साथ है। हमास जैसे आतंकी संगठन के बर्बर हमले के कारण दुनिया के कई देश इजराइली जनता के पक्ष में खड़े हैं। इनमें भारत भी है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास के हमलों की कटु निंदा की है। उन्होंने किसी भी तरह की आतंकी कार्रवाई को दुनिया की प्रगति में बाधक बताया है। प्रधानमंत्री के बयान के दो दिन बाद ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने फिलिस्तीन का समर्थन करते हुए द्विराष्ट्र के सिद्धांत की वकालत की। यहां समझना होगा कि कथित रूप से फिलिस्तीन के लिए लड़ने वाले हमास और स्वयं फिलिस्तीन राष्ट्र में फर्क है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपने बयान में इस मुद्दे पर भारत की नीति को दीर्घकालिक और सुसंगत बताया। उनके मुताबिक, भारत ने इजरायल के साथ सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर सदैव एक संप्रभु, स्वतंत्र फिलिस्तीन की स्थापना की वकालत की है। भारत का मानना है कि यह सीधी वार्ता की बहाली और इसके साथ ही इजराइल के साथ शांतिपूर्ण संबंधों से सम्भव होगा। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने सिर्फ आतंकवाद पर इजराइल के साथ खड़े होने की दृढ़ता दोहराई है। इस पूरे मसले को इजरायल, फिलिस्तीन और हमास के नजरिए से देखना होगा। फिलिस्तीन की बात भारत 1974 के पहले से ही करता आ रहा है। फिलिस्तीन नेशनल अथॉरिटी यानी पीएनए ही स्टेट ऑफ फिलिस्तीन है। फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन अर्थात पीएलए के प्रमुख फतह पार्टी के अध्यक्ष महमूद अब्बास मई 2005 से इसके राष्ट्रपति भी हैं। उसके पहले करीब 15 साल तक यासिर अराफात इस जगह पर थे। यासिर अराफात के समय भारत के साथ फिलिस्तीन के सम्बंधों में अधिक मजबूती दिखी थी। गैर अरब देशों में भारत फिलिस्तीन नेशनल अथॉरिटी को मान्यता देने वाला पहला देश है। हम फिलिस्तीन स्टेट को भी मान्यता देने वाले देशों में शामिल हैं। वर्ष 1996 में गाजा में भारत ने अपना प्रतिनिधि कार्यालय खोला। वर्ष 2003 में उसे रामल्ला में स्थानांतरित कर दिया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 53 वें सत्र के दौरान (1998-99) भारत आत्मनिर्णय के लिए फिलिस्तीनियों के अधिकार सम्बंधी मसौदा प्रस्ताव का सह-प्रायोजक था। वर्ष 2003 में इजरायल द्वारा दीवार बनाने के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में भी भारत मतदान करने वालों में शामिल था। यूएनए के 2012 के संकल्प के पक्ष में भी भारत ने मतदान किया था। यह प्रस्ताव फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में 'गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य' बनाने का था।

डर का कारक

सितंबर माह में उपभोक्ताओं द्वारा झेली जा रही मुद्रास्फीति की दर घटकर पांच फीसदी पर आ गई। इससे कीमतों में तेज उछाल के बाद कुछ राहत मिली। कीमतों में यह उछाल जुलाई में 7.44 फीसदी की 15 महीने की उच्च मुद्रास्फीति दर के साथ शुरू हुई थी। मुद्रास्फीति में यह कमी न सिर्फ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दो फीसदी से लेकर छह फीसदी की सहनशीलता सीमा की ओर वापसी का प्रतीक है, बल्कि जुलाई और सितंबर के बीच बैंक के 6.4 फीसदी की औसत मुद्रास्फीति के ताजा अनुमान से भी मेल खाती है। बेशक, मुद्रास्फीति की पसंदीदा दर चार फीसदी बनी हुई है और आरबीआई इसे स्थायी रूप से हासिल करने पर ह्लदृढ़ता से केंद्रितह्व रहेगा। पर खुद मुद्रास्फीति की हलचल हिसाब से, यह लक्ष्य दूर दिखाई देता है - इस तिमाही में औसत मुद्रास्फीति 5.6 फीसदी रहने की उम्मीद है और जनवरी से जून 2024 के बीच इसके 5.2 फीसदी रहने की उम्मीद है। यहां तक कि इन अपेक्षाओं पर भी अंकुश लगाने की जरुरत पड़ सकती है। आरबीआई ने जहां 2023-24 में औसत मुद्रास्फीति 5.4 फीसदी का अनुमान लगाया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने इस महीने इस संदर्भ में अपना अनुमान बढ़ाकर क्रमशः 5.5 फीसदी और 5.9 फीसदी कर दिया है। लिहाजा सितंबर की पांच फीसदी की मुद्रास्फीति, जिसमें आंशिक रूप से 2022 के आधार प्रभावों से मदद उस दौर में मिली जब मुद्रास्फीति की रफ्तार 7.4 फीसदी थी और थोड़ी मदद आंशिक रूप से टमाटर एवं सब्जियों की अस्थिर कीमतों में तेज गिरावट के साथ-साथ केंद्र द्वारा एलपीजी की कीमतों में कटौती से मिली, को आगे बरकरार या नरम रखने की संभावना नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरी तिमाही में भारत के स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे सैमसंग

नई दिल्ली।

सैमसंग ने तीसरी तिमाही में 18 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी और 7.9 मिलियन यूनिट की शिपमेंट के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। शाओमी 7.6 मिलियन यूनिट की शिपिंग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जो मुख्य रूप से इसके किफायती 5जी मॉडल की रिलीज से प्रेरित है। मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के अनुसार, वीवो 7.2 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया, जबकि रियलमी और ओप्पो (वनप्लस को छोड़कर) क्रमशः 5.8 मिलियन और 4.4 मिलियन यूनिट्स की डिलीवरी करके शीर्ष पांच में रहे। भारत ने 2023 की तीसरी तिमाही में 43 मिलियन शिपमेंट दर्ज की, क्योंकि बाजार धीरे-धीरे रिकवरी की ओर बढ़ रहा है। हालांकि शिपमेंट में साल-दर-साल 3 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन तिमाही में उपभोक्ता माहौल में सुधार देखा गया, जिससे विक्रेताओं को नए पेश किए गए उपकरणों पर पूंजी लगाने की अनुमति मिली।कैनालिस के वरिष्ठ विश्लेषक संयम चौरसिया ने कहा, तीसरी तिमाही में, स्मार्टफोन ब्रांडों ने बजट-अनुकूल 5जी विकल्पों पर जोर देने के साथ रणनीतिक रूप से अपने उत्सव उत्पाद लाइनअप को बढ़ावा दिया। एंट्री-लेवल सेगमेंट में मांग में वृद्धि देखी गई क्योंकि विक्रेताओं ने बड़े पैमाने पर 5जी मॉडल पेश किए। चौरसिया ने कहा, प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत वृद्धि का अनुभव जारी रहा। यह सैमसंग की एस23 सीरीज और पुरानी पीढ़ी के एप्पल आईफोन्स, जैसे आईफोन 14 और आईफोन 13 द्वारा संचालित था, जो फेस्टिव सेल्स के दौरान आकर्षक डील्स पर पेश किए जा रहे थे।बाजार में एचटेक के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम मार्ग के माध्यम से ऑनर की रि-एंट्री भी देखी गयी और इसका ऑनर 90 मॉडल लॉन्च किया गया।

वनप्लस, इनफिनिक्स और टेक्नो जैसे ब्रांडों मुख्य रूप से चैनल की उपस्थिति में वृद्धि, पेशकश में वृद्धि और 2021 की चिप की कमी की अवधि से कुछ सकारात्मक गति प्राप्त करने के कारण मजबूत वृद्धि देखी। चौरसिया ने कहा, दूसरी छमाही में बाजार में उपभोक्ता विश्वास बढ़ने के बावजूद, सुधार की राह को वैश्विक आर्थिक चिंताओं से चुनौती मिलेगी। 2024 में वृद्धि अनिश्चित व्यापक आर्थिक कारकों पर निर्भर करती है, जो विशेष रूप से कमजोर एंट्री लेवल सेगमेंट को प्रभावित करती है।

एफपीआई ने अक्टूबर में नकदी बाजार में की 16,176 करोड़ रुपये की बिकवाली

नई दिल्ली।

एफपीआई ने अक्टूबर में अपनी बिक्री का सिलसिला जारी रखा और नकद बाजार में बिक्री 16176 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री की । यह बात जिओजित फाइनेंशियल सेवाओं के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कही। उन्होंने कहा, एफपीआई वित्तीय, बिजली, एफएमसीजी और आईटी जैसे क्षेत्रों में बिकवाली कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल और पूंजीगत वस्तुओं में बिकवाली कम रही। निरंतर बिक्री का प्राथमिक कारण अमेरिकी बांड पैदावार में तेज वृद्धि थी, जो 17 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एफपीआई की बिक्री बड़ी नहीं है। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि जब स्थिति बदलेगी तो पूंजी का बहिर्प्रवाह उलट जाएगा। एफपीआई निवेश की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता ऋण बाजार में बढ़ता प्रवाह है। इसके कई कारण हैं। एक, वैश्विक अनिश्चितता और वैश्विक अर्थव्यवस्था में कमजोरी के बीच एफपीआई अपने निवेश में विविधता ला रहा है। भारतीय बांड अच्छा रिजल्ट दे रहे हैं और भारत के स्थिर मैक्रोज़ को देखते हुए आईएनआर स्थिर होने की उम्मीद है। एक अन्य कारक जेपी मॉर्गन ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स में भारत का शामिल होना है। कुछ एफपीआई प्रमुख खरीदारों द्वारा भारतीय बांड खरीदने पर रोक लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबसे बढ़कर विदेशी निवेशक अब भारत को सबसे अच्छी विकास कहानी के साथ सबसे स्थिर उभरते बाजार के रूप में देखते हैं।

कच्चे तेल में गिरावट, पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

इजराइल और हमास के बीच जारी हमले से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड के दाम में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हल्की गिरावट देखने को मिली। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 88.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है लेकिन इस बीच देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। महाराष्ट्र में शनिवार को पेट्रोल की कीमत कल की तरह 106.98 प्रति लीटर पर स्थिर बनी हुई हैं. वहीं, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता समेत देश के 4 महानगरों और बड़े शहरों में भी अमूमन ईंधन की कीमतें अपरिवर्तित रहीं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर हो गया है. गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है. लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एलन मस्क के एक्स को पिछले महीने 50 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता का नुकसान

नई दिल्ली।

एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) पर पिछले महीने 50 करोड़ से अधिक यूजर विजिट कम हो गए और एलन मस्क द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म अब वैश्विक रैंकिंग में इंस्टाग्राम के बाद सातवें स्थान पर आ गया है। नए सिमिलरवेब डेटा के अनुसार, सितंबर में एक्स का ट्रैफिक 6.4 बिलियन से घटकर 5.8 बिलियन हो गया, जो 10 प्रतिशत का नुकसान है। सितंबर में ट्विटर पर विजिट करने वाले 176 देशों में से 83 प्रतिशत में महीने-दर-महीने विजिट में गिरावट देखी गई।वेंचर स्मार्टर द्वारा डेटा के विश्लेषण से पता चला कि एक्स अब मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम के बाद वैश्विक रैंकिंग में सातवें स्थान पर आ गया है।सितंबर में ट्विटर का उपयोग करने वाले 176 देशों में से चार-पांचवें (83 प्रतिशत) से अधिक देशों में वेबसाइट पर महीने-दर-महीने ट्रैफ़िक में गिरावट देखी गई।गूगल डेटा से यह भी पता चला है कि पिछले साल मस्क द्वारा कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद से ट्विटर पर वैश्विक खोज में गिरावट आई है, जो 14 मिलियन मासिक खोज से घटकर एक साल बाद 11 मिलियन हो गई है, जो नवंबर 2018 के बाद से सबसे कम है। वेंचर स्मार्टर के प्रवक्ता ने कहा, समान वेब ट्रैफिक से पता चलता है कि ट्विटर तेजी से ट्रैफिक खो रहा है और वैश्विक रैंकिंग में पहले ही नीचे गिर चुका है।

जब से मस्क ने पदभार संभाला है, इसकी लोकप्रियता में गिरावट होती दिख रही है। सैकड़ों देशों से ट्रैफ़िक में गिरावट देखना चौंका देने वाला है, और यह बॉट्स से निपटने के लिए ट्विटर के पर्दे के पीछे के प्रयास भी हो सकते हैं।प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, जैसा कि मस्क ने हाल ही में कहा है, 1 डॉलर का शुल्क बॉट्स से लड़ने का एकमात्र तरीका हो सकता है, इससे अधिक संभावना है कि उपयोगकर्ता प्लेटफॉर्म से स्विच ऑफ कर रहे हैं।

मस्क ने शुक्रवार को कहा कि एक्स जल्द ही दो नए भुगतान वाले प्रीमियम टियर लॉन्च करेगा और विज्ञापनों के साथ उस टियर में से एक की कीमत मौजूदा 8 डॉलर प्रति माह से कम होगी।

चीन ने प्रमुख ईवी बैटरी घटक पर नए निर्यात प्रतिबंध लगाए

हांगकांग।

चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दिसंबर से कुछ ग्रेफाइट उत्पादों पर अतिरिक्त निर्यात प्रतिबंधों की घोषणा की है। उसका यह कदम दुनिया भर में ईवी निर्माताओं को प्रभावित कर सकता है क्योंकि देश प्राकृतिक ग्रेफाइट का मुख्य स्रोत और उत्पादक है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शुक्रवार को बताया कि चीन में निर्यातकों को 1 दिसंबर से परमिट के लिए आवेदन करने की आवश्यकता होगी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ग्रेफाइट के शीर्ष आयातकों में से हैं।मशीनरी, पेट्रोकेमिकल, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों के लिए बैटरी, ईंधन सेल और स्नेहक बनाने के लिए ग्रेफाइट का व्यापक रूप से उपयोग होता है। रिपोर्ट में कहा गया है, हाल के वर्षों में मांग बढ़ी है क्योंकि यह इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला कच्चा माल है। चीन ने 2022 में कुल विश्व ग्रेफाइट आपूर्ति का अनुमानित 65 प्रतिशत उत्पादन किया। देश के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाना एक आम अंतरराष्ट्रीय प्रथा है। दुनिया के सबसे बड़े ग्रेफाइट उत्पादक और निर्यातक के रूप में चीन लंबे समय से अप्रसार जैसे अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को मजबूती से पूरा कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा की आवश्यकता के आधार पर चीन ने कानून के अनुसार विशिष्ट ग्रेफाइट वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू किया है, और कुछ ग्रेफाइट वस्तुओं पर अस्थायी नियंत्रण लागू किया है। जैसे-जैसे अमेरिका और उसके सहयोगियों की ओर से तकनीकी प्रतिबंध - विशेष रूप से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में - बढ़ते जा रहे हैं, चीन ने भी जैसे को तैसा की कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों के निर्यात पर अपनी

पकड़ कड़ी कर दी है।इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिका ने चीन-विशिष्ट एनवीडिया और इंटेल ग्राफिक प्रोसेसिंग इकाइयों (जीपीयू) पर निर्यात प्रतिबंध लगाया था। बीजिंग ने जुलाई में सेमीकंडक्टर निर्माण में उपयोग की जाने वाली दो प्रमुख सामग्रियों गैलियम और जर्मेनियम पर निर्यात नियंत्रण की घोषणा की थी, जिन पर चीन का अर्ध-एकाधिकार है।

पेट्रोल पंपों पर वेपर रिकवरी सिस्टम में देरी के लिए बीपीसीएल पर जुर्माना लगाया गया

मुंबई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सरकारी स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को अपने पेट्रोल ईंधन भरने वाले स्टेशनों और स्टोरेज टर्मिनलों पर निर्धारित समय सीमा के भीतर वेपर रिकवरी सिस्टम स्थापित नहीं करने के लिए पर्यावरणीय मुआवजे के रूप में 2 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। बीपीसीएल ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत जारी सीपीसीबी नोटिस में कहा गया है कि कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट और सीपीसीबी द्वारा तय समयसीमा के भीतर वेपर रिकवरी सिस्टम स्थापित नहीं किया है। बीपीसीएल ने कहा कि वह नोटिस की जांच कर रही है और जल्द ही उचित जवाब देगी। इस बीच, उसने सीपीसीबी से आगे नहीं बढ़ने और कंपनी को नोटिस से मुक्त करने का अनुरोध किया है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी के नामित निदेशक ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली । अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के निदेशक मंडल में टोटलएनर्जीज का प्रतिनिधित्व करने वाले नामित निदेशक अहलेम फ्रिगा-नोय ने इस्तीफा दे दिया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को कहा कि टोटलएनर्जीज ने अहलेम फ्रिगा-नोय के स्थान पर एक नया निदेशक नामित किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी के निदेशक मंडल में अहलेम फ्रिगा-नोय नामित निदेशक (टोटलएनर्जीज का प्रतिनिधित्व करने वाले) ने 23 अक्टूबर, 2023 से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। टोटल एनर्जीज ने अहलेम फ्रिगा-नोय के स्थान पर एक नया निदेशक नामित किया है। सितंबर में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और टोटल एनर्जीज ने 1,050 मेगावाट पोर्टफोलियो के साथ एक नया संयुक्त उद्यम बनाने के लिए एक बाध्यकारी समझौता किया। इसमें दोनों की हिस्सेदारी बराबर-बराबर है।

हम पायलटों के नौकरी छोड़ने से उत्पन्न संकट से बाहर आ गए हैं: अकासा एयर

नई दिल्ली । अकासा एयर ने कहा कि कंपनी धीरे-धीरे पायलटों के अचानक नौकरी छोड़ने से उत्पन्न हुई उथल-पुथल से बाहर आ रही है। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी एयरलाइनों के बीच सीमित आपसी भर्ती (नो-पोचिंग) समझौते के एकदम खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं होगा। गौरतलब है कि अकासा एयर को उड़ान भरते हुए एक वर्ष से थोड़ा अधिक समय हुआ है। उसके पास 450 से अधिक पायलट हैं और विस्तार योजनाओं को देखते हुए यह संख्या बढ़ेगी। अप्रैल में हमारे पास लगभग 330 पायलट थे। इसके बाद लगभग 40 पायलट नोटिस अवधि को पूरा किए बिना चले गए। आज हमारे पास 450 से कुछ अधिक पायलट हैं। अप्रैल से आज तक हमने करीब एक तिहाई अतिरिक्त पायलट जोड़े हैं। एयरलाइन ने संबंधित पायलटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू की है। दुबे ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एयरलाइन उद्योग के स्तर पर कुछ भी करने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर में कंपनी का नेटवर्क 10 प्रतिशत बढ़ेगा और फिर मार्च तक इसमें 33 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी होगी।

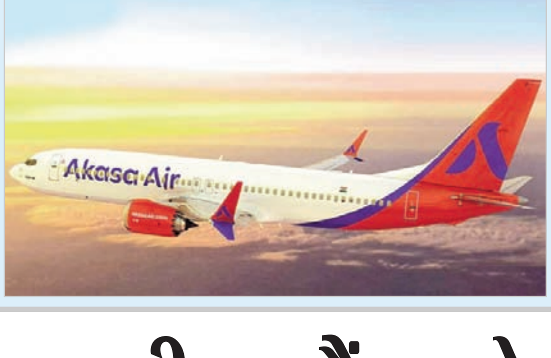

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक गिरावट रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिकी बांड प्रतिफल में मजबूती के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। वैसे साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो बीएसई सेंसेक्स में 885.12 अंक (1.33 प्रतिशत) और निफ्टी में 208.4 अंक (1.05 प्रतिशत) की गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच प्रमुख घरेलू बाजार के प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 165.36 अंकों की गिरावट के साथ 66,117.38 पर खुला और 116 अंक के नुकसान से 66,167 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 40.80 अंक फिसलकर 19,710.25 पर खुला और 23 अंक के नुकसान से 19,728 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी को देखते हुए एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस जैसे बड़े शेयरों की अगुवाई में मंगलवार को सेंसेक्स 314 अंक 66,481 पर खुला और 261.16 अंकों की बढ़त के साथ 66,428.09 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 84 अंकों की बढ़त के साथ 19,816 के स्तर पर खुला और 79.75 अंक मजबूत होकर 19,811.50 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स

106.23 अंक की गिरावट के साथ 66,321.86 पर खुला और 551.07 अंकों की गिरावट के साथ 65,877.02 पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 22.75 अंक की गिरावट के साथ 19,788.75 पर खुला और 140.41 अंक टूटकर 19,671.10 के स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 450 अंक नीचे 65,390 पर खुला और 247.78 अंक नीचे 65,629.24 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंकों की गिरावट के साथ 19,500 पर खुला और 46.40 अंकों की गिरावट के साथ 19,624.70 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को भी नुकसान के साथ कारोबार की शुरुआत की है। सेंसेक्स करीब 200 अंकों के नुकसान के साथ 65,450 अंक पर खुला और 231.62 (0.35 फीसदी) अंक फिसलकर 65,397.62 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 80 अंक से गिरकर 19,550 अंक पर खुला और 82.05 (0.42 फीसदी) अंक टूटकर 19,542.65 अंक पर बंद हुआ।

सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली । सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस का एकीकृत मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 37 प्रतिशत बढ़कर 244 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 सितंबर, 2022 को समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा 178 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल बिक्री बढ़कर 2,002 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,675 करोड़ रुपये रही थी।

आरबीएल बैंक गो सेविंग्स अकाउंट लांच करेगी, खाता खोलना होगा आसान

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक ने अपने नवीनतम डिजिटल बैंकिंग प्रोडक्ट गो सेविंग्स अकाउंट के लॉन्च की घोषणा की है।

यह अकाउंट खोलना आसान है और इसे आसानी से ऑपरेट किया जा सकता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक जीरो बैलेंस अकाउंट है। यह प्रोडक्ट सभी आयु वर्ग के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। गो सेविंग्स अकाउंट एक सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल है। यह सालाना 7.5 फीसदी तक की उच्च ब्याज दरों, एक प्रीमियम डेबिट कार्ड और प्रीमियर ब्रांड्स के 1,500 रुपये के वाउचर सहित कई कस्टमर-फ्रेंडली लाभ प्रदान करता है। यह अकाउंट 1 करोड़ रुपये तक का कंप्रिहेंसिव साइबर इंश्योरेंस कवर, एक्सीडेंट और ट्रैवल इंश्योरेंस और मुफ्त सीआईबीआईएल रिपोर्ट भी प्रदान करता है। यह अकाउंट प्रीमियम बैंकिंग सर्विसेज की एक रेंज भी प्रदान करता है। इसमें पहले साल की सब्सक्रिप्शन फीस 1999 रुपये (प्लस टैक्स) है। इसके अलावा इस अकाउंट पर 599 रुपये (प्लस टैक्स) के एनुअल रिन्यूअल फीस लगती है। बता दें कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने आरबीएल बैंक पर 64 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। आरबीएल बैंक मार्च को समाप्त होने वाले तीन वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2018, 31 मार्च 2019 और 31 मार्च 2020 के लिए अपने शेयर होल्डर्स से फॉर्म-बी से डिक्लेरेशन नहीं ले पाया। इन 3 वित्तीय वर्ष के सितंबर के अंत तक अपने प्रमुख शेयरधारकों में से एक की फिट और प्रॉपर स्टेटस को जारी रखने के संबंध में आरबीआई को सर्टिफिकेट नहीं दे पाया। आरबीआई ने कहा था कि बजाज फाइनेंस पर आरबीआई के निर्देशों का पालन न करने और आरबीआई को कुछ धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में देरी करने के कारण जुर्माना लगाया गया है।

हाइड्रोजन उपकरण का बाजार 2030 तक 50 अरब डॉलर होगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली: हाइड्रोजन क्षेत्र के निकाय आईएच2ए ने बुधवार को उम्मीद जताई कि घरेलू हाइड्रोजन उपकरण विनिर्माण एवं सेवा का बाजार वर्ष 2030 तक 45-50 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इंडिया हाइड्रोजन अलायंस (आईएच2ए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसका यह आकलन हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र से संबंधित सभी उपकरणों पर आधारित है। इन उपकरणों के घरेलू इस्तेमाल के अलावा पश्चिम एशिया एवं अफ्रीकी देशों को निर्यात भी इसमें शामिल होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार का आकार इस स्तर पर पहुंचने से भारत भावी हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के लिए आपूर्ति श्रृंखला के एक केंद्र के रूप में उभरकर सामने आएगा। उद्योग निकाय ने हरित हाइड्रोजन का क्षेत्रीय उपकरण एवं सेवा निर्यात बाजार 36 अरब डॉलर तक पहुंचने का भी अनुमान जताया है। इसके साथ ही इसने कहा कि अगले सात वर्षों में घरेलू हाइड्रोजन उपकरण बाजार 9-13.5 अरब डॉलर का हो जाएगा।

हायर के फेस-टू की इकाई का मैप स्वीकृत, 400 करोड़ के निवेश से 1,000 युवाओं को मिलेगा रोजगार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में हायर अप्लायंसेज दूसरे चरण की इकाई का निर्माण शुरू करने जा रहा है। हायर के फेस-टू की इकाई का निर्माण करने के लिए मैप स्वीकृत हो गया है। कंपनी के मुताबिक दूसरे चरण की विस्तार इकाई में करीब 400 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 1,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह प्लांट करीब एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्लांट में इंजेक्शन मोल्डिंग और शीट मेटल का निर्माण किया जाएगा, जो वर्तमान में कार्यरत इकाइयों में ही इस्तेमाल होगा। यह हायर अप्लायंसेज का चौथा प्लांट है। इससे पहले एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन का प्लांट शुरू किया जा चुका है। हायर कंपनी को वर्ष 2018 में 122 एकड़ का भूखंड आवंटित किया गया है। कंपनी प्रथम चरण में लगभग 1,600 करोड़ रुपये का निवेश और करीब 2,500 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान कर चुकी है। आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा है कि निवेशकों से अपील की है कि इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप और ग्रेटर नोएडा में निवेश के इच्छुक निवेशकों को दोनों संस्थानों की तरफ से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कुछ ऐसी है जोकर की दुनिया

कुछ भी ऊटपटांग कर लो, आसान सा शब्द आ जाता है जुबां पर- 'बिल्कुल जोकर की तरह लग रहे हो तुम।' इस नाम से जो चेहरा आंखों के सामने उभरता है, वो होता है सफेद रंग से पुता हुआ, नाक पर चिपकी लाल रंग की गेंद, कपड़े रंगीन पर अजीब से, पैरों में बड़े साइज के जूते और हमेशा खुद को मूर्ख साबित करता हुआ, पर हंसाता जोकर।

पूरा सप्ताह है जोकर के नाम

बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि न जाने कितने ही दिन हैं, जो किसी न किसी के नाम पर हैं। पर जोकर दिवस है क्या...नहीं, जोकर के लिए एक दिन नहीं पूरा सप्ताह समर्पित है दुनिया में। है ना मजेदार बात! हो भी क्यूं न, वह सबको अपने करतब व वेश-भूषा से हंसाता जो है। तो उसके लिए एक हफ्ते का सेलिब्रेशन तो बनता ही है। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक क्लाउन वीक मनाया जाता है। यहां तक कि इसके बारे में अमेरिकी कानून भी है, जो राष्ट्रपति निक्सन द्वारा 2 अगस्त, वर्ष 1971 में बनाया गया था।

कहां से आया 'क्लाउन' शब्द

अभी दुनिया में करीब 20,000 जोकर हैं। ऐसा माना जाता है कि जोकर, जिसे अंग्रेजी में हम 'क्लाउन' के नाम से जानते हैं, इस शब्द की उत्पत्ति 'क्लूनी' शब्द से हुई, जो आइसलैंड से आया। इसका अर्थ बेडौल या फूहड़ होता है।

मसखरी करना है काम

जोकर का काम है मसखरी करना और दूसरों को हंसाना। पर यह काम इतना भी आसान नहीं। यदि तुम्हें किसी रोते हुए इंसान को हंसाने को बोला जाए तो तुम क्या करोगे- एक मिनट के लिए सोचो। मसखरी करना एक आर्ट है, जिसमें नाटकीयता, कॉमिक सेंस व शारीरिक क्षमता के साथ-साथ ह्यूमन नेचर समझने की शक्ति भी होनी चाहिए, तभी इसमें माहिर हो सकते हो तुम। मतलब, रंगीले व आकर्षक मेकअप से जोकर नहीं, बल्कि हाव-भाव भी ऐसा ही करना होगा।
जोकर पर कई फिल्में भी बनी हैं। राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर' में जोकर की भूमिका निभाई थी, जिसमें लोगों को हंसाया था। कभी मौका मिले तो जरूर देखना, तब समझोगे तुम।

प्रसिद्ध रहे ये जोकर

चार्ली चैपलिन भी कुछ ऐसे ही थे और हां, तुम्हारा मिस्टर बीन भी तो कुछ ऐसी ही हरकतें करता है। साल 1963 में रोनाल्ड मैकडोनाल्ड को पूरी दुनिया में पॉपुलर जोकर माना गया। वो इतने पसंद किए गए कि लाल घुंघराले बाल व लाल बड़े से जूतों के साथ तुम्हारे पसंदीदा मैकडोनाल्ड रेस्तरां के दरवाजे पर आकर खड़े हो गए। इन्हें आज भी तुम मैक डी के किसी दरवाजे पर पुतले के रूप में देख सकते हो।

कैसे बनोगे जोकर

सबसे पहले उन चीजों को जमा करो, जिस तरह के जोकर दिखना चाहते हो। कलाबाजी दिखाने को कुछ बॉल्स, गुब्बारे, कुछ मैजिक ट्रिक्स। और भी कई चीजें, जिनके आधार पर तुम अपने दर्शकों को हंसा सकते हो। इसके बाद बारी आती है तुम्हारे कपड़ों की। इनमें रंगीन पजामा या फनी सी दिखने वाली चीजें होंगी, जो तुम्हें पहननी हैं। इस कॉस्ट्यूम में बड़े और ढीले से जूते होंगे, जो महंगे होते हैं।

इन बड़े दिखने वाले जूतों को पहन करतब कैसे करोगे तुम...तो सुनो, इसके लिए इनमें कुछ रुई या फिर सॉफ्ट टॉवल डाल देना, जिससे तुम्हारे पांव में ये फिट बैठेंगे। अब आता है फेस मेकअप। आमतौर पर मेकअप खुद को आकर्षक व खूबसूरत बनाने के लिए किया जाता है, पर यहां तुम ऐसा नहीं करोगे। इस मेकअप का मतलब है तुम्हें फनी दिखाना। सफेद पेंट से पुता चेहरा काफी पारंपरिक है और जोकर के नाम से ऐसा ही कुछ उभर कर आता है दिमाग में। ये क्लाउन पेंटिंग भी कई तरह के होते हैं, जैसे अगर तुम पागल से साइंटिस्ट दिखना चाहते हो तो कुछ ऐसा मेकअप ही करोगे। खास बात यह कि जोकर कभी अपने चेहरे पर नीला रंग नहीं लगाते, क्योंकि उनका मानना है कि यह रंग अशुभ है। अपने शो को रोचक बनाने के लिए कुछ मैजिक ट्रिक्स भी सीखने होंगे तुम्हें, जो अकसर तुम सर्कस में देखते होगे। पर हां, कुछ हरकतें करने पर सावधानियां भी बरतनी होंगी तुम्हें, जैसे केले के छिलके पर फिसलना, खुद से गिर जाना, अपने साथी के पीछे भागना, पानी से भरी बाल्टी को अपने सिर पर डालना आदि, क्योंकि ऐसे करतब से दुर्घटनाओं की भी आशंका होती है। तुम्हें यह निश्चित कर लेना चाहिए कि तुम किस तरह के जोकर बनना चाहते हो और किन लोगों के साथ काम करना चाहोगे, क्योंकि इन्हीं आधार पर तुम्हें अपने करतब दिखाने होंगे, जैसे चिल्ड्रंस पार्टी, एडल्ट पार्टी, चिल्ड्रंस हॉस्पिटल या फिर सर्कस। ऑनलाइन क्लाउन ट्रेनिंग ले सकते हो तुम। अगर तुम्हारे पास ये करने का समय नहीं है या फिर तुम्हारे एरिया में ऐसा कोई ट्रेनिंग स्कूल नहीं है तो ऐसी कई सभाएं आयोजित की जाती हैं, जिसमें तुम कुछ ट्रिक्स आसानी से सीख सकते हो। इसके अलावा कुछ पुराने जोकर से कॉन्टैक्ट कर कुछ गुर भी सीख सकते हो।

क्लाउन सोसाइटी

विश्व की सबसे पुरानी क्लाउन सोसाइटी है क्लाउन्स इंटरनेशनल। यह 1947 में स्थापित की गई। साल 2012 में अमेरिका के क्रिकी को अब तक का सबसे पुराना जोकर माना गया, जो 95 वर्ष की उम्र में भी काम कर रहे थे। उन्होंने कई इंटरनेशनल अवॉर्ड भी जीते। हंसी की इस दुनिया में कई प्रसिद्ध जोकर हुए तथा इन्होंने मेकअप व करतब आदि के मुताबिक रिकॉर्ड भी बनाए।

भारत में भी मना 'क्लाउन फेस्टिवल'

भारत में पहली बार क्लाउन फेस्टिवल वर्ष 2010 में मनाया गया और तब से यह हर साल मनाया जाने लगा। इस फेस्टिवल में स्टेज शो आयोजित किए गए, जिनमें जोकरों के कई करतब दिखाए गए।

घट रहे हैं जोकर

जोकरों की घटती संख्या अमेरिका में चिंता का विषय बन गई है। युवा पीढ़ियों में घटती लोकप्रियता भी इसका कारण है। वर्ल्ड क्लाउन एसोसिएशन के अनुसार, 'वर्ष 2004 से अब तक इसकी सदस्यता 3,500 से घटकर 2,500 पर आ गई है।' वर्ल्डक्लाउन.कॉम एक ऐसी वेबसाइट है, जिस पर जोकर से संबंधित सभी तरह की खबरें अपडेट की जाती रहती हैं। तो तुम जब भी चाहो, इस वेबसाइट पर इस रंगीले कैरेक्टर के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हो।

बड़े होकर बनूंगा जोकर..

बड़े होकर क्या बनोगे- इस सवाल के जवाब में तुम सब कहोगे, डॉक्टर, इंजीनियर आदि। पर क्या कोई कह सकता है कि मैं बड़ा होकर जोकर बनूंगा, नहीं ना! सोच भी नहीं सकते तुम ऐसा। जोकर को बस हंसी का पात्र समझा जाता है। पर क्या तुम्हें पता है, जोकर बनना या कॅरियर की तरह जोकर को अपनाना बुरा नहीं। काफी मुश्किल काम है यह भी। ट्रेनिंग होती है इनकी भी कभी क्लाउन कॉलेज में एडमिशन की बात सोची है तुमने? रिंगलिंग ब्रदर्स, बार्नम एंड बेली सर्कस आदि ऐसी संस्थाएं हैं, जो क्लाउन का कोर्स कराती हैं। और यदि अपने काम से वक्त निकालना मुश्किल है तो अब इंटरनेट पर भी क्लाउन इंस्ट्रक्शन मौजूद हैं। औसतन एक जोकर अमेरिका में 38,000 डॉलर के करीब एक साल में कमा लेता है।

प्यारा और अनूठा माउस डियर

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है।
शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं। एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं।
वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है।
एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

ऐसा पक्षी जो उड़ नहीं सकता

शुतुरमुर्ग एक ऐसा पक्षी है जो दौड़ सकता है पर उड़ नहीं सकता। इसका बदन बहुत भारी होता है। गर्दन लम्बी होती है ऊंट की तरह और पंख बहुत खूबसूरत। इस पर जब मुसीबत आती है तो यह भागता तो है पर अपना मुंह धरती में धंसा कर खड़ा हो जाता है और समझता है कि सुरक्षित हो गया है। शुतुरमुर्ग एक साथ बहुत से अंडे देता है। ये अंडे लगभग एक फिट व्यास के होते हैं। इनके ऊपर की परत बहुत मोटी और मजबूत होती है। इस अंडे को न तो शेर तोड़ पाता है और न लोमड़ी और न भेड़िया। मगर गिद्ध इसे तोड़ लेता है। इसे तोड़ने के लिए वह चोंच या पंजे से प्रहार नहीं करता। जिस प्रकार कभी कौए ने घड़े में से पानी पीने के लिए कंकड़ों का सहारा लिया था, वैसे ही गिद्ध बड़ा सा कंकड़ चोंच में पकड़ कर शुतुरमुर्ग के अंडे पर जोर से मारता है। और एक ही स्थान पर ऐसा बार-बार करता है इससे अंडे की परत में गड्ढा हो जाता है और गिद्ध उस गड्ढ़े में से अपनी चोंच डालकर अपना पेट भर लेता है। है न आश्चर्यजनक बात।

पंजाब में अब आसान नहीं असला लाइसैंस लेना

जालंधर। पहले जितनी आसानी से असला रखने का लाइसेंस लोगों को मिल जाता था, अब पुलिस के सख्त होने के बाद वह मिलना टेड़ी खीर लग रहा है! असल में अब पुलिस न सिर्फ आवेदनकर्ता के दस्तावेज खंगालेगी बल्कि उसके कामकाज को भी जांच के दायरे में लेगी और सही मिलने पर ही असला लाइसेंस मुहैया कराया जाएगा। इस तरह जालंधर पुलिस ने असला रखने के शौकीन लोगों पर एक तरह से शिकंजा कसना शुरू किया है! पहले असला लाइसैंस बनवाने वाले असला ब्रांच से आवेदन फॉर्म लेकर अपने सभी दस्तावेज लगाकर और सिफारिश लगा देते थे, जिसके बाद उन्हें लाइसेंस मिल जाता था! अब ऐसा इसमें थोड़ा बदलाव किया गया है और बताया गया है कि पुलिस दस्तावेज के साथ आवेदनकर्ता का काम-काज भी देखेगी ताकि असलियत मालूम चल सके! पुलिस कमिश्नर कुलदीप सिंह चहल ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं! उनके आदेशानुसार पुलिस असला धारक की जांच के पीछे उसके काम की भी जांच करेगी। पुलिस जांच में पता चला है कि ऐसे अनेक लोग हैं जो असला लाइसेंस रखने के लिए अपने छोटे से कारोबार को भी बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं जबकि या तो उनका काम छोटा होता है या हकीकत में वे उक्त काम को करते ही नहीं हैं! पुलिस का कहना है कि अब असला मालिक के घर के अलावा उसके कामकाज की भी गंभीरता से जांच की जाएगी, जिसके बाद उसके इनकम टैक्स की रिर्टन को भी देखा जाएगा! वार्षिक आय और टर्नओवर की भी जांच की जाएगी, इसके बाद उक्त आवेदनकर्ता को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए भी बुलाया जाएगा। इसके बाद पुलिस कमिश्नरेट तय करेगा कि व्यक्ति असला रखने की पात्रता रखता है या नहीं! इस आधार पर अनेक आवेदनकर्ताओं के आवेदन रद्द भी किये जा चुके हैं! इसलिए कहा जा रहा है कि पंजाब में असला लाइसेंस लेना अब टेढ़ी खीर हो गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के बारे में 'अपमानजनक' पोस्ट को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के सोशल मीडिया हैंडल से किए गए 'अपमानजनक' पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भाजपा की कर्नाटक इकाई के सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'प्राप्त शिकायत के आधार पर, हमने हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (उकसाने वाले बयान) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच जारी है।' पुलिस ने कहा कि मामले के संबंध में तुमकुरु जिले के निवासी श्रीनिवासमूर्ति नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने हालांकि उस व्यक्ति के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी क्योंकि इससे जांच में बाधा पैदा हो सकती है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सूर्य मुकुंदराज ने शुक्रवार को कहा था कि भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल से बताया गया है कि कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दिल्ली में हाल के छापेमारी में आयकर विभाग ने जो 94 करोड़ रुपये की नकदी और आठ करोड़ रुपये की कीमती चीजें जब्त की हैं, वे कांग्रेस की हैं। उन्होंने शिकायत की कि भाजपा ने लोगों के बीच भ्रम पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की तस्वीरों से छेड़छाड़ की है और उन्हें गलत तरीके से पेश किया। कांग्रेस नेता ने शिकायत में कहा था, 'आयकर विभाग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहीं नहीं कहा कि उसके द्वारा जब्त की गई नकदी मंत्रियों या किसी विशिष्ट व्यक्ति की है। जांच पूरी होने से पहले ही, भाजपा ने लोगों में भ्रम पैदा करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से झूठ फैलाना शुरू कर दिया।'

अमेरिकी नागरिक से धोखाधड़ी के आरोपी की 9.3 लाख डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी जब्त

नई दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखाधड़ी के एक मामले में अहमदाबाद के एक व्यक्ति से 9,30,000 डॉलर (लगभग 7.7 करोड़ रुपये) से अधिक मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी रामावत शैशव ने कथित तौर पर खुद को ऑनलाइन विक्रेता कंपनी अमेजन के धोखाधड़ी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पेश करके एक अमेरिकी नागरिक को अपने जाल में फंसाया था। अमेरिकी जांच एजेंसी 'संघीय जांच ब्यूरो' (एफबीआई) से मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई ने शैशव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान सीबीआई को शैशव के ई-वॉलेट में 28 बिटकॉइन, 22 इथेरियम, 25,572 रिपल और 77 यूएसडीटी मिले। उन्होंने बताया कि इन क्रिप्टोकरेंसी को जब्ती के समय सरकार के वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित को आश्वस्त किया था कि उसके अमेजन खाते में सेंध लगाने की कुछ लोग कोशिश कर रहे हैं जिससे उसके अमेजन खाते की सुरक्षा को खतरा है। सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा, 'आरोपी ने पीड़ित को अपने बैंक खातों से नकदी निकालने और उसे रॉकिटकॉइन एटीएम वॉलेट में बिटकॉइन में जमा करने के लिए प्रेरित किया तथा पीड़ित के साथ एक क्यूआर कोड भी साझा किया।' प्रवक्ता ने बताया कि पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए शैशव ने 20 सितंबर, 2022 को एक फर्जी ई-मेल भेजकर यह दावा किया कि यह मेल अमेरिका के संघीय व्यापार आयोग द्वारा जारी किया गया था।

झूठे मामलों के आगे नहीं झुकेंगे चंद्रबाबू नायडू, पिता की गिरफ्तारी पर बोले नारा लोकेश

हैदराबाद। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव और चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के मंगलागिरी में टीडीपी के केंद्रीय कार्यालय में एक पार्टी बैठक के दौरान एक भावनात्मक संबोधन में कहा कि टीडीपी प्रमुख अपने खिलाफ दायर झूठे मामलों के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने भावुक लहजे में अपने संबोधन में कहा कि 'चंद्रबाबू नायडू वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार द्वारा उनके खिलाफ दायर किए गए झूठे मामलों के सामने नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा कि टीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम एन चंद्रबाबू नायडू को अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया था। नारा भुवनेश्वरी (चंद्रबाबू नायडू की पत्नी) और नारा ब्राह्मणी (लोकेश की पत्नी) का अपमान किया गया। चंद्रबाबू नायडू को एक निस्वार्थ सेवक, जिन्होंने लोगों को 45 साल समर्पित किए बताते हुए लोकेश ने आगे कहा कि अब वह पिछले 43 दिनों से राजमुंदरी सेंट्रल जेल में अन्यायपूर्ण तरीके से कैद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी राज्य के मुद्दों के संबंध में आंध्र प्रदेश की वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर सवाल उठाने के परिणामस्वरूप हुई। उन्होंने आगे कहा कि जब वह जेल में चंद्रबाबू नायडू से मिले तो उन्होंने ईमानदारी, ईमानदारी और साहस देखा। बैठक में लोकेश ने आरोप लगाया कि राज्य में 157 लोग 卐इसलिए मर गए क्योंकि वे एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को सहन नहीं कर सके卐 क्योंकि उन्होंने उनके परिवारों को टीडीपी की ओर से पूरा समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।

सवाल के लिए रिश्वत विवाद : भाजपा ने तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को बर्खास्त करने की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संसद में सवाल पूछने के लिए रिश्वत लेने के आरोपों को लेकर शुक्रवार को महुआ मोइत्रा पर हमला तेज करते हुए मांग रखी कि या तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता को सांसद पद छोड़ देना चाहिए या फिर टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को उन्हें 'बर्खास्त' कर देना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मोइत्रा के खिलाफ आरोप 'संसदीय प्रणाली को पूर्ण रूप से संकट में डालने' की ओर इशारा करते हैं। वहीं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मामले के घटनाक्रम पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का ध्यान आकर्षित करने की मांग की और जोर देकर कहा कि 'इस पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।' टीएमसी ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

अपराधियों में कानून का भय पैदा करना सर्वोच्च प्राथमिकता: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस राज्य में कानून का राज स्थापित करने में सफल रही है। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड की सलामी लेने के बाद श्री योगी ने कहा कि कर्तव्य की बेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों के परिवार के साथ सरकार हर समय तैयार खड़ी है और उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेगी। पुलिस ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि मान कर प्रदेश में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त रखा है।

उन्होने कहा कि एक नवंबर 2022 से 30 सितंबर 2023 के बीच कर्तव्य पालन के दौरान शहीद पुलिस कर्मियों के साथ केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों, अन्य प्रदेश के अर्ध सैन्य बलों, भारतीय सेना में कार्यरत एवं मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले 140 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 38 करोड़ 96 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गयी है। श्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस बल के विभिन्न पदों पर एक लाख 51 हजार 985 भर्ती की गई, जिनमें से 22044 से अधिक महिला कार्मिक शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस विभाग के विभिन्न विभिन्न पदों पर एक लाख 34 हजार 235 कार्मिकों को पदोन्नति भी प्रदान की गई। साथ ही 65 हजार 389 पदों पर भर्ती प्रक्रिया और 11 हजार 885 पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर जन मानस में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में प्रदेश पुलिस बल के बजट में दोगने से अधिक की वृद्धि की गई है। पुलिस बल को अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई। वित्तीय वर्ष 2017-18 में इस कार्य के लिए दो करोड़ 81 लाख 82 हजार रुपए आवंटित किए गए जबकि वर्ष 22-23 में 122 करोड़ 50 लाख रुपए पुलिस आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए।

पुलिस बल की क्रियाशीलता एवं प्रभाव में वृद्धि के लिए विभिन्न जिलों में 39 नये थाने, एक महिला थाना, छह नारकोटिकस थाना, 36 पुलिस चौकियां एवं एक जल पुलिस चौकी की स्वीकृति भी प्रदान की गई। सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस के नीति है। इसके तहत विभिन्न जिलों में मार्च-17 से सितंबर-23 तक 190 दुर्दांत अपराधी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। इस कार्रवाई में 5191 अपराधी घायल हुए, वहीं पुलिस बल के 16 जवान शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। कार्रवाई में 1478 पुलिस कर्मी घायल भी हुए।

उन्होने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के प्रति कड़ा शिकंजा कसने के लिए गैंगस्टर एक्ट के तहत 69332 तथा एनएसए में 887 अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रदेश के चिन्हित माफिया के 44 मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर 20 माफिया तथा उनके 38 सह अपराधी समेत कुल 58 को आजीवन कारावास के साथ अर्थ दंड की सजा कराई गई। इनमें दो को फांसी भी हुई। वहीं 68 कुख्यात माफिया और अपराधियों के साथ बैंक के सदस्यों द्वारा अवैध कृतियों में अर्जित संपत्ति 36,50 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी विजय कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बंगाल पहुंचे जेपी नड्डा ने दुर्गापूजा पंडाल में की पूजा-अर्चना

कोलकाता। देवी दुर्गा की भव्य आराधना में डूबे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शनिवार को पहुंचे। कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरे नड्डा का पारंपरिक ढाक की थाप पर स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से वे हावड़ा के एक पूजा पंडाल में पहुंचे। उन्होंने पार्टी नेताओं सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की आरती की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग दुनिया को एक दृष्टिकोण देने में सबसे आगे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस भूमि में अच्छी शक्तियों को और अधिक ताकत मिले ताकि समाज का मंगल हो, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सफल कर सके। यहां से वे न्यू मार्केट सर्वजनिन और शोभा बाजार दुर्गा पूजा मंडप में भी पहुंचे। प्रदेश भाजपा की ओर से बताया गया है कि जनसंपर्क के तहत पार्टी अध्यक्ष अभी सूबे में कई अन्य दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा करने वाले हैं।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग करते हुए भाजपा पर बरसे उमर अब्दुल्ला, कहा- दफन हो रहा लोकतंत्र

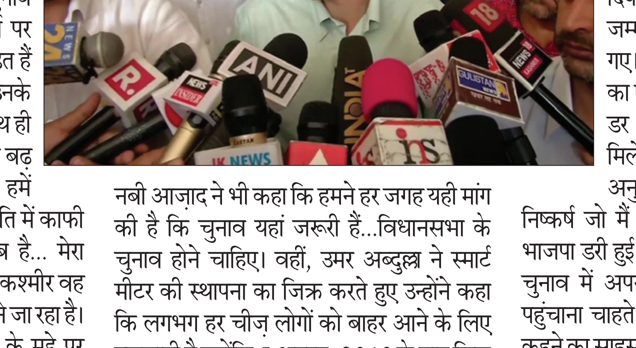

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दल लगातार केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर उनके निशाने पर भाजपा है। आज एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि लोग पीड़ित हैं क्योंकि उन्हें निर्वाचित सरकार के उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनता का गुस्सा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब हमें लगभग हर रोज बताया जाता है कि स्थिति में काफी सुधार हुआ है। यह सामान्य के करीब है... मेरा मानना ??है कि, दुर्भाग्य से, जम्मू और कश्मीर वह जगह है जहां भारत में लोकतंत्र दफन होने जा रहा है।

इस बीच जम्मू-कश्मीर में चुनाव के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने भी कहा कि हमने हर जगह यही मांग की है कि चुनाव यहां जरूरी हैं...विधानसभा के चुनाव होने चाहिए। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने स्मार्ट मीटर की स्थापना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग हर चीज़ लोगों को बाहर आने के लिए उकसाती है क्योंकि 5 अगस्त, 2019 के बाद जिस तरह से चीजें हुई हैं, उसे लेकर एक तरह का आक्रोश है। और यह कश्मीर की तुलना में जम्मू में अधिक दिखाई देता है।

पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेश - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख - बनाए गए।अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव न कराने का एक कारण यह भी है कि बीजेपी को डर है कि उसे अनुकूल नतीजे नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं केवल अनुमान लगा सकता हूं लेकिन एकमात्र निष्कर्ष जो मैं निकाल सकता हूं वह यह है कि भाजपा डरी हुई है कि नतीजे क्या होंगे। वे संसदीय चुनाव में अपनी संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। अब्दुल्ला ने केंद्र से कहा कि 'यह कहने का साहस रखें कि स्थिति 2019 से पहले की तुलना में बदतर है'।

अमित शाह ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान के सफल प्रक्षेपण की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान के सफल प्रक्षेपण की शनिवार को सराहना की और कहा कि इसने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की एक और उल्लेखनीय यात्रा की पटकथा लिखी है। 'क्रू मॉड्यूल' (जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे) एवं 'क्रू एस्केप' (चालकदल बचाव प्रणाली) से लैस एकल चरण तरल प्रणोदन रॉकेट को शनिवार को श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया। तय योजना के अनुसार पेलोड बाद में समुद्र में सुरक्षित तरीके से गिर गए और मिशन नियंत्रण केंद्र में सांसें थाम कर बैठे वैज्ञानिकों ने तालियां बजाकर इस कामयाबी का जश्न मनाया। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'चंद्रयान तीन के सफल प्रक्षेपण के बाद हमारा देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। आज इसरो ने गगनयान के टीवी-डी1 परीक्षण यान का प्रक्षेपण कर अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय यात्रा की पटकथा लिखी।' उन्होंने कहा, 'मैं सफलता के इस महत्वपूर्ण अवसर पर हमारे वैज्ञानिकों और हमारे नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं।' भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इस प्रक्षेपण के जरिये मानव को अंतरिक्ष में भेजने के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'गगनयान' की दिशा में आगे कदम बढ़ाया।

बीजेपी नेता नितेश राणे का सनसनीखेज बयान, सुशांत सिंह केस में फंसे आदित्य ठाकरे छोड़ सकते हैं देश

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी नेता और विधायक नितेश राणे ने आदित्य ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा है कि दशहरा के बाद वह देश छोड़कर चले जाएंगे। एएनआई के मुताबिक, नितेश राणे ने कहा कि मुझे पता चला है कि सुशांत सिंह और दिशा सालियान मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए आदित्य ठाकरे दशहरे के बाद देश छोड़ सकते हैं। संजय राउत क्यों सोच रहे हैं कि ललित पाटिल की गिरफ्तारी (ड्रग्स मामले में) के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशांत सिंह राजपूत और दिशा सालियान मामले में हमने भी प्रमाण के साथ कई आरोप लगाए हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि आदित्य ठाकरे इतने डर गए हैं कि उन्होंने याचिका दायर किया है। नितेश राणे ने आगे कहा कि आदित्य ठाकरे का टिकट तैयार रखा गया है। जिस तरह से मामला कोर्ट में चल रहा है, ऐसे में उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिशा सालियान केस में आदित्य ठाकरे का नाम है और फिर भी कहा जा रहा है कि इसमें कुछ भी नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने आदित्य ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें दिशा सालियान मामले में गिरफ्तारी का डर है। इसके साथ ही नितेश राणे ने यह भी भविष्यवाणी की कि दशहरा सभा के बाद आदित्य ठाकरे देश छोड़ देंगे। इतना ही नहीं, नितेश राणे ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि लंदन, दक्षिण अफ्रीका जाने के लिए टिकट तैयार हैं और वे देश छोड़ सकते हैं। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन को तीन साल बीत चुके हैं, फिर भी यह मामला रहस्य बना हुआ है, जिसका कोई स्पष्ट समाधान नजर नहीं आ रहा है। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और एक वकील द्वारा उनके खिलाफ सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका में हस्तक्षेप की मांग की है। 13 अक्टूबर को, ठाकरे ने वकील राहुल अरोटे के माध्यम से एक हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें तर्क दिया गया कि विचाराधीन जनहित याचिका स्वीकार्य नहीं है। आदित्य ठाकरे ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत और उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत मामले की सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से पहले उनका पक्ष सुना जाए।

शिवराज ने महिलाओं के लिए प्रदेश को असुरक्षित बना दिया

– कमलनाथ ने कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरा

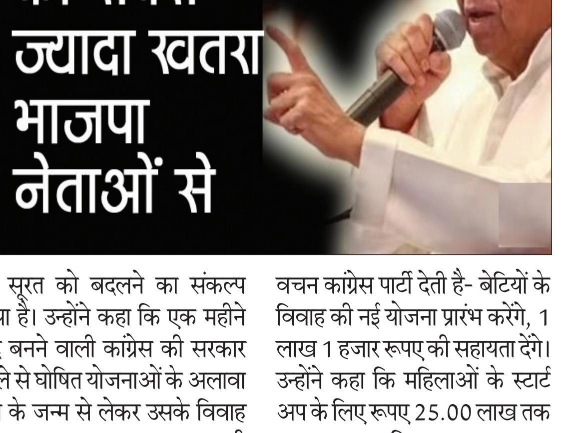

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सरकार को घेरते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश को महिलाओं के लिए असुरक्षित प्रदेश बना दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बहन-बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी से है तो वो भाजपा के ही नेताओं से है।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक बार फिर शिवराज सरकार पर हमला बोलते हुए उन्हें कानून व्यवस्था मामले में घेरने का प्रयास किया है। आज सुबह सोशल मीडिया पर उन्होंने पोस्ट करते हुए कहा कि शिवराज जी ने अपने 18 साल के कार्यकाल में मध्य प्रदेश को महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित प्रदेश बना दिया है। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा है कि प्रदेश में बहन बेटियों को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी से है तो भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से है। कमलनाथ ने इसे पर जोर देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की जनता ने अब इस सूरत को बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि एक महीने बाद बनने वाली कांग्रेस की सरकार पहले से घोषित योजनाओं के अलावा बेटी के जन्म से लेकर उसके विवाह तक 2 लाख 51000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। बेटियों के विवाह के लिए 1 लाख 1 हजार रुपए की सहायता देगी। महिलाओं को महानगर की बसों में मुफ्त यात्रा के पास देगी।

इस पोस्ट में और अधिक तरीके से वचन पत्र के बिंदुओं को स्पष्ट करते हुए कमलनाथ ने कहा कि महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपए और 500 रुपए में गैस सिलेंडर के अलावा यह 7 वचन कांग्रेस पार्टी देती है- बेटियों के विवाह की नई योजना प्रारंभ करेंगे, 1 लाख 1 हजार रूपए की सहायता देंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्टार्ट अप के लिए रूपए 25.00 लाख तक का ऋण 3 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराएँगे। आवासहीन ग्रामीण महिलाओं को आवास एवं आजीविका के लिए 5000 वर्गफुट का भूखण्ड देंगे। महानगरीय बस सेवा में परिवहन हेतु निःशुल्क पास उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी सहायिका एवं कार्यकर्ताओं को नियमित करने के लिए नियम बनाएंगे। आशा एवं ऊषा कार्यकर्ताओं के लिए मैदानी स्वास्थ्यकर्मियों का नया कैडर बनाकर सेवा से जोड़ेंगे। बेटियों के लिए मेरी बिटिया रानी योजना प्रारंभ करेंगे, उनको 2 लाख 51 हजार की राशि उनके जन्म से विवाह संस्कार होने तक देंगे। अंत में वो कहते हैं कि कांग्रेस आएगी, खुशहाली लाएगी। इसी के साथ कमलनाथ ने एक अन्य पोस्ट करते हुए पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद हुए जवानों को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुलिस स्मृति दिवस पर कमलनाथ ने शहीदों को याद कर दी श्रद्धांजलि

एक अन्य पोस्ट में कमलनाथ ने पुलिस स्मृति दिवसर पर शहीद हुए पुलिस कर्मियों को याद किया और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि देशभक्ति और जनसेवा के मंत्र को आत्मसात कर दिन-रात जनता की सुरक्षा में लगकर क़ानून व्यवस्था को बनाये रखने में शहीद हुए सभी पुलिस के जांबाज जवानों को पुलिस स्मृति दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि व भाव पूर्ण नमन।

चक्रवाती तूफान तेज की रफ्तार बढ़ने से दक्षिणी तटों पर मंडराया खतरा

–निर्माण कार्यों के चलते खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हो रहे मुंबईवासी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां अरब सागर के ऊपर दबाव के चलते तूफान तेज की रफ्तार से दक्षिणी तटों पर खतरा मंडरा रहा है, वहीं मुंबईवासियों को निर्माण कार्यों के चलते खराब हवा में सांस लेने को मजबूर होना पड़ रहा है। अरब सागर में आज चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी है। गौरतलब है कि इस साल अरब सागर में यह दूसरा चक्रवाती तूफान होगा। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवातों के नामकरण के लिए अपनाए गए फॉर्मूले के अनुसार इसे तेज कहा जाएगा। आईएमडी के अनुसार, चक्रवाती तूफान के रविवार को गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने और ओमान के दक्षिणी तटों व पास के यमन की ओर बढ़ने का अनुमान है। हालाकि, मौसम विज्ञानियों ने कहा कि कभी-कभी तूफान अनुमान पथ से भटक सकते हैं, जैसा कि चक्रवात बिपरजॉय के दौरान हुआ था। बिपरजॉय जून में अरब सागर में बना था और शुरू में उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने के बाद गुजरात में मांडवी और पाकिस्तान में कराची की तरफ गुजरा था। मौसम का पूर्वानुमान जताने वाली एजेंसी ने कहा कि अधिकांश मॉडल संकेत देते हैं कि तूफान यमन-ओमान तट की ओर बढ़ रहा है।

हालाकि, वैश्विक पूर्वानुमान तंत्र मॉडल इसके अरब सागर के गहरे मध्य भागों में स्थित होने का सुझाव देते हैं, जिससे यह प्रणाली पाकिस्तान और गुजरात तट की ओर जा सकती है। भारत को लेकर आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र 22 अक्टूबर के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक गहरे दबाव में बदल सकता है। चक्रवाती तूफान के दौरान हवा की रफ्तार 62-88 किमी प्रति घंटे की होती है, जबकि हवा की गति 89-117 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने पर इसे गंभीर चक्रवाती तूफान कहा जाता है। अरब सागर से उठ रहे इस चक्रवाती तूफान का गुजरात पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

हालांकि आईएमडी ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि दक्षिण पूर्व और दक्षिण पश्चिम अरब सागर में निम्नदबाव का क्षेत्र बना है और 21 अक्टूबर सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप लेने की आशंका है। अहमदाबाद स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, 22 अक्टूबर की शाम तक इसके भयंकर चक्रवाती तूफान का शक्ल लेने और दक्षिणी ओमान व यमन तट की ओर बढ़ने की आशंका है। चक्रवात पश्चिम-उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ेगा, ऐसे में उसका गुजरात पर कोई असर नहीं पड़ सकता है। बताया जा रहा है कि मुंबई में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को शहर में कई स्थानों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 जो कि खराब श्रेणी से ऊपर था। अगर कहीं पर बारिश होती है तो यह स्तर और नीचे जा सकता है।

गाजा संघर्ष पर शांति शिखर सम्मेलन होगा काहिरा में

काहिरा। मिस्त्र की राजधानी काहिरा में संघर्षग्रस्त गाजा पट्टी पर स्थिति पर चर्चा के लिए शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय बैठक होने वाली है। इसमें 31 देशों से अधिक और तीन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और ग्रीक प्रधान मंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस सहित अन्य लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष की निरंतर वृद्धि, फिलिस्तीन के भविष्य और शांति प्रक्रिया पर केंद्रित होगा। इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि रूस का प्रतिनिधित्व कौन करेगा? बैठक की शुरुआत मिस्त्र द्वारा की गई थी, जो ऐतिहासिक रूप से हमास और इज़रायल के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है और बढ़ते संघर्ष को सुलझाने के लिए इसके राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है।

चीन की एक फैक्टरी में विस्फोट, छह लोगों की मौत

बीजिंग। दक्षिण चीन के गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र के पिंगगुओ शहर में एक फैक्टरी में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे फैक्टरी में विस्फोट हुआ। घटना की सूचना मिलते ही दमकल एवं बचाव कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस हादसे में छह लोगों की जान चली गयी, अन्य चार घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विस्फोट का कारण उच्च तापमान वाले पिघले एल्यूमीनियम से हुआ, जो एल्यूमीनियम रॉड बनने के बाद प्रक्रिया के दौरान रॉड को कूलिंग पूल में बाहर निकालते समय गैस रिसाव के कारण हुआ था। इस घटना से संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

ब्रिटेन में इस्लाम के खिलाफ बढ़ी नफरत, यहूदियों का भी बुरा हाल

लंदन। ब्रिटेन में जहां इस्लाम के खिलाफ नफरत बढ़ती दिखाई दे रही है, वहीं यहूदियों का भी बुरा हाल है। बता दें कि पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच शुरू हुए संघर्ष का असर दुनिया के बाकी हिस्सों पर भी देखने को मिल रहा है। मुस्लिमों के खिलाफ लोगों की खूब नफरत बढ़ी है। वहीं, यहूदियों को लेकर भी यही हाल है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हाल ही में यहूदी विरोधी और इस्लाम के खिलाफ घृणा और उसके कारण होने वाले अपराधों में वृद्धि देखी गई है। स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन महानगर पुलिस) के शुक्रवार को सामने आए आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, एक से 18 अक्टूबर के बीच 218 यहूदी विरोधी अपराध हुए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में मात्र 15 अपराध हुए थे। आंकड़ों में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान, 'इस्लामोफोबिक' (मुस्लिमों के खिलाफ) अपराधों की संख्या इसी अवधि में पिछले साल के मुकाबले 42 से बढ़कर 101 हो गई। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार दोनों समुदायों के खिलाफ घृणा अपराध में क्रमशः 1,353 प्रतिशत और 140 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है।

संरा प्रमुख ने गाजावासियों के लिए मानवीय सहायता का किया आग्रह

यरूशलम। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को राफा सीमा के मिस्त्र क्षेत्र की यात्रा के दौरान गाजा को तत्काल मानवीय सहायता पहुंचाने की अपील की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह लाखों गाज़ावासियों के लिए जीवन और मृत्यु का मामला है। इजरायल द्वारा अनुमति नहीं दिये जाने के कारण राफा क्रॉसिंग पर मानवीय सहायता, चिकित्सा आपूर्ति, भोजन और कंबल से भरे लगभग 175 ट्रक गाजा में प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि मानवीय सहायता गाजावासियों के लिए 'जीवन या मौत' का प्रशन है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, 'हमें निश्चित रूप से इन ट्रकों को जितनी जल्दी संभव हो और जितनी आवश्यक हो उतनी संख्या में ले जाने की आवश्यकता है,।' उन्होंने कहा कि 'गाजा में हर दिन ट्रकों के प्रवेश की आवश्यकता है ताकि गाजा के लोगों को पर्याप्त सहायता प्रदान की जा सके।' संयुक्त राष्ट्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इससे पहले दिन में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के प्रवक्ता जेन्स लार्के ने कहा कि संबंधित पक्ष सहायता अभियान के तौर-तरीकों पर एक समझौते के करीब हैं और पहली डिलीवरी आने वाले दिनों में शुरू होने वाली है।

अमेरिका ने पाक को बैलिस्टिक मिसाइलों के पुर्जों की आपूर्ति करने वाली चीनी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए मिसाइलों से जुड़े उपकरणों की आपूर्ति करने के वास्ते तीन चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि ये प्रतिबंध वैश्विक अप्रसार व्यवस्था के तहत लगाए गए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा,卐आज, हम कार्यकारी आदेश 13382 के अनुसार तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसारकों और उनके वितरण से जुड़ी हैं। यह तीनों कंपनियां चीन की हैं और इन्होंने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के मिसाइल से जुड़े पुर्जों एवं उपकरणों की आपूर्ति की है।' पाकिस्तान का चीन सदाबहार सहयोगी है जो इस्लामाबाद के सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। यह तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और चांगझौ यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड हैं। यह प्रतिबंध पाकिस्तान के अबाबील बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली के प्रक्षेपण के कुछ दिनों बाद लगाए गए हैं।

पाकिस्तान में मसूद अजहर का करीबी आतंकवादी दाऊद मलिक मारा गया

इस्लामाबाद। वैश्विक आतंकवादी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' सरगना मसूद अजहर का बेहद करीबी गुर्गा दाऊद मलिक भी आखिरकार मारा गया। वह 'जैश-ए-मोहम्मद' के अलावा लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी से भी जुड़ा था। पाकिस्तान की पुलिस ने माना है कि शुक्रवार सुबह उत्तरी वजीरिस्तान में आदिवासी जिले के मिराली इलाके में अज्ञात नकाबपोशों के लक्षित हमले में दाऊद मलिक ढेर हो गया। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। पुलिस ने बताया कि दाऊद मलिक को एक निजी क्लीनिक में सशस्त्र नकाबपोश लोगों ने निशाना बनाया, जो उसकी हत्या कर भागने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि मसूद अजहर, हाफिज सईद, लखवी और दाऊद इब्राहिम आदि की भारत को लंबे समय से तलाश है। भारत सरकार इन सबको आतंकी घोषित कर चुकी है। इन वांछितों में पठानकोट हमले का मास्टर माइंड शाहिद लतीफ पहले ही पाकिस्तान में मारा जा चुका है। इसके अलावा आईएसआई एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज को भी पाकिस्तान में ढेर किया जा चुका है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की बालाकोट एयर स्ट्राइक में दाऊद मलिक बच गया था। पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना ने बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की थी। उस वक्त दाऊद मलिक की वहां पर उपस्थिति बताई जाती है। मलिक आईएसआई की हिफाजत में रहता था। आईएसआई एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज को बलूचिस्तान में गोली मारी गई थी। बाहौर के बारे में कहा जाता है कि उसने ही ईरान से भारतीय कुलभूषण जाधव को अगवा कर आईएसआई के हवाले किया था। जाधव को पाकिस्तान की कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ भारत ने हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दस्तक दी थी। वहां से कुलभूषण की मौत की सजा पर रोक लगाई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पिछले माह लश्कर ए तैयबा प्रमुख हाफिज सईद के करीबी अबु कासिम को भी रावलकोट में गोली मारकर उड़ा दिया गया। खालिस्तान कमांडो फोर्स का दुर्दांत आतंकी और भारत में मोस्ट वॉन्टेड परमजीत सिंह पंजवड़ की भी पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या की जा चुकी है। पाकिस्तान में हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी बशीर मीर उर्फ इम्तियाज आलम और जैश के खूंखार आतंकी जहूर मिस्त्री भी मारे जा चुके हैं। जहूर मिस्त्री कंधार विमान अपहरण कांड में शामिल था।

4 साल बाद नवाज शरीफ लौटे पाक, हुआ जोरदार स्वागत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 4 सालों के बाद अपने वतन लौट आए हैं! शरीफ के इस्लामाबाद पहुंचने पर उनके स्वागत में पूर्व कानून मंत्री आजम तरार और पीएमएल-एन के अनेक बड़े नेता मौजूद थे! पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ के पाकिस्तान पहुंचने पर जहां एक तरफ स्वागत हुआ तो वहीं विरोधियों ने उनके जख्मों को कुरेदना भी शुरु कर दिया! दरअसल नवाज शरीफ को 2018 में अदालत ने चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया था। इसके बाद 2019 में अदालत ने उनको जेल से ही इलाज के लिए विदेश की मंजूरी दी थी। इसके बाद गिरफ्तारी का वह डर ही था जिस कारण शरीफ पाकिस्तान से बाहर ही रहे! गौरतलब है कि उनकी वतन वापसी कोर्ट से गिरफ्तारी पर राहत मिलने के बाद हुई है, इसलिए लोग इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान को भी दोहरा रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि शरीफ एक बार जरुर वतन लौटेंगे, लेकिन तभी वो आएंगे जबकि उन्हें यह तय हो जाएगा कि उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी!

पाकिस्तान आने से पहले शरीफ ने दुबई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि वह सब कुछ अल्लाह पर छोड़ रहे हैं और अपने वतन वापस जा रहे हैं! यहां शरीफ ने पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर भी चिंता जाहिर की!

उन्होंने पाकिस्तान के हालात को 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ा हुआ बताया है! उन्होंने आशा व्यक्त की कि अब देश के हालात सुधरेंगे! अब नवाज शरीफ 73 साल के हो चुके हैं और उनकी गिनती पाकिस्तान के सीनियर नेताओं में की जाती है! ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान के अगले आम चुनाव में एक बार फिर नवाज शरीफ पार्टी को लीड करते नजर आएंगे! वैसे नवाज शरीफ और उनके भाई शाहबाज शरीफ दोनों ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे हैं, ऐसे में पार्टी के सामने नेता की कोई कमी महसूस होने वाली नहीं है! बहरहाल शरीफ के पाकिस्तान पहुंचने पर उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया!

हमास का हमला इजरायल को सामान्य बनाने को बाधित करने के लिए : बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि सऊदी अरब और इजरायल के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के अमेरिका के प्रयासों को जानबूझकर बाधित करने के लिए हमास ने इस महीने की शुरुआत में इजरायल के खिलाफ हमले किए थे। व्हाइट हाउस प्रेस पूल ने शनिवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस प्रेस पूल की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्री बाइडेन ने शुक्रवार को कहा, 'हमास के इजरायल की ओर बढ़ने के कारणों में से एक यह है कि वे जानते थे कि मैं सउदी के साथ बैठने वाला था। सउदी लोग इसरायल को मान्यता देना चाहते हैं।' इस सप्ताह की शुरुआत में श्री बाइडेन ने कहा था कि इजरायल और सऊदी अरब के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया समाप्त नहीं हुई है लेकिन इसमें कुछ समय लगेगा। श्री बाइडेन के अनुसार, सउदी, अमीराती (संयुक्त अरब अमीरात) और अन्य अरब राष्ट्र समझते हैं कि इजरायल के साथ संबंध सामान्य होने पर उनकी सुरक्षा तथा स्थिरता बढ़ जाती है। गौरतलब है कि गत सात अक्टूबर को हमास-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद सऊदी अरब ने कथित तौर पर सामान्यीकरण वार्ता समाप्त कर दी। श्री बाइडेन ने हालांकि इस बात पर जोर देकर कहा है कि एक समझौता अभी भी संभव है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ रविवार की बैठक के दौरान हमास के हमलों के लिए इजरायल की जवाबी कार्रवाई पर लगाम लगाने और उसके सैन्य अभियानों तथा गाजा नागरिक आबादी पर घेराबंदी को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अमेरिका ने तबाह करवाया था गाजा का अस्पताल? रूस ने किया बड़ा दावा

मास्को (एजेंसी)। इजरायल हमास युद्ध के बीच अमेरिका और रूस के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गई है। पहले तो अमेरिका की तरफ से पुतिन की तुलना हमास से कर दी गई। अब रूस ने गाजा के अस्पताल में हुए विस्फोट के पीछे अमेरिका का हाथ होने की आशंका जताई है। रूसी संसद के एक सदस्य ने कहा कि गाजा सिटी अस्पताल में हुए घातक विस्फोट के पीछे संयुक्त राज्य अमेरिका का हाथ हो सकता है। ड्यूमा सदस्य एंड्री गुरुल्योव ने क्रेमलिन द्वारा संचालित टेलीविजन चैनल रूस-1 पर एक उपस्थिति के दौरान बिना कोई सबूत पेश किए आरोप लगाया। अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल में हुए विस्फोट के लिए इज़राइल और हमास ने एक दूसरे पर दोषारोपण किया है।

एंड्री गुरुल्योव ने कहा कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि एक निर्देशित बम वहां गिरा। इससे भी अधिक, यहां एक बारीकियां है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों का जिक्र करते हुए कहा कि आज एक अमेरिकी विमान वाहक समूह ने इजरायल के तट पर संपर्क किया। जिन्हें इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद पूर्वी भूमध्य सागर में तैनात किया गया था। एंड्री

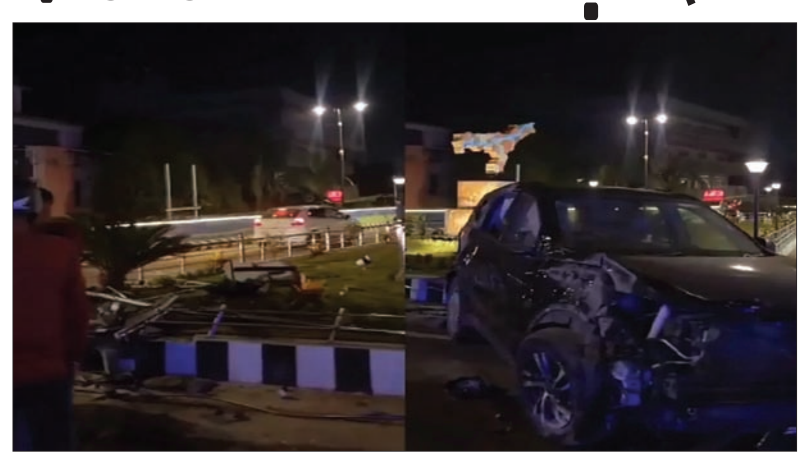

गुरुल्योव ने आगे कहा कि गोली चलाने का आदेश इज़रायली क्षेत्र पर एक स्थिर कमांड सेंटर से या विमान वाहक पोत पर एक जहाज-आधारित नियंत्रण केंद्र से आ सकता था।

गाजा के एक अस्पताल में हुए भीषण विस्फोट में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। इस अस्पताल में पहले से घायल मरीजों की भरमार थी और अन्य फलस्तीनी नागरिक भी यहां शरण लिए हुए थे। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमास ने इसे इजराइल का हवाई हमला बताया जबकि इजराइल की सेना ने आरोप लगाया कि फलस्तीनी आतंकवादियों द्वारा दागे गए रॉकेट के निशाना चूकने से यह विस्फोट हुआ। मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 500 लोग मारे गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सिंगापुर के गृह मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

सिंगापुर, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से शनिवार को मुलाकात की और उनके साथ क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम और द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर दक्षिण पूर्व एशिया की अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सिंगापुर पहुंचे। वह वियतनाम की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के बाद यहां आये हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज, गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इस बीच क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई।' विदेश मंत्री की षणमुगम के साथ मुलाकात सिंगापुर के उनके समकक्ष विवियन बालकृष्णन, उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, व्यापार एवं उद्योग मंत्री गैन किम योंग और वरिष्ठ मंत्री टेयो ची हीन से मुलाकात के एक दिन बाद हुई। जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन से बातचीत की और यहां भारत के आसियान तथा पूर्वी एशिया के राजदूतों के क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि जयशंकर की यात्रा सिंगापुर और भारत के बीच घनिष्ठ और दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करती है जो रणनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर बने हैं।

इजराइल में पुलिस वर्दी बनाने वाली भारतीय कंपनी का बड़ा ऐलान, जंग खत्म होने तक नहीं लेंगे कोई ऑर्डर

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग में दोनों तरफ के 6000 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ऐसे में इजरायल पुलिस के लिए वर्दी बनाने वाली केरल की एक कंपनी ने ऐलान किया कि जब तक जंग नहीं रुकती वे कोई नया ऑर्डर नहीं लेंगे। कंपनी ने यह फैसला फिलस्तीन के अस्पतालों में हुए कथित हमले के बाद लिया, जिसे मानवीय आधार से जोड़कर देखा जा रहा है।

जानकारी अनुसार केरल के कन्नूर स्थित मैरीन अपैरल प्राइवेट लिमिटेड ने इजराइल और हमास के बीच जारी जंग को देखते हुए कहा है कि जब तक यह लड़ाई रुकती नहीं है, तब तक वह इजरायल पुलिस से कोई नया ऑर्डर नहीं लेगी। कंपनी के अध्यक्ष थॉमस ओलिकल का कहना है कि कंपनी ने फैसला किया है कि जब तक गाजा में युद्ध बंद नहीं होता तब तक वह इजरायल पुलिस बल से कोई नया ऑर्डर नहीं लेंगे। आपको बता दें कि कंपनी, इजरायल पुलिस की हल्के नीले, लंबी आस्तीन वाली वर्दी बनाती है। थॉमस ओलिकल ने बताया कि कंपनी साल 2015 से पुलिस के लिए वर्दी बनाने का काम कर रही है, लेकिन जिस तरह से हमास और इजरायल की लड़ाई में निर्दोष लोगों की हत्या की जा रही है, वह किसी तरह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि, 25 लाख लोगों को भोजन और पानी नहीं देना, अस्पतालों पर बमबारी करना और निर्दोष महिलाओं व बच्चों को जान से मार देना बर्दाश्त के बाहर की बात है। थॉमस ओलिकल ने कहा कि कंपनी चाहती है कि यह जंग खत्म हो और फिर से शांति बहाल हो। ओलिकल का कहना है कि यह एक नैतिक आधार पर लिया गया फैसला है और पुलिस को किसी तरह से वर्दी की कमी नहीं होगी, क्योंकि पहले से जो ऑर्डर है उसे तो कंपनी पूरा करेगी ही और लड़ाई बंद होने तक कोई नया ऑर्डर नहीं लिया जाएगा। कंपनी महज इजराइल के लिए ही नहीं बल्कि अन्य अनेक देशों के लिए भी ड्रेस और स्कूल यूनिफार्म बनाती है, जिसे लोग खासा पसंद करते हैं।

इज़राइल के खिलाफ हमलों के लिए भारी कीमत चुकाएगा हिजबुल्लाह, इसराइल के रक्षा मंत्री की दो टूक

तेल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने शनिवार को कहा कि लेबनान के सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह ने लड़ाई में भाग लेने का फैसला किया है और वह इज़राइल के खिलाफ अपने हमलों के लिए भारी कीमत चुकाएगा। टाइम्स ऑफ इज़राइल ने योव गैलेंट के हवाले से कहा कि हिजबुल्लाह ने लड़ाई में भाग लेने का फैसला किया है, हम इसकी भारी कीमत वसूल रहे हैं। आतंकवादी समूह हमास द्वारा 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने और इजराइल द्वारा गाजा पर भीषण हवाई हमलों का जवाब देने के बाद से ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इजराइल लगभग

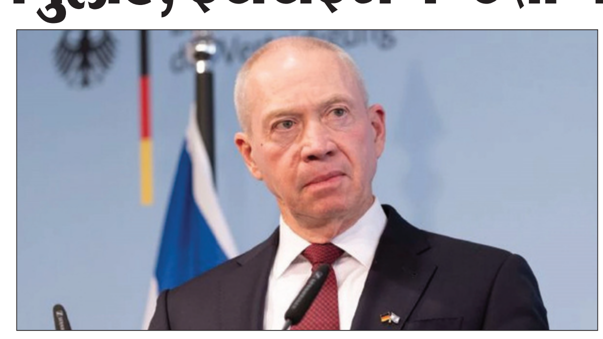

रोजाना सीमा पर गोलीबारी कर रहे हैं।

2006 में हिज़्बुल्लाह और इज़राइल के युद्ध के बाद से सीमा पर यह लड़ाई सबसे घातक रही है। 15 अक्टूबर को इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा कि इजराइल को अपने उत्तरी मोर्चे पर युद्ध छेड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है और अगर हिजबुल्लाह खुद को रोकेगा तो इजराइल भी सीमा पर स्थिति को वैसे ही बनाए रखेगा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी थी, जो हिजबुल्लाह और आतंकवादी समूह हमास का समर्थन करता है।

हिजबुल्लाह के अधिकारी हाशेम सफीद्दीन ने हजारों समर्थकों के सामने एक भाषण में यह कहकर प्रतिक्रिया दी थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और दुर्भावनापूर्ण यूरोपीय सावधान रहना चाहिए। हमास के शुरुआती हमले में लगभग 1,400 इजरायली मारे गए, जो राज्य के 75 साल के इतिहास में सबसे खूनी एक दिन था। इज़रायली हमलों में कम से कम 3,800 फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं। दोनों पक्षों के मृतकों में अधिकांश नागरिक थे।

अमेरिकी प्रशासन विदेशी छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करें : भारतीय प्रवासी निकाय

वाशिंगटन। स्नातक कर रहे छात्रों और उपलब्ध एच1बी वीजा के बीच बहुत अधिक अंतराल बताते हुए एक भारतीय प्रवासी समुदाय निकाय ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन से विदेशी छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम में बदलाव करने का आग्रह किया है। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिकी गृह मंत्री एलेजांद्रो मयोरकास को लिखे एक पत्र में कहा कि इस अंतराल के कारण भारतीय छात्र अमेरिकी उद्योग में योगदान करने के अवसर से चूक रहे हैं। एफआईआईडीएस द्वारा सुझाए गए कई बदलावों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियान्त्रिकी और गणित (एसटीईएम) के विषयों में डिग्री वाले पात्र छात्रों के लिए एसटीईएम ओपीटी की अवधि को 24 महीने से बढ़ाकर 48 महीने करना, ओपीटी स्नातकोत्तर में आवेदन करने की अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करना और एसटीईएम डिग्री धारकों को गैर-एसटीईएम डिग्री धारकों की तुलना में एच1बी वीजा लॉटरी में चुने जाने के छह गुना अधिक अवसर प्रदान करना है।

युद्ध से अचानक भागे मुस्लिम देश? चप्पे-चप्पे में फैले अमेरिकी कमांडो

जिनेवा (एजेंसी)। इस वक्त दुनिया में दो बड़े युद्ध हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ दो महाशक्तियों के बीच भी टकराव देखने को मिल रहा है। गाजा युद्ध पिछले दो हफ्तों से दुनिया के लिए तनाव तकी वजह बना हुआ है तो वहीं पिछले दो साल से यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव डाल रहा है। अमेरिका रूस के राष्ट्रपति पुतिन की तुलना हमास से कर रहा है तो वहीं रूसी राष्ट्रपति चीन के साथ मिलकर गाजा पट्टी को लेकर नई रणनीति बना रहे हैं। गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ सभी मुस्लिम देश एकजुट हैं। लेकिन जब बात गाजा के लोगों को शरण देने की उठती है तो एक भी मुस्लिम देश आगे नहीं आते हैं। गाजा से सटी सीमा वाले मिस्त्र ने साफ कर दिया है कि वो एक भी शर्णार्थी को अपने देश में घुसने नहीं देगा। कुछ ऐसा ही बयान इजरायल के पड़ोसी देश जॉर्डन ने भी दिया है जिसकी सीमा वेस्ट बैंक से सटी है।

वहीं इजरायल के हमलों से बेहाल हजारों गाजा निवासी मदद की आस लिए मिस्त्र से सटे बॉर्डर पर जमा हो रहे हैं। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद भी मिस्त्र से गाजा को जोड़ने वाले राफा बॉर्डर क्रॉसिंग लोगों के लिए नहीं खुल पाया है। मिस्त्र के राष्ट्रपति फतह अल सिसि ने आशंका जताई है कि शरणार्थियों की आड़ लेकर हमास के आतंकी भी उनके मुल्क में घुस जाएंगे। मिस्त्र को ये भी डर है कि जहां भी हमास के आतंकी पहुंचेंगे वहां इजरायल हमले कर सकता है। ईरान, इराक, तुर्की और कतर समेत मिडिल ईस्ट के तमाम देश फिलिस्तीन के समर्थन और इजरायल के विरूद्ध बयानबाजी तो कर रहे हैं। लेकिन कोई भी देश गाजा के शरणार्थियों की समस्या पर अपना मुंह नहीं खोल रहा है।

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट के कई देशों में अपने सैनिकों की तैनाती कर दी है। इराक में अमेरिका के 2500 सैनिक जबकि सीरिया में 900, तुर्की में 2500, जॉर्डन में 3000, कुवैत में 13000, बहरीन में 7000, कतर में 13000, सऊदी अरब में 3000, यूएई में 5000 और ओमान में 600 सैनिक हैं। अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच जुबानी जंग के बीच चीन मौके का फायदा उठाने से नहीं चूक रहा है। अमेरिका रक्षा विभाग के रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की आंख में धूल झोंकते हुए चीन अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है।

अंकतालिका में नंबर-1 बनने न्यूजीलैंड को हराने आज उतरेगा भारत

धर्मशाला (एजेंसी)। विश्व कप 2023 का 21वां मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड के बीच धर्मशाला स्टेडियम में 22 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों टीमें वर्तमान में प्रचंड फॉर्म में चल रही हैं। दोनों की टीमें अब तक वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी हैं। इसके बाद धर्मशाला में एक टक्कर का मुकाबला देखने को मिलेगा।

जो भी टीम मैच विजेता बनेगी, वह अंकतालिका में नंबर 1 पर आ जाएगी। इस समय कीवी टीम पहले और भारत दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों ने अब तक 4-4 मैच जीते हैं। फर्क सिर्फ रन रेट में है। इसके बाद अगर रोहित सेना कीवी टीम को हराएगी, तब टॉप पर आ जाएगी। दरअसल धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की पिच तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। तेज हवाओं और आसमान में बादल रहने की वजह से गेंद काफी ज्यादा स्विंग करती है। तेज गेंदबाजों का धर्मशाला में तूफान मचाना तय है। साथ-साथ पिच पर बाउंस भी अच्छा रहता है, इसकारण बल्लेबाजों को भी मदद मिलती है।

अगर शुरुआती ओवर में बल्लेबाजों ने संभलकर खेल लिया तब बड़ा स्कोर बनाना तय हैं। मिडिल ओवर में स्पिनर्स भी अच्छा कर सकते हैं। इस मैदान में अब तक कुल 7 वनडे मुकाबले हुए हैं, जिसमें से 3 पहले बल्लेबाजी और 4 दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। वहीं टीम इंडिया ने मैदान पर 4 वनडे खेले हैं, उनका रिकॉर्ड इधर 50-50 रहा है। रात को धर्मशाला में ड्यू फैक्टर भी देखने को मिल सकता है। इसकारण जो कप्तान टॉस जीतेगा वह पहले गेंदबाजी करने को देख सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी।

न्यूजीलैंड- केन विलियमसन (कप्तान), टॉम लाथम, विल यंग, मार्क चैपमेन, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, जिमी नीशरम, मिचेल सैंटनर, रचिन रविंद्र, डिवॉन कॉन्वे, ईश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट।

पाकिस्तान की हार पर बोले गेंदबाजी कोच मोर्कल, कहा- 'हमारे गेंदबाज दबाव बनाने में नाकाम रहे'

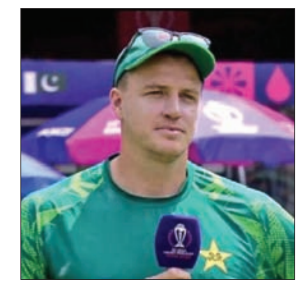

ओडेंस (एजेंसी)। शुक्रवार को बेंगुलरु में पाकिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला खेला गया। जिसमें पाकिस्तान टीम को हार झेलनी पड़ी। वर्ल्ड कप में जहां पाकिस्तान की शुरुआत बेहतरीन जीत से हुई वहीं कंगारू टीम को भारत के खिलाफ हार देखनी पड़ी। लेकिन पाकिस्तान टीम अपनी इस जीत की लय को बरकरार रखने में नाकामयाब रही। जबकि कंगारूओं ने बेहतरीन वापसी करते हुए अभी तक दो मुकाबले जीत लिए हैं। वहीं पाकिस्तान की हार पर पाक गेंदबाज कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम के गेंदबाजों को जिम्मेदार ठहराया है। दरअसल, पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने वनडे विश्व कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया से हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे हैं। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शाहीन शाह अफरीदी ने पांच विकेट लेकर अपनी लय हासिल की लेकिन हारिस रऊफ और हसन अली का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा। हारिस रऊफ ने अपने पहले स्पैल में 24 रन लुटाई। रऊफ और हसन अली ने ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जोड़ी डेविड वार्नर और मिशेल मार्श को रन बटोरने के कई मौके दिए। मोर्कल ने मैच के बाद कहा, ''पिछले दो मैचों में हमारी चर्चा का एक विषय गेंदबाजी में साझेदारी निभाना रहा है। मेरा मानना है कि भारत में यह बेहद अहम होता है। दोनों छोर से दबाव बनाना बहुत जरूरी है और अभी हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं।'' पाक गेंदबाजी कोच ने आगे कहा,''हमारी गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अगर आपको 19 नवंबर को विश्व कप ट्रॉफी उठानी है तो फिर गेंदबाजों को दोनों छोर से निरंतरता बनाए रखनी होगी।''

ईपीएल का आगामी सीजन विदेश में होगा आयोजित? चेयरमैन अरुण धूमल ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 को लेकर फैंस अभी से उत्साहित हैं। लेकिन अभी सभी के मन में एक ही सवाल है कि आईपीएल 2024 का आयोजन कहां होगा? दरअसल, इस साल भारत में लोकसभा के चुनाव होने हैं। इससे पहले 2009 में इन्हीं चुनावों के कारण इसे भारत से बाहर दक्षिण अफ्रीका में करवाया गया था। आगामी आईपीएल के वेन्यू को लेकर आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने बताया है कि हम इतने सक्षम हैं कि चुनावों के साथ आईपीएल का आयोजन देश में ही करवा सकते हैं।

कोरोना काल में दो साल बाद आईपीएल 2022 का आयोजन भारत में हुआ था। लेकिन 2022 में भी सिर्फ चार स्टेडियम में पूरे ग्रुप स्टेज के मुकाबले आयोजित किए गए। 2023 में आईपीएल अपने पुराने रूप में लौटा, जब हर टीम के होम ग्राउंड पर मैच खेले गए। ये सब कोरोना के चलते 2020 में तो आईपीएल बिना दर्शकों के खेला गया था। आगामी आईपीएल के वेन्यू को लेकर हो रही चर्चा किसी संक्रमण की वजह से नहीं बल्कि चुनावों के कारण से हैं। क्या चुनावों के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग का आयोन

उसी तरह हो पाएगा जैसा इस साल 2023 में हुआ था। बता दें कि, दैनिक जागरण से बात करते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि, ये चुनौती है, लेकिन 2019 में भी चुनाव थे और हमने सफलतापूर्व आईपीएल का आयोजन कराया था। मैं मानता हूं कि सरकार और हमारी सुरक्षा एजेंसियां चुनाव और बाकी आयोजन को एक साथ कराने में सक्षम हैं। अगले साल आईपीएल भारत में ही होगा। कार्यक्रम के लिए हमें थोड़ा समय लगेगा क्योंकि चुनाव आयोग द्वारा तारीख कि घोषणा के बाद ही इस पर काम किया जाएगा। देखना होगा कि किस चरण में किस प्रदेश में चुनाव होंगे। उस हिसाब से हम कार्यक्रम बनाने की कोशिश करेंगे। इसके लिए हमने इंतजार करना होगा। हम सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। सरकार का मार्गदर्शन लेकन हम आईपीएल का सफलतापूर्वक आयोजन करेंगे।

गत चैंपियन इंगलैंड की शर्मनाक हार, द. अफ्रीका ने 329 रन से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट विश्व कप 2019 की चैंपियन इंगलैंड को शनिवार के दिन वानखेड़े स्टेडियम में सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर इंग्लैंड को 400 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। हेनरिक क्लासेन ने 109 तो रीजा हेंड्रिक्स ने 85 रन बनाए थे। जवाब में इंगलैंड की टीम 170 रन ही बना पाई। यह क्रिकेट विश्व कप में उनकी 7वीं बड़ी हार है। सबसे बड़ी हार का नाम अफगानिस्तान के नाम पर हैं जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2015 विश्व कप के दौरान 275 रन से मैच गंवाया था।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 7 विकेट पर 399 रन बनाए। यह विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका का सर्वोच्च स्कोर है। क्लासेन ने अपनी चौथी शतकीय पारी के दौरान 4 छक्के और 12 चौके जड़े। उन्होंने 67 गेंद में 109 रन बनाए। यानसेन ने 42 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 75 रन बनाए। यह उनके करियर का पहला अर्धशतक है। इससे पहले रीजा हेंड्रिक्स (75 गेंद में 85 रन) और रासी वेन डर डुसेन (61 गेंद में 60 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। क्लासेन को उमस भरी गर्मी में अपनी पारी के दौरान नियमित रूप से तरल पदार्थ के सेवन करते देखा गया। वह ऐंठन की समस्या के बीच मैदान पर डटे

रहे। वही दूसरी ओर इंग्लैंड के कुछ गेंदबाजों को मैदान से बाहर जाना पड़ा। क्लासेन ने मार्क वुड (सात ओवर में 76 रन) के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर पारी के 47वें ओवर में 61 गेंद में इस साल का अपना तीसरा शतक पूरा किया। क्लासेन और यानसेन ने छठे विकेट के लिए सिर्फ 77 गेंदों पर 151 रन जोड़े, जो अब वनडे के साथ-साथ विश्व कप इतिहास में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए एक रिकॉर्ड है। नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा के बीमार पड़ने और क्विंटन डिकॉक (चार) के जल्दी आउट होने के कारण, दक्षिण अफ्रीका को दमदार बल्लेबाजी की जरूरत थी और उनके बल्लेबाजों ने यह सुनिश्चित किया। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी 10 ओवरों में 143 रन बटोरे जिसमें से 46वें से 50वें ओवर में 84 रन बने। पारी की शुरुआत में रीस टॉपली (88 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर के कैच को मैदानी अंपायर ने नकार दिया लेकिन रिव्यू के बाद डिकाक को पवेलियन की राह नापनी पड़ी। डुसेन ने इसके बाद संभल कर बल्लेबाजी की जबकि हेंड्रिक्स ने कुछ करारे प्रहार किये। दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले में 59 रन जुटाये जिसमें वुड का स्वागत बल्लेबाजों ने चौकों से किया। टॉपली जब मैदान में वापस आये तब तक कामचालउ गेंदबाज जो रूट 6.1 ओवर में बिना किसी सफलता के 48 रन लुटा चके थे।

अब मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच बने मलिंगा

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल (फ्रैंचाइजी) मुंबई इंडियन्स ने श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा को अपना तेज गेंदबाजी कोच बनाने की घोषणा की है। कमिंगा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह लेंगे। बॉन्ड ने इससे पहले गेंदबाजी कोच के पद को छोड़ दिया था। मलिंगा ने मुंबई इंडियन्स की ओर से 11 सत्र खेलें हैं। इसके अलावा वह 2018 में टीम के गेंदबाजी मेंटोर भी रहे थे। मलिंगा आगामी सत्र से पहले कोचिंग दल से जुड़ेंगे। टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर जबकि कीरोन पोलार्ड टीम के बल्लेबाजी कोच हैं। फ्रेंचाइजी का मानना है कि तीन पूर्व क्रिकेटर 'डगआउट में एक मजबूत साझेदारी बनाएंगे। मलिंगा इस फ्रेंचाइजी की अन्य टीमों के गेंदबाजी कोच रहे है जिसमें मेजर लीग क्रिकेट में एमआई न्यूयॉर्क और एसए20 में एमआई केपटाउन की टीम शामिल है। वहीं इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की कोचिंग टीम में शामिल रहे मलिंगा ने कहा, 'मैं बाउचर, पोलार्ड, कप्तान रोहित शर्मा व टीम के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं। मैं विशेष रूप से गेंदबाजी इकाई के साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं जिसका रुख मुझे पिछले सत्र में पसंद आया था। मुंबई इंडियन्स की युवा प्रतिभाओं में उत्कृष्टता हासिल करने की जबरदस्त क्षमता है।

एडम जंपा ने किए 150 वनडे विकेट पूरे, कप्तान पैट कमिंस ने की तारीफ

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने 150 वनडे विकेट पूरे कर लिए हैं, इस पर कप्तान पैट कमिंस ने जमकर तारीफ की है। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप 2023 के तहत पाकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा 4 विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, इफितखार अहमद और मोहम्मद नवाज की विकेट चटकाई जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत यकीनी हो गई। जंपा ने 4 विकेट लेने के साथ ही अपने वनडे करियर में 150 विकेट भी पूरे कर लिए। उनकी शानदार परफार्मेंस पर कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि वह बेहद ही शानदार रहे हैं, उन्होंने आज मैच में अपनी अच्छी क्लास दिखाई। वह हमारे बीच में असली विकेट लेने वाला गेंदबाज है। कमिंस ने कहा कि अब हमारा टारगेट इस बेंचमार्क को बनाए रखने पर है। गौरतलब है ?कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से वनडे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ग्लेन मैकग्रा और ब्रैट ली के नाम पर हैं जिन्होंने क्रमश- 249 और 221 मैचों में 380-380 विकेट लिए हैं। शेन वार्न के 291 तो मिचेल जॉनसन के 239 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के एक्टिव क्रिकेटर माइकल स्टार्क 226 विकेट निकाल चुके हैं। वहीं, जंपा 151 विकेटों के साथ अभी इस लिस्ट में 11वें स्थान पर बने हुए हैं। उम्मीद है कि वह तेजी के साथ 200 विकेट क्लब में पहुंच जाएंगे। विश्व कप 2023 में टॉप विकेटेकर में 11 मिचेल सेंटनर, न्यूजीलैंड, 10 जसप्रीत बुमराह, भारत, 9 मेट हेनरी, न्यूजीलैंड, 9 शाहीन अफरीदी, पाकिस्तान, 9 एडम जंपा, ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। मैच में स्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने रिकॉर्ड पार्टनरशिप बनाकर अपने-अपने शतक भी पूरे किए और टीम को 367 रन तक पहुंचा दिया। वार्नर ने 163 तो मार्श ने 121 रन बनाए। स्टोइनिस 21, जोश 13 रन बना सके। अफरीदी ने 5, हैरिस राऊफ ने 3 तो उसमा मीर ने एक विकेट लिया। जवाब में खेलने उतरी पाकिस्तान ने अच्छी शुरूआत की और 20 से 30 ओवर के बीच उन्होंने तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए जिससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में आने का मौका मिल गया।

श्रीलंका को मिली वर्ल्ड कप 2023 में पहली जीत, नीदरलैंड्स को 5 विकेट से हराया

लखनऊ (एजेंसी)। श्रीलंका ओम ने आखिरकार सदीरा समरविक्रमा की बेहतरीन पारी की बदौलत क्रिकेट विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल कर ली। लखनऊ के मैदान पर नीदरलैंड ने पहले खेलते हुए साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट के 70, वेन बीक के 59 रनों की बदौलत 262 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका ने पाथुम निसांका के 54, असलांका के 44 तो समरविक्रमा के 91 रनों की बदौलत 5 विकेट से जीत हासिल कर ली। श्रीलंका इससे पहले दक्षिण अफ्रीका से 102 रन, पाकिस्तान से 6 विकेट तो ऑस्ट्रेलिया से 5 विकेट से हार झेल चुका है।

इससे पहले नीदरलैंड ने साइब्रेंड एंगलब्रेट (70) और लोगन वैन बीक (59) के बीच 130 रन की शतकीय साझीदारी की बदौलत 262 रनबनाए थे। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर नीदरलैंड्स एक समय 91 रन पर शुरुआती छह विकेट गंवा कर संघर्ष की स्थिति में था मगर साइब्रैंड और वैन बीक ने जबरदस्त बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने क्रीज पर समय देते हुए बाउंड्री की बजाय सिंगल्स और डबल्स रन लेने में रुचि दिखाई और ढीली गेंदों पर प्रहार भी किए। नतीजन नीदरलैंड्स का स्कोरबोर्ड चल निकला और 45 ओवर की समाप्ति पर स्कोर 221 हो गया।

इस बीच कप्तान कुसल मेंडिस ने अपने स्ट्राइक गेंदबाज दिलशान मदुशंका को गेंद थमाई और उन्होंने इसे सही फैसला करार देते हुए साइब्रैंड को क्लीन बोल्ड आउट कर पार्टनरशिप को तोड़ने में सफलता हासिल की। उन्होंने अपने अगले ही ओवर में रूलाफ वैन डर मर्व को विकेट के पीछे कैच करा कर नीदरलैंड्स को 250 से कम टोटल पर रोकने की कोशिश की मगर एक छोर पर जम वैन बीक ने पुछल्ले बल्लेबाजों के सहारे टीम के स्कोर को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

मदुशंका और कसुन रजिता ने 4-4 विकेट झटके वहीं महीश थीक्षणा को एक सफलता मिली। आखिरी

विकेट के रूप में पाल वैन मीकरेन (4) नो बॉल पर रन आउट करार दिए गए। श्रीलंका की ओर से दिलशान मधुशंका और रजिथा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4-4 विकेट लिए। इसी तरह ठीकषाना ने 44 रन देकर 1 विकेट लिया।

जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका की शुरूआत भी खराब रही। कुसल परेरा 5 तो कुसल मेंडिस केवल 11 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन इसके बाद निसांका और समरविक्रमा ने पारी को संभाला। निसांका 52 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 54 रन बनाकर 17वें ओवर में आऊट हो गए। तभी श्रीलंका का स्कोर 104 रन था। इसके बाद समरविक्रमा ने चरिथ असलांका के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया।

असलांका इस दौरान बेहतरीन टच में नजर आए। उन्होंने डिफेंसिव मोड अपनाए रखा और 33वें ओवर में आऊट होने से पहले 66 गेंदों पर 2 चौके और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाए। समरविक्रमा 45वें ओवर तक 86 रन बना चुके थे लेकिन तभी धनंजय ने जोरदार हिट लगानी शुरू कर दी और श्रीलंका को जीत तक पहुंचा दिया। समरविक्रमा को 91 रनों पर संतोष करना पड़ा। जबकि धनंजय ने 37 गेंदों पर एक चौके और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाए। नीदरलैंड की ओर से आर्यन दत्त 44 रन देकर 3 विकेट लेने में सफल रहे।

ऑस्ट्रेलियाई तैराक कायली मैककेन ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक में बनाया विश्व रिकॉर्ड

बुडापेस्ट - ऑस्ट्रेलिया की तैराक कायली मैककेन ने बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम रखते हुए विश्व कप प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। मैककेन ने 26.86 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने चीन की लियू जियांग के 2018 में बनाए गए 26.98 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। मैककेन 50, 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाली पहली महिला बन गईं हैं। उन्होंने जुलाई में विश्व चैंपियनशिप में इन तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने तोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में स्वर्ण पदक हासिल किया था। 50 मीटर बैकस्ट्रोक ओलंपिक में शामिल नहीं है।

क़तर मास्टर्स शतरंज – उज्बेकिस्तान के याक़ूबबोएव बने विजेता , भारत के नारायनन को तीसरा स्थान

क़तर । दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट मेँ से एक क़तर मास्टर्स 2023 के अंतिम राउंड में काफी उतार चढ़ाव के बीच उज़्बेक्सितान के खिलाड़ी भारत पर भारी पड़े और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याक़ूबबोएव विजेता बन गए । अंतिम राउंड के पहले सबसे आगे चल रहे भारत के अर्जुन एरिगासी उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ एक लगभग ड्रॉ बाजी में भारी भूल करते हुए अंतिम समय में अपना हाथी गवां बैठे और मैच और ट्रॉफी दोनों से हाथ धो बैठे, इस जीत से अब्दुसाटोरोव 7 अंक पर पहुँच गए वहीं एक अन्य मुक़ाबले में याक़ूबबोएव नें भारत के मुरली कार्तिकेयन को मात देते हुए 7 अंक बना लिए और इसके बाद अब्दुसत्तारोव और याक़ूबबोएव के बीच हुए टाईब्रेक में दोनों क्रमश : दूसरे और पहले स्थान पर रहे । भारत के एसएल नारायनन नें अंतिम राउंड में दिग्गज यूएसए के हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेला और 6.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के साथ तीसरे स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों में 6.5 अंको पर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव , यूएसए के हिकारु नाकामुरा , भारत के अर्जुन एरिगासी , ईरान के परहम मघसूदलू और भारत के डी गुकेश क्रमश : चौंथे से आठवे स्थान पर रहे , 6 अंक बनाकर रूस के डेविड परवयन नौवे तो भारत के कार्तिकेयन दसवें स्थान पर रहे । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ओपन टूर्नामेंट में अपना सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए 16वे स्थान पर रहे ।

महिला खिलाड़ियों में भारत की आर वैशाली 5 अंक बनाकर अपना आखिरी ग्रांड मास्टर नार्म लेने में सफल रही साथ ही सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनी , भारत की दिव्या देशमुख महिलाओं मे दूसरे तो कज़ाकिस्तान की अलूया नूरमनोवा तीसरे स्थान पर रही।

न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद भारतीय टीम को मिलेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय विश्वकप में इस बार शानदार शुरुआत करते हुए अपने सभी चारों मैच जीते हैं। इस प्रकार भारतीय टीम अंक तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। टीम इंडिया को अब रविवार को न्यूजीलैंड से खेलना है। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को अगला मैच एक सप्ताह के बाद खेलना है। ऐसे में टीम को आराम दिया जाएगा और खिलाड़ी अपने-घरों को जा सकते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद टीम इंडिया अधिकतर खिलाड़ी घर लौट जाएंगे। वे 2 से 3 दिन के ब्रेक पर रहेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, न्यूजीलैंड मैच के बाद खिलाड़ियों के पास 2 या 3 दिन के ब्रेक पर जाने का विकल्प है क्योंकि 22 अक्टूबर के बाद भारतीय टीम को अपना अगला मैच 29 अक्टूबर को लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ है। बीसीसीआई के अधिकारी ने कहा कि 2 मैचों के बीच 7 दिन का अंतर होने से खिलाड़ियों के पास अपने परिवार से मिलने का मौका है। सभी खिलाड़ी 26 अक्टूबर तक वापस लखनऊ पहुंच जाएंगे। मैच के 48 घंटे पहले खिलाड़ियों का पहुंचना अनिवार्य है। टीम इंडिया की एकमात्र टीम है, जिसे राउंड रॉबिन के 9 मैच 9 स्थलों पर खेलने हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में वह भी अब इंग्लैंड के खिलाफ मैच से ही वापसी करेंगे। पंड्या की चोट को लेकर कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि यह अधिक गंभीर नहीं है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को होने वाला मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों की टीमों ने इस बार टूर्नामेंट में अब तक एक भी मुकाबला नहीं गंवाया है। न्यूजीलैंड और भारत दोनों ही टीमों के 4-4 मैच के बाद 8-8 अंक हैं पर कीवी टीम बेहतर नेट रनरेट के कारण अंक तालिका में पहले नंबर पर कायम है।

THE PHOTON NEWS

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर कंगना ने किया तेजस का प्रचार

बॉलीवुड में पंगा गर्ल के नाम से मशहूर कंगना रणौत का नाम किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बना रहता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अभिनेत्री अक्सर अपनी राय को बड़ी ही मुखरता से सबके सामने रखती हैं। चाहे फिर वह इंडस्ट्री के किसी सितारे के बारे में हो या फिर राजनीतिक मुद्दों के बारे में और यही वजह है कि अभिनेत्री ज्यादातर विवादों में घिर जाती हैं। चंद्रमुखी 2 के साथ दर्शकों को डराने के बाद इन दिनों कंगना रणौत अपनी आगामी एक्शन फिल्म तेजस का जमकर प्रचार कर रही हैं। इसी क्रम में कंगना को हाल ही में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया और सरदार वल्लभभाई पटेल की जमकर तारीफ भी की। कंगना रणौत अपनी आगामी फिल्म तेजस का प्रचार-प्रसार जोरों-शोरों के कर रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री तेजस गिल नामक एक भारतीय वायु सेना अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं। जहां कुछ दिन पहले अभिनेत्री को अहमदाबाद में एक गरबा नाइट में फिल्म का प्रचार करते हुए देखा गया था, वहीं हाल ही में उन्हें भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया के सबसे ऊंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा करते हुए स्पॉट किया गया। कंगना रणौत ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए सरदार पटेल को भारत का पहला चुना हुआ प्रधान मंत्री बताया। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कंगना ने लिखा, शिव जैसी भुजाएं सती के खंडित शरीर को थामे हुए थीं, वह भारत की अखंडता के पीछे का कारण हैं जैसा कि हम आज जानते हैं। इस गुमनाम राष्ट्रीय नायक के लिए इस तरह के एक योग्य गीत ने मुझमें और मेरी आगामी फिल्म तेजस की पूरी टीम में गर्व और राष्ट्रवाद की भावना पैदा कर दी है।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल पर फरहान अख्तर का बड़ा हिंट

जोया अख्तर के निर्देशन में बनी फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा पिछले कुछ दशकों में देखी गई सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म में कटरीना कैफ और कल्कि केकलां के साथ ऋतिक रोशन, अभय देओल और फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में थे। फिल्म ने पारंपरिक परिभाषाओं के दायरे से परे दोस्ती और जीवन की खोज की। फैंस, लंबे वक्त से इसके सीक्वल की मांग कर रहे हैं। वहीं, अब फरहान अख्तर ने इसके दूसरे पार्ट को लेकर बड़ा हिंट दे दिया है।

अभिनेता के पोस्ट ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है, साथ ही फैंस इसे देखकर बेहद खुश हो उठे हैं। फरहान अख्तर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। इस फोटो में फरहान व्हाइट दाढ़ी के साथ कैमरे के सामने क्लोजअप पोज देते नजर आए हैं। पिक्चर में फरहान थोड़े उम्रदराज लग रहे हैं। वहीं, इसके साथ लिखा गया अभिनेता का कैप्शन दर्शकों का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। फरहान ने पोस्ट को कैप्शन लिया है, इमरान का लुक पूरी तरह सामने आता है। क्या कहती हैं जोया अख्तर? क्या बॉयज को दूसरी सड़क यात्रा पर जाना चाहिए? फरहान अख्तर का यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया। फैंस समेत सितारे भी इस पर प्रतिक्रिया देने से खुद को नहीं रोक पाए। फिल्म के लीड एक्टर रहे ऋतिक रोशन ने भी इस पर कमेंट कर लिखा, चलो चलते हैं। इसके तुरंत बाद, अभय देओल ने लिखा, मैंने 2012 से बैगवती पैक कर रखा है, आप लोगों को क्या ख्याल है? इतना ही नहीं, निर्देशक और फरहान की बहन जोया ने टिप्पणी की। जोया ने लिखा, मेरी बैगवती पैक है। हालांकि, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। वहीं, फरहान अख्तर इन दिनों फिल्म जी ले जरा को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फरहान ने कटरीना कैफ, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट के साथ इस मूवी की घोषणा की थी। हालांकि, बीते दिन जानकारी आई कि मूवी को अनिश्चित काल तक के लिए टाल दिया गया है। साथ ही रिपोर्ट तो यह भी थी कि प्रियंका चोपड़ा को इसकी स्क्रिप्ट अच्छी नहीं लगी, जिसके कारण उन्होंने प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया।

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की बात करें तो यह फिल्म 12 वर्ष पहले रिलीज हुई थी, और रोड ट्रिप पर बनी इस मूवी को दर्शकों के जरिए खूब सराहा गया था। फिल्म ने दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है। यही कारण है कि फैंस भी कमेंट कर इसके सीक्वल की मांग कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, बिल्कुल हां, हम एक और रोड ट्रिप का इंतजार कर रहे हैं। एक अन्य लिखते हैं, सीक्वल पुराने कास्ट के ही साथ प्लीज।

जैकी श्रॉफ की बड़े परदे पर लीड रोल में वापसी

क्या साल 2014 में देश के प्रधानमंत्री बढ़ने की तरफ अग्रसर राजनीतिक शख्सियत के खिलाफ कोई अंतर्राष्ट्रीय साजिश रची गई थी? क्या इस शख्सियत को एक राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर ही समेट देने की कोई योजना बनी थी? इन सवालों और ऐसे ही तमाम और सवालों को लेकर आ रही है स्पाई थ्रिलर फिल्म टू जीरो वन फोर यानी 2014। फिल्म से करिश्माई अभिनेता जैकी श्रॉफ की लीड हीरो के तौर पर बड़े परदे पर वापसी हो रही है। जैकी का किरदार खुफिया अभियानों में अनुभवी सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना का है। जैकी के साथ फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, मुकेश ऋषि, शिशिर शर्मा और उदय टिकेकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना की इस कहानी का मुख्य आधार वे खबरें हैं, जो 2014 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले खूब चर्चा में रहीं। कैप्टन के जीवन में तब बदलाव आता है, जब उसे एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी फिरोज मसानी से पूछताछ का काम सौंपा जाता है। यह पूछताछ भारतीय और विदेशी गुप्त एजेंटों से जुड़ी एक बड़ी साजिश को उजागर करता है। जैसे ही खन्ना साजिश के इस जाल को उजागर करता है, वह खुद एक नई मुसीबत में फंस जाता है।

टाइगर-3 के प्रदर्शन के बाद शुरू होगी करण जौहर की सलमान अभिनीत फिल्म

सलमान खान की टाइगर 3 का ट्रेलर सोमवार को रिलीज कर दिया गया। फिल्म इस साल दिवाली पर आएगी। इसके अलावा सलमान के पास यशराज बैनर की पठान वर्सेस टाइगर है। कुछ दिनों पहले खबर थी कि करण जौहर के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है। अब डायरेक्टर ने इस पर कहा कि वह उम्मीद कर रहे हैं सबकुछ ठीक रहेगा और बात आगे बढ़ेगी। यह पहली बार होगा जब धर्मा प्रोडक्शन की किसी फिल्म में सलमान लीड रोल करेंगे। करण की कुछ कुछ होता है में उन्होंने कैमियो किया था। जल्द ही फिल्म की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। करण जौहर की इस फिल्म का निर्देशन विष्णु वर्धन करेंगे। पिंकविला से बात करते हुए करण ने पहली बार इस बारे में संकेत दिए। उन्होंने कहा, सलमान और उनके पूरे परिवार के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। मेरे पिता सलीम साब (सलीम खान) के बहुत करीब थे। यही वजह है कि सलमान ने मेरी फिल्म कुछ कुछ होता है के लिए हां की। यह बात मेरे दिल को छू गई। इस समय मैं बस इतना कह सकता हूं कि उम्मीद है कि इस रिलेशनशिप को पर्दे पर जगह मिल जाएगी। मैं अभी कन्फर्म नहीं कर रहा हूं, ना ही इससे इनकार कर रहा हूं क्योंकि कुछ चीजों को लेकर मै अंधविश्वासी हूं। सही समय आने पर बताऊंगा। फिल्म इस साल दिसंबर में फ्लोर पर जा सकती है। सलमान का किरदार एक सैनिक अधिकारी का होगा। यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है।

कब रिलीज होगी फिल्म

टाइगर 3 की बात करें तो फिल्म 12 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इसे मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया है और आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूसर हैं। सलमान के साथ फिल्म में कटरीना कैफ, इमरान हाशमी, रेवती और कुमद मिश्रा हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर विवेक अग्निहोत्री ने जताई खुशी

वैक्सीन वॉर के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने मंगलवार (17 अक्तूबर) को दिल्ली में अपनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। 69वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह राष्ट्रीय राजधानी में हुआ। द कश्मीर फाइल्स ने राष्ट्रीय एकता श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए नरगिस दत्त पुरस्कार जीता है। समारोह समाप्त होने के बाद विवेक ने उन्हें दिए गए सम्मान के लिए सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, इस सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए धन्यवाद। द कश्मीर फाइल्स को पुरस्कार धार्मिक आतंकवाद के सभी पीड़ितों को एक श्रद्धांजलि है। विशेषकर आज के संदर्भ में यह दर्शाता है कि जब मानवता न हो तो क्या होता है। भारत के सभी नागरिकों को धन्यवाद।

कृति सेनन की राष्ट्रीय पुरस्कार जीत पर टाइगर श्रॉफ ने दी बधाई

टाइगर श्रॉफ के फैंस उनकी अपकमिंग फिल्म गणपत- ए हीरो इज बॉर्न के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने के बाद से ही इसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अलावा कृति सेनन और अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में हैं। हाल ही में, गणपत अभिनेत्री कृति सेनन को नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया है और इस एतिहासिक पल को सेलिब्रेट करने के लिए टाइगर ने अपनी को-स्टार कृति की जमकर तारीफ की है। गणपत की रिलीज से पहले टाइगर फिल्म का जमकर प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। हीरोपंति के बाद एक बार फिर टाइगर और कृति की जोड़ी धमाल मचाने के लिए तैयार है। फैंस भी इस जोड़ी को स्क्रीन पर एक बार फिर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच कृति को नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। तो चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने कृति के लिए क्या कहा है। टाइगर ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक इंटरव्यू में कहा, हीरोपंती में वह छोटी बच्ची थी, लेकिन अब वह सुपरस्टार बन गई हैं। मुझे नहीं पता कि यह डायलॉग छोटी बच्ची हो क्या क्यों वायरल हुआ, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। वह यह अवॉर्ड डिजर्व करती हैं। फिल्म में उनकी भूमिका सराहनीय है और मीमी को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया था। बता दें कि विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म गणपत 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कॉफी विद करण में शामिल होंगे सनी व बॉबी देओल

कॉफी विद करण हमेशा सुर्खियों में रहता है। पिछले 7 सीजन के बाद करण ने हाल ही में 8वें सीजन का ऐलान किया था। अब पता चला है कि अभिनेता सनी देओल अपने छोटे भाई एक्टर बॉबी देओल के साथ शो में नजर आएंगे। उन्होंने इसकी शूटिंग भी कर ली है। हालांकि अभी तक किसी की भी ओर से इसकी ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सनी और बॉबी एपिसोड की शूटिंग कर चुके हैं। दोनों भाई आगामी फिल्मों से लेकर निजी जिंदगी तक हर विषय पर चर्चा करेंगे। सनी-बॉबी आखिरी बार साल 2005 में इस शो में नजर आए थे। बता दें कि शो का प्रसारण 26 अक्टूबर से हअअ प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सनी की 11 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया था। फिल्म ने देश-विदेश में जबरदस्त कमाई की। सनी ने पिछले दिनों अपनी नई फिल्म लाहौर 1947 का ऐलान किया है, जिसके निर्माता आमिर खान हैं। इसके अलावा सनी बॉर्डर 2 और अपने 2 में भी नजर आएंगे। दूसरी ओर बॉबी की अगली फिल्म एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें वे नेगेटिव शेड में नजर आएंगे। दोनों भाई बॉलीवुड में काफी लंबी पारी खेल चुके हैं।

टाइगर 3 से है कबीर खान का खास कनेक्शन, बोले- सलमान के चरित्र का निर्माण मैंने ही किया था

बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान अपनी आगामी फिल्म टाइगर 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। सलमान खान हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद से ही फैंस के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब फिल्म एक था टाइगर के निर्देशक कबीर खान ने खुलासा किया है कि टाइगर 3 के साथ उनका एक खास कनेक्शन है। सलमान खान अपने कई वर्षों के करियर में कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, जब उन्होंने कबीर खान द्वारा निर्देशित और यश राज फिल्म्स द्वारा निर्मित 2012 की एक्शन-थ्रिलर फिल्म एक था टाइगर में अभिनय किया, तो उन्हें सिनेप्रेमियों से प्यार और प्रशंसा मिली। इसके बाद फिल्म का सीक्वल भी बनने लगा। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर का निर्देशन करने वाले कबीर खान ने हाल ही में, एक इंटरव्यू में टाइगर 3 से अपने खास कनेक्शन का खुलासा किया है। कबीर ने कहा, हमेशा इस सीक्वल का हिस्सा बनने की भावना होती है क्योंकि मैंने एक था टाइगर (2012) के साथ टाइगर के चरित्र को बनाया था। इसलिए इस फ्रेंचाइजी के साथ एक विशेष संबंध है। कबीर ने आगे बताया, मैं यह जानने के लिए उत्सुक हूं कि कहानी क्या है। मैं फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहा हूं और मेरा प्लान है कि इसे केवल बड़े पर्दे पर दर्शकों के साथ तालियां बजाते हुए देखा जाए। यशराज फिल्म्स मेरे लिए घर जैसा है और मैं पूरी टीम की सफलता की कामना करता हूं।